ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य में प्रगति का पहिया जहां स्थिर है वहीं महंगाई बढ़ती जा रही है: सीटी रवि @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 05 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-154

भारतवासी पाकिस्तान को धिक्कार रहे, राहुल गांधी भारत को धिक्कार रहे

महत्वाकांक्षा में मानसिक संतुलन खो चुके राहुल गांधी!

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।
भारत को अपना समझने वाले नागरिक, नेता, राजनीतिक और सामाजिक संगठन पहलगाम करतूत के बाद पाकिस्तान को धिक्कार रहे हैं और ऑपरेशन सिंदूर को सराह रहे हैं। लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत को धिक्कार रहे हैं। कांग्रेस के ही नेता कहने लगे हैं कि महत्वाकांक्षा में राहुल गांधी मानसिक संतुलन खो चुके हैं। सत्ता पाने की बेचैनी और बौखलाहट में अनापशनाप हरकतें कर रहे हैं और अपने देश की सेना की साख पर प्रहार कर रहे हैं। राहुल गांधी जैसे नासमझ और गैर-जिम्मेदार नेता को लेकर पूरी कांग्रेस पार्टी लाचार और बेबस महसूस कर रही है। लगातार अहमकों की तरह बयान देने के क्रम में राहुल गांधी ने कह दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध-विराम करने का आदेश दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप की जी-हुजूरी में युद्ध-विराम कर दिया। नासमझ राहुल गांधी को अपनी पार्टी के नेता शशि थरूर की कही बात पर भी अक्ल नहीं आई। कई देशों की दौरे पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों को साफ-साफ बताया है कि युद्ध-विराम पाकिस्तान के आग्रह करने पर हुआ है, इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं है। थरूर ने यह भी कहा कि भारत किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार भी नहीं करता। राहुल गांधी ने शशि थरूर के ऐसे महत्वपूर्ण बयान की उपेक्षा करके भी अपना अवांछित और बेजा बयान दिया, इसका सीधा मतलब है कि राहुल गांधी ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। राहुल गांधी के बयान को भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने घटिया और अपरिवक्ष कहा। सुधांशु ने कहा, स्वघोषित, स्वयंभू, सर्वोच्च नेता, विपक्ष के नेता राहुल गांधी बेहद घटिया, निम्न-स्तरीय बयान देकर दुनिया को बता रहे हैं कि विपक्ष का नेता बनने के बाद भी उनमें गंभीरता और परिपक्वता की कितनी कमी है। जिस तरह से राहुल गांधी ने हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सेना अधिकारियों के ब्रीफिंग की तुलना आत्मसमर्पण से की, उससे पता चलता है कि उनकी मानसिकता कितनी बीमार और ▶10पर

सत्ता पाने की बेचैनी में सेना की साख पर कर रहे प्रहार

ऐसे गैर-जिम्मेदार नेता को लेकर पूरी कांग्रेस पार्टी लाचार

पाकिस्तान ने डोजियर में 28 फौजी अड्डे की तबाही कबूली

इस्लामाबाद, 04 जून (एजेंसियां)।
पाकिस्तान ने अपने आधिकारिक डोजियर में माना है कि ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को जितना नुकसान हुआ है वह भारत द्वारा बताए गए नुकसान से कहीं अधिक है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 20 नहीं बल्कि 28 ठिकानों को ध्वस्त किया। यह खुलासा खुद पाकिस्तान ने अपने डोजियर में किया है। पाकिस्तान ने भारतीय वायु सेना द्वारा मारे गए 8 अतिरिक्त लक्ष्यों की सूची भी अपने ऑफिशियल डोजियर में शामिल की है।

पाकिस्तान के ऑपरेशन बनियान उन मार्सोस पर तैयार किए गए डोजियर के मानचित्रों में पेशावर, झंग, हैदराबाद (सिंध), गुजरात, पंजाब, गुजरांवाला, भवालनगर, अटक और छोर पर हुए हमलों को दर्शाया गया है। भारतीय वायु सेना और सैन्य संचालन महानिदेशक ने पिछले महीने के हमलों के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन जगहों पर हुए हमलों का खुलासा नहीं किया था। ▶10पर

भारत सरकार की घोषणा : 2026 से होगी जनगणना

जाति के साथ होगी नागरिकों की गिनती

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।
देश में 16 साल बाद जनगणना होगी। 10 वर्ष के अंतराल पर जनगणना कराए जाने के नियमानुसार वर्ष 2021 में जनगणना कराई जानी थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था। इससे पहले साल 2011 में जनगणना हुई थी। केंद्र सरकार देश में जाति जनगणना का ऐलान पहले ही कर चुकी है। अब सरकार ने तारीखों का भी ऐलान कर दिया है।

भारत में 1 अक्टूबर 2026 से जाति गणना के साथ जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना देशभर में दो चरणों में कराई जाएगी। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। पहाड़ी राज्यों जैसे लद्दाख, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 1 अक्टूबर 2026 से जनगणना शुरू होगी। वहीं मैदानी इलाकों में जातीय जनगणना की शुरुआत 1 मार्च 2027 में होगी। साल 2026 में जनगणना के बाद से भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जो पहले 1951 से शुरू हुआ था वो बदलकर 2027-2037 और फिर 2037 से 2047 हो जाएगी।

गृह मंत्रालय बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ दो चरणों में जनसंख्या जनगणना-2027 आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जनसंख्या जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के पहले दिन 00:00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के गैर-समकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए, संदर्भ तिथि अक्टूबर 2026 के पहले दिन 00.00 बजे होगी। उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनसंख्या जनगणना आयोजित करने के इरादे की अधिसूचना जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

केंद्र सरकार की इस घोषणा के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि यह सामान्य जनगणना नहीं बल्कि जातीय जनगणना हो रही है। नागरिकों की गिनती की औपचारिकता जाति जनगणना से पूरी हो जाएगी।
▶10पर

पहाड़ी राज्यों में अक्टूबर 2026 से शुरू होगी गणना

कहीं नहीं चला पाकिस्तान का मुस्लिमवाद का कुचक्र

मुस्लिम देशों ने भी नहीं दिया आतंकी मुल्क का साथ

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।
पाकिस्तान का मुस्लिमवाद का कुचक्र किसी भी मुस्लिम देश पर नहीं चला। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न इस्लामिक देशों की यात्रा पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडलों के प्रति इस्लामिक देशों ने अपना समर्थन जताया और आतंकवाद पालने वाले पाकिस्तान को धिक्कारा। इस्लामिक देशों ने भी पाकिस्तान जैसे आतंकी मुल्क का साथ देने के परहेज कर लिया। कई देशों की यात्रा कर भारतीय प्रतिनिधिमंडल क्रमशः भारत लौट रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर रहे हैं। अलग-अलग दलों में शामिल 51 सांसदों के अलावा कई राजनयिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री और नौकरशाहों की टीम पाकिस्तानी दुष्प्रचार को धराशाई करने में जुटे हैं। इन शिष्टमंडलों में शामिल सभी लोग दहशतगर्दों के पनाहगाह पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को अलग-अलग मंचों पर बेनकाब कर रहे हैं। सभी शिष्टमंडलों ने अल्जीरिया, डेनमार्क, ब्रिटेन, इथियोपिया, फ्रांस, इटली जैसे देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रखा। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कूटनीतिक मुहिम जारी है। वहीं, अब इन शिष्टमंडलों के भारत वापस लौटने की शुरुआत भी हो चुकी है। जेडी-यू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आज भारत लौट आया। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा, कि जब सभी लोग मिलकर भारत के लिए आवाज उठा रहे हैं, और सभी सांसद एकजुट होकर अपना पक्ष रख रहे हैं, ▶10पर

कई देशों की यात्रा कर लौट रहा भारतीय प्रतिनिधिमंडल

बंग-विरोधी यूनुस ने ध्वस्त की बंग-बंधु की प्रतिष्ठा

शेख मुजीबुर्रहमान अब बांग्लादेश के राष्ट्रपिता नहीं

ढाका, 04 जून (एजेंसियां)।
बंग-विरोधी मोहम्मद यूनुस ने बंग-बंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिष्ठा ध्वस्त कर दी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कानून में संशोधन करके शेख मुजीबुर्रहमान को बांग्लादेश के राष्ट्रपिता के ओहदे से हटा दिया है। मुक्ति युद्ध की परिभाषा में भी बदलाव किया गया है। इस परिभाषा से भी मुजीबुर्रहमान का नाम पूरी तरह हटा दिया गया है। मोहम्मद यूनुस ने कुछ ही दिन पहले शेख मुजीबुर्रहमान की तस्वीर को नए नोटों से हटा दिया। अंतरिम सरकार ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम में संशोधन किया है, जिससे स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा को ▶10पर

आईपीएल में आरसीबी की जीत के जश्न में हादसा

चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़, 11 मरे

बेंगलुरु, 04 जून (एजेंसियां)।
आईपीएल चैंपियन आरसीबी की जीत के बाद एक बुरी खबर सामने आई है। बेंगलुरु में अपनी चैंपियन टीम को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हुई। इस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में 11 लोगों के मरने की आशंका है। जबकि दो लोगों के मरने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। कई लोग घायल हुए हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने भगदड़ में सात लोगों के मरने का दावा किया है। उन्होंने 33 लोगों के घायल होने का भी दावा किया है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र भगदड़ में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए बॉरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल पहुंचे। ▶10पर

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।
संसद के मानसून सत्र की तारीखें घोषित हो गई हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि 21 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र आयोजित किया जाएगा।

विपक्ष की ओर से ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लगातार की जा रही संसद के विशेष सत्र की मांग के बीच सरकार ने यह ऐलान किया है। संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,080/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,13,000/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 26^0

अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई का सनसनीखेज खुलासा

जैविक हथियार से फसलें नष्ट करने की फिराक में था चीन

वॉशिंगटन, 04 जून (एजेंसियां)।
अमेरिका में फसलें बर्बाद करने और कृषि आतंकवाद फैलाने के लिए खतरनाक जैविक रोगाणु तस्करी का मामला सामने आया है। अमेरिका ने चीन के एक प्रेमी युगल शोधकर्ताओं पर इस रोगाणु की तस्करी का आरोप लगाया है। साथ ही महिला को गिरफ्तार कर लिया है। एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने इसे गंभीर चेतावनी बताते हुए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की अमेरिकी संस्थानों में घुसपैठ और खाद्य आपूर्ति को प्रभावित करने के लिए शोधकर्ताओं के रूप में अपने लोगों को तैनात करने की बात कही है। चीन की हरकत से दुनिया के कई देशों में सतर्कता बरतने को कहा गया है।

एफबीआई अधिकारियों ने बताया कि जुलाई 2024 में चीनी युवक जुनयोंग लियू अपने बैग में एक जहरीला कवक लेकर अमेरिका में दाखिल हुआ था। डेट्रॉयट हवाई अड्डे पर उसके बैग से लाल पौधे बरामद किए गए। पूछताछ में उसने बताया कि वह मिशिगन विवि की प्रयोगशाला में काम करने वाली अपनी प्रेमिका युनकिंग जियान को यह पौधे सौंपना चाहता था। उसने पहले भी अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर शोध करने के लिए खतरनाक जैविक रोगाणु की तस्करी की है। इसके बाद युवक लियू को हवाई अड्डे से वापस चीन भेज दिया गया।

जांच में सामने आया कि रोगाणु को फ्यूजेरियम ग्रैमिनीरम के नाम से जाना जाता है। यह जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल की फसल को बर्बाद करके पशुओं और लोगों को बीमार कर सकता है। साथ ही अमेरिका को हर साल अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचा सकता है। एफबीआई ने कहा कि यह संभावित कृषि-आतंकवादी हथियार है। एफबीआई ने कहा कि अधिकारियों को लियू के फोन पर एक वैज्ञानिक लेख मिला जिसका शीर्षक था, बदलती जलवायु परिस्थितियों में पादप-रोगजनक युद्ध। जांच के अनुसार अमेरिका पहुंचने से एक सप्ताह पहले लियू ने जियान से बात की थी। इसमें जियान ने कहा था कि यह दुख की बात है कि मुझे अभी भी आपके लिए काम करना पड़ रहा है। इस पर लियू ने जवाब दिया कि एक बार यह हो जाए, तो बाकी सब आसान हो जाएगा। इसके बाद फरवरी में जब एफबीआई एजेंट कैंपस लैब में जियान से मिलने गए। उनसे पूछा गया कि क्या वह लैब में लियू को रोगाणु से निपटने में मदद कर रही थी, तो उन्होंने इससे इनकार किया। एफबीआई ने मामले में युनकिंग जियान और उसके प्रेमी जुनयोंग लियू के खिलाफ षड्यंत्र, तस्करी, झूठे बयान देने और ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

कलसा-बंदूरी परियोजनाओं के खिलाफ किसानों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने किया विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विभिन्न किसान संगठनों और पर्यावरण संरक्षण समूहों के सदस्यों ने बेलगावी में महादयी बेसिन परियोजनाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए 'बेलगावी के लिए रैली' निकाली। कार्यकर्ताओं ने भूमि अधिग्रहण नोटिस जारी करने और लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के लिए बड़ी पाइपलाइन बिछाने सहित महादयी बेसिन में चल रहे सभी कार्यों को तत्काल रोकने की मांग की। रैली सरकारी सरदार हाई स्कूल मैदान से शुरू हुई। प्रतिभागियों ने तख्तियां और पोस्टर पकड़े हुए थे, जिन पर लिखा था 'पानी बचाओ, पश्चिमी घाट बचाओ, 'महादयी बचाओ, मालाप्रभा बचाओ', 'महादयी बेसिन का काम बंद करो', 'हमारा पानी, हमारा अधिकार है। उन्होंने नारे लगाए कि 'हमें महादयी नदी मोड़ परियोजना नहीं चाहिए।

महादयी को बचाया जाएगा, तो मालाप्रभा बच जाएगी। उन्होंने रानी चेन्नम्मा सर्किल से होते हुए डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय तक मार्च किया। उन्होंने डीसी मोहम्मद रोशन के माध्यम से कर्नाटक सरकार को महादयी बेसिन परियोजनाओं का विरोध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि खानापुर तालुक में भीमागढ़ वन्यजीव अभयारण्य पश्चिमी घाट का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील स्थल है। यह बाघों, भालुओं, लकड़बग्घों और अन्य वन्यजीवों का घर है। यह खानपुर क्षेत्र में वर्षा के लिए भी जिम्मेदार है, जो नदियों का उद्गम स्थल है। इस क्षेत्र में किसी भी परियोजना के लिए पेड़ों को काटना और वन क्षेत्रों को जलमग्न करना पड़ेगा। इससे जैव-विविधता को खतरा होगा। इससे नदियाँ सूख सकती हैं और उत्तरी कर्नाटक का रेगिस्तानीकरण हो सकता है। कलसा-बंदूरी नहर मोड़ परियोजनाएँ खानपुर में पश्चिमी घाट के जंगलों को नुकसान पहुँचाएँगी। परियोजनाओं को छोड़ दिया जाना चाहिए। पर्यावरणविद सुरेश हेबलीकर ने कहा पश्चिमी घाटों ने दक्षिण भारत में बहुत बड़ा योगदान दिया है। इन्हें हर कीमत पर संरक्षित किया जाना चाहिए। ये सदाबहार जंगल कई तरह के पेड़ों और वन्यजीवों का घर हैं। अगर नहर मोड़ने की परियोजना लागू की गई तो पश्चिमी घाट पर नकारात्मक असर पड़ेगा और बारिश कम होगी। इससे कृषि क्षेत्र पर बुरा असर पड़ेगा। हमें खाने के लिए भीख मांगनी पड़ेगी। इसलिए इस परियोजना को लागू नहीं किया जाना चाहिए। पर्यावरणविद दिलीप कामथ ने कहा मालप्रभा नदी पर बना नवीलुतीर्थ बांध पिछले 40 सालों में सिर्फ चार या पांच बार ही भरा है। इसकी वजह खानपुर तालुक में जंगलों का विनाश है, जिससे बारिश कम हुई है। सभी नदियां पश्चिमी घाट से निकलती हैं। अगर ऐसी जगहों पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली परियोजनाएं लागू की जाती हैं तो नदियां कैसे बचेंगी?

प्रेक्षाध्यान के अंतर्गत मातृत्व कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय महिला मंडल के तत्वावधान में टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वस्थ परिवार- स्वस्थ समाज के तहत प्रेक्षाध्यान के अंतर्गत मातृत्व कार्यशाला का आयोजन स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के साथ हुई। तत्पश्चात प्रेक्षा गीत का सामूहिक संगान किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य वक्ता शिल्पी भंडारी (एम.ए इन एस.ओ.एल) ने कार्यशाला की शुरुआत महाप्राण ध्वनि से करवाई। तत्पश्चात दीर्घ -श्वास प्रेक्षा, नौ मंगल भावना का प्रयोग यह बताते हुए करवाया की शिशु के संस्कारों के निर्माण में यह प्रयोग बहुत शक्तिशाली हैं। मातृत्व एक वरदान है- रखना हर हाल में इसका ध्यान के विषय में बताया कि मातृत्व यात्रा शारीरिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक यात्रा हैं। त्रिशला की कोख नहीं होती तो महावीर नहीं होते। शिशु जब माँ की कोख में होता हैं तब माँ को सामायिक, ध्यान, स्वाध्याय, योग, व्यायाम आदि करना चाहिए। मंत्री नम्रता पितलिया ने कुशल संचालन किया। संयोजिका सुनीता भटेवरा ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला में निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर, उपाध्यक्ष दीपिका गांधी, संगठन मंत्री सरोज मारू, प्रचार प्रसार मंत्री वंदना चावत, कार्यकारिणी सदस्य विमला पितलिया, किरण मेहर, ममता राठौड़, वर्षा गादिया, रेखा गादिया, संगीता बोथरा ने सहभागिता दर्ज कराई। सभी ने कार्यशाला में भाग लेकर शांति एवं सुकून का अनुभव किया।

आपातकाल स्थिति में प्राथमिक उपचार कैसे करें पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा तेरापंथ टास्क फोर्स फिजिकल मिशन एमपॉवमेंट के अंतर्गत आपातकालिन परिस्थिति में प्राथमिक उपचार की कार्यशाला का आयोजन आर्यन मार्केटिंग में किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्ष कमलेश चोपडा ने अभातेयुप से पधारे हुए प्रशिक्षक राकेश दक, आर्यन मार्केटिंग के मालिक राकेश पोखरणा एवं समस्त कार्यरत कर्मचारियों का स्वागत किया। प्रशिक्षक राकेश दक ने अलग अलग परिस्थितियों में किस प्रकार प्राथमिक उपचार किया जाए इसके बारे में समझाया, जिसके अंतर्गत जलने पर, रक्तस्त्राव की परिस्थिति में एवं चोकिंग की अवस्था में हॉस्पिटल पहुंचने

से पहले क्या करना चाहिए। जिससे व्यक्ति की जान बच सके इस बारे में व्यक्तिगत उदाहरण देते हुए समझाया एवं सभी की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष विकास बाँठिया, सहमंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठनमंत्री पंकज कोचर, किशोर मंडल से संयोजक हर्ष मांडोत एवं कार्यकारिणी सदस्य हेमंत पटावरी उपस्थित रहे। अंत में राकेश दक एवं हेमंत पटावरी का जैन पट्ट से सम्मान किया गया। आर्यन मार्केटिंग की टीम एवं प्रशिक्षक का आभार मंत्री संजय भटेवरा ने व्यक्त किया।

नि:शुल्क कृत्रिम पैर फिटिंग शिविर का आयोजन

एक वर्षीय बालिका को कृत्रिम पैर लगाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर में कनकदास शिक्षण समिति के उपाध्यक्ष शांताणा कड़ीवाल के जन्मदिन के अवसर पर निशुल्क कृत्रिम पैर वितरण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के अलग अलग जिलों से आए दिव्यांगों को कृत्रिम पैर प्रदान कर आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर का उद्घाटन फेडरशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी, शांतन्ना कड़ीवाला, डॉ. शरणप्पा कटगी, वी.जी. पाटिल ने दिव्यांगों को

कृत्रिम पैर लगाकर किया। इस अवसर पर बेलगावी के हंचिनाल ग्राम की एक वर्षीय बालिका सोनू हादिमनी को कृत्रिम पैर लगाया गया। चलने फिरने में चुनौतियों का सामना कर रही अपनी बेटी से निराश मां को महावीर लिंब सेंटर ने कृत्रिम पैर लगाकर उसकी सभी चुनौतियों को दूर कर चलने फिरने में सक्षम किया।

इस अवसर पर बोलते हुए सिंघी ने कहा कि लिंब सेंटर ने सोनू को एक छोटा पैर दिया है और उसे जीवन में एक बड़ा कदम उठाने की संभावना की ओर ले गया है। लिंब सेंटर ने ऐसे कई विकलांग लोगों की मदद की है। इस दौरान जिन दिव्यांगों को कृत्रिम पैर दिए गए उन्होंने कड़ीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

सिद्धपुरा के होसंगडी में अकेला जंगली हाथी देखा गया

विधायक ने सतर्कता बरतने का आग्रह किया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के सिद्धपुरा, होसंगडी, कमलाशिले और आस-पास के इलाकों में एक अकेले जंगली हाथी की आवाजाही ने निवासियों में भय पैदा कर दिया है। हाथी को बालेबारे घाट से उतरते हुए और सिद्धपुरा शहर की ओर बढ़ते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों ने हुलिकल चेक पोस्ट, होसांगडी, सिद्धपुरा और कमलाशिले के आसपास इसकी मौजूदगी की सूचना दी। एहतियात के तौर पर, सिद्धपुरा में बुधवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार रद्द कर दिया गया। कुंदापुर तहसीलदार ने क्षेत्र

के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। स्थिति को संबोधित करते हुए, बिंदूर के विधायक गुरुराज गंटीहोले ने लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया। हाथी अपने प्राकृतिक मार्ग से भटककर आवासीय क्षेत्रों में आ गया होगा। यह एक कॉलर वाला हाथी है, और हाथी टास्क फोर्स इसकी गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहा है। मैंने वन अधिकारियों और टास्क फोर्स टीम से बात की है, और वे लगातार इसके मार्ग पर नजर रख रहे हैं। मैं जनता से अनुरोध करता हूँ कि वे शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे के बीच कम से कम बाहर निकलें, और अकेले बाहर निकलने से बचें। हाथी को पकड़ने और उसके प्राकृतिक आवास में स्थानांतरित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएँगे। अगर किसी को भी जानवर दिखाई देता है, तो उन्हें तुरंत वन अधिकारियों को सूचित करना चाहिए।

विराट कोहली का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने दी बधाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने इतिहास रचते हुए अपनी पहली ट्रॉफी जीत ली है। टीम ने फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। ट्रॉफी जीतने के बाद जब आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली बेंगलूरु

लौटे, तो कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर कई प्रशंसक भी एयरपोर्ट पर मौजूद थे और कोहली के समर्थन में नारे लगाए गए। उपमुख्यमंत्री ने आरसीबी की इस ऐतिहासिक जीत को कर्नाटक के लिए गर्व की बात बताया और कहा कि टीम ने राज्य और देश दोनों का नाम रोशन किया है। विराट कोहली ने भी प्रशंसकों और टीम का आभार जताते हुए कहा कि यह जीत सालों की मेहनत का नतीजा है। आरबीसी की यह ऐतिहासिक जीत न सिर्फ फ्रेंचाइजी बल्कि उनके समर्थकों के लिए भी एक यादगार क्षण बन गई है।

सांसद ने अनंतपुर-केएसआर बेंगलूरु मेमू की विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अनंतपुर सांसद अंबिका लक्ष्मीनारायण वाल्मीकि ने बुधवार को अनंतपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन संख्या 66560 अनंतपुर-केएसआर बेंगलूरु मेमू की विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश की विधान सभा सदस्य परिताला सुनीता, गुंटकल डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक चंद्रशेखर गुप्ता, अनंतपुर के कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. विनोद कुमार, दक्षिण मध्य रेलवे के उप महाप्रबंधक (जी) उदयनाथ कोटला, अन्य गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ अधिकारी भी उप-स्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए अंबिका जी. लक्ष्मीनारायण ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जिले से निकलने वाली पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ ही अनंतपुर के लोगों का लंबे समय से संजोया हुआ सपना सच हो गया है। उन्होंने घोषणा की कि निरंतर प्रयासों के बाद ट्रेन संख्या 66559/66560 केएसआर बेंगलूरु - सत्य साईं प्रशांति निलयम - केएसआर बेंगलूरु मेमू सेवा

का अनंतपुर तक विस्तार स्वीकृत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन का विस्तार विशेष रूप से छात्रों, अभिभावकों, व्यापारियों और चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक उद्देश्यों के लिए यात्रा करने वाले स्थानीय निवासियों के लिए लाभकारी होगा।

रेल परिवहन की सामर्थ्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यात्री केवल 50 रुपये में अनंतपुर से बेंगलूरु की यात्रा कर सकते हैं, जिससे रेलवे परिवहन का सबसे किफायती साधन बन गया है। सांसद ने आंध्र प्रदेश के रेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में उनके मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन के लिए प्रधान मंत्री, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और रेल मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे बताया कि राज्य को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 9,417 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट आवंटन प्राप्त हुआ है, जो पिछले वर्षों की तुलना में अब तक का सबसे अधिक है। लक्ष्मीनारायण ने यह भी बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत चरणबद्ध तरीके से 29.20 करोड़ रुपये की लागत से अनंतपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुनर्विकसित स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं और विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसके अतिरिक्त, धर्मावरम, हिंदुपुरम, ताड़ीपत्री और गूटी रेलवे स्टेशनों का भी एबीएसएस के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। विधायक परिताला सुनीता ने कहा कि आज एक शुभ अवसर है क्योंकि अनंतपुर-केएसआर बेंगलूरु मेमू की विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाई गई है। उन्होंने ट्रेन संख्या 66559/66560 केएसआर बेंगलूरु- सत्य साईं प्रशांति निलयम-केएसआर बेंगलूरु मेमू सेवा को अनंतपुर तक विस्तारित करने के लिए अनंतपुर के सांसद के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विस्तारित सेवा समाज के विभिन्न समूहों की जरूरतों को पूरा करेगी। उन्होंने अनंतपुर से विजयवाड़ा और गुंटूर की ओर और अधिक ट्रेनें चलाने का भी अनुरोध किया। इससे पहले गुंटकल डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर चंद्रशेखर गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि अनंतपुर-केएसआर बेंगलूरु मेमू का विस्तार रेल संपर्क बढ़ाने और क्षेत्र के लोगों के लिए सर्वोत्तम रेल बुनियादी ढांचा प्रदान करने की दिशा में रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

राज्य में अघोषित आपातकाल

राज्य में प्रगति का पहिया जहां स्थिर है वहीं महंगाई बढ़ती जा रही है: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि राज्य में अघोषित आपातकाल है। इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगाया था। कर्नाटक में अब अघोषित आपातकाल है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा क्या आप पुलिस राज्य बनाने जा रहे हैं?

कांग्रेस सरकार की मर्जी के मुताबिक पुलिस थानों का इस्तेमाल करने की स्थिति आपातकाल के दौरान भी थी। आप अभी भी वही कर रहे हैं। आपका राजनीति से प्रेरित व्यवहार स्पष्ट है। विधान परिषद में जो घटना हुई, उसके बाद अध्यक्ष ने फैसला सुनाया, मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया गया और मुझे गिरफ्तार कर लिया गया।

मेरी शिकायत कभी दर्ज नहीं की गई। विधानसभा के गलियारे में हुए हमले के संबंध में पुलिस आयुक्त को पत्र लिखने के बावजूद आज तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया। दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले विपक्षी नेता चलवाडी नारायणस्वामी को 4-5 घंटे तक लॉकडाउन में रखा गया। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि जिन लोगों ने लॉकडाउन में रखा था, उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। रविकुमार ने आलोचना की कि खेद व्यक्त करने के बाद, उन्हें पूछताछ के लिए पांच-पांच घंटे तक थाने में रखा गया। सदन के अध्यक्ष दक्षिण कन्नड़ गणराज्य को दरकिनार कर रहे हैं। सिलसिलेवार हत्याएं बंद नहीं हुई हैं। कार्रवाई केवल एकतरफा है। क्योंकि केपीसीसी अध्यक्ष ने खुद कुकर बम रखने वाले व्यक्ति को भाइयों में से एक के रूप में प्रमाणित किया।

क्या कांग्रेस के लोग आहत हैं?

कांग्रेस पार्टी को पाकिस्तान से इतना प्यार है कि कलबुर्गी में पहलगाम की घटना के बाद लोगों का गुस्सा स्वाभाविक रूप से भड़क गया और उन्होंने सड़क पर पाकिस्तानी झंडा लगा दिया, जिससे उनका गुस्सा जाहिर हुआ। राज्य की कांग्रेस सरकार ने ऐसे मामलों पर गुस्सा जाहिर करने वाले लोगों के खिलाफ शांति भंग करने का मामला दर्ज किया है। मैं कांग्रेस सरकार से पूछना चाहता हूं कि किसकी शांति भंग हुई। क्या कांग्रेस के लोग आहत हैं? कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी और सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार को दूसरी बार सत्ता में आए 2 साल हो चुके हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार इन 2 सालों की उपलब्धियां हैं। कर्नाटक की प्रगति का पहिया रुका हुआ है तो महंगाई और भी तेज गति से बढ़ रही है।

अरुण कुमार, जो लोगों के बीच हैं और लोगों के लिए लड़ते हैं, के खिलाफ निर्वासन नोटिस जारी किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि लक्ष्यीकरण चल रहा है। अधिक से अधिक लोग हैं जो गृह मंत्री को दरकिनार करते हैं। गृह मंत्री अक्सर पूरी तरह से अनजान होते हैं। ऐसा लगता है कि वे इसे सुरक्षित खेल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा दिखाने की कोशिश की जा रही है कि बड़े शहरों में बलात्कार सामान्य बात है, बलात्कार, डकैती, हत्या, जबरन वसूली गंभीर नहीं हैं। हर जिले में कुछ लोगों ने गृह मंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। अगर कलबुर्गी की बात आती है, तो प्रियांक खड़गे संभालेंगे, उनके निर्देशानुसार ही सब कुछ होना चाहिए। भले ही सारा मीडिया रेत माफिया पर रिपोर्टिंग कर रहा हो, लेकिन इस पर नियंत्रण नहीं किया गया है।

उन्होंने शिकायत की कि रेत माफिया को शाही संरक्षण प्राप्त है। सतीश जारकीहोली सोचते हैं कि वे धारवाड़ गणराज्य के हिटलर हैं। बेलगावी गणराज्य में लक्ष्मी हेब्बालकर अक्सर सतीश जारकीहोली को दरकिनार करने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी हेब्बालकर यह दिखाने की कोशिश कर रही हैं कि वे बेलगावी गणराज्य की सुपर गृह मंत्री हैं। सोशल मीडिया पर सच बोलने वालों और राष्ट्रवादियों को निशाना बनाने की कोशिश की गई है। उन्होंने शिकायत की कि जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भी पुलिस केस दर्ज किए जा रहे हैं। जिस मंत्री को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, वह भ्रष्टाचार को उपलब्धि मान रहा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि विभाग की प्रगति और जनहितैषी प्रशासन की बजाय भ्रष्टाचार उपलब्धि है। कांग्रेसी बोलने से पहले पांच गारंटी की बात करते हैं। रवि ने कहा कि एक तरह से यह गलत नहीं हो सकता कि राज्य में जनविरोधी सरकार है। पुलिस थाने पर हमला करने वालों को शाही शरण दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अघोषित आपातकाल के इतिहास से कोई सबक नहीं सीखा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अघोषित आपातकाल से राष्ट्रवादियों को डराया नहीं जा सकता।

राज्यसभा चुनाव के दौरान विधानसभा में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगे। हाईकोर्ट ने कहा है कि कैबिनेट चर्चा के बाद जिन 23 मामलों को वापस लेने का प्रस्ताव था, उन्हें वापस नहीं लिया जा सकता। कांग्रेस विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति के घर में आग लगा दी गई। उन्होंने पूछा कि अगर आप वोट बैंक की खातिर इस हमले को सही ठहराते हैं तो आप राज्य को कहां ले जाएंगे। आपकी पार्टी ने अखंड श्रीनिवास मूर्ति को टिकट नहीं दिया। ऐसा करके आप गलत करने वालों का समर्थन करने जा रहे हैं।

आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर बेंगलूरु में दिवाली जैसा जश्न

नेताओं ने टीम को दी बधाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यह कप हमारा है के नारे के साथ मंगलवार रात में बेंगलूरु शहर के विभिन्न हिस्सों में पटाखों और जश्न की आवाज गूंजी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु का सपना 18 साल बाद सच हुआ, जब उन्होंने अपना पहला आईपीएल खिताब जीता।

युवा पुरुष और महिलाएं और क्रिकेट प्रशंसक सड़कों पर पटाखे फोड़ने, नारे लगाने और आरसीबी और विराट कोहली जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की सराहना करने के लिए उतरे। सभी दलों के राजनेताओं ने सोशल मीडिया पर आरसीबी टीम को बधाई दी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने टाटा आईपीएल में ऐतिहासिक जीत के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु को बधाई दी।

शानदार प्रदर्शन से लेकर अटूट उत्साह तक, इस जीत ने कर्नाटक का गौरव बढ़ाया है। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि आईपीएल फाइनल में इस अविस्मरणीय, ऐतिहासिक जीत के लिए टीम को बहुत-बहुत बधाई। शिवकुमार ने कहा कि 18 साल का जुनून, निष्ठा और कभी हार न मानने की भावना और आज रात का जश्न भावनात्मक क्षणों के साथ आया। तीन बार उपविजेता रहने के बाद आखिरकार उन्होंने ट्रॉफी उठा ली। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें इतिहास रचने वाली टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा कि यह जीत हर उस प्रशंसक की है, जिसने कभी हार नहीं मानी। बेंगलूरु, कर्नाटक और पूरे देश के क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह कैसा पल है। उन्होंने कहा कि यह कर्नाटक के साहस, विश्वास और भावना का प्रमाण है। राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा यह जीत हर उस प्रशंसक की निजी है, जो उतार-चढ़ाव के दौरान आरसीबी के साथ खड़ा रहा, उन पर विश्वास किया, उनका उत्साहवर्धन किया और कभी हार नहीं मानी। आरसीबी के अविश्वसनीय अभियान के लिए यह कितना शानदार पल है। हमें यहां तक पहुंचने में 18 साल लग गए। लेकिन हमने इसे हासिल कर लिया और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। प्ले बोल्ड और आरसीबी को बधाई, यह तो बस शुरुआत है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा 18 साल की उम्मीद, दिल टूटने और उत्साह आखिरकार सच हो गया। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने भी टीम को बधाई दी और खिलाड़ियों, कोचों और वफादार प्रशंसकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने आरसीबी को आगे की यात्रा में लगातार सफलता की कामना की।

आरसीबी की जीत के जश्न में एक रात में बिक गई 30 करोड़ की बीयर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरसीबी की जीत के उत्साह में प्रशंसकों से अगर आप पूछेंगे कि उन्होंने एक रात में कितनी बीयर पी, तो आप चौंक जाएंगे। जैसे-जैसे आरसीबी जीत की ओर बढ़ रही थी, प्रशंसक टेबल के सामने बीयर खाली कर रहे थे और मंगलवार को राज्य में बीयर के 1.48 लाख डिब्बे खाली हो गए। जैसे ही आरसीबी ने जीत हासिल की, प्रशंसक फिर से पागल हो गए और जो भी बार मिला, वहां जाकर जी भरकर बीयर और शराब पी। इस तरह उन्होंने 30.66 करोड़ रुपये की बीयर पी और नशे में धुत हो गए। व्यापारियों ने पुष्टि की है कि इतनी बीयर अब तक एक रात में नहीं बिकी है।

आरसीबी की जीत का जश्न मनाते हुए युवक की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के अवराडी गांव में मंगलवार रात को आईपीएल फाइनल में आरसीबी की जीत का जश्न मनाते हुए एक युवक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। 28 वर्षीय मंजूनाथ ईरप्पा कुंबर मैच खत्म होने के बाद आधी रात को संगोली रायन्ना सर्किल में डांस कर रहे थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। उनके दोस्त उन्हें बागलकोट जिले के महालिंगपुर में एक नजदीकी अस्पताल ले गए, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मामला दर्ज कर लिया गया है। वह आरसीबी के बहुत बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने सर्किल में एक बड़ी स्क्रीन पर मैच की स्क्रीनिंग का आयोजन किया था। उन्होंने स्थानीय क्रिकेट टीम अवराडी वारियर्स का गठन किया था और टूर्नामेंट आयोजित किए थे। वह शादीशुदा थे और उनकी छह महीने की बेटी है। वह अपने पीछे अपनी गर्भवती पत्नी, मां और पिता को छोड़ गए हैं।

केएसडीएल ने मई में 186 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सरकारी स्वामित्व वाली कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसबीएल) ने मई में 186 करोड़ रुपये के उत्पाद बेचकर अब तक का रिकॉर्ड बनाया है।

इस अवसर पर बोलते हुए बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि उद्योग के 108 साल के इतिहास में यह पहली बार है कि सिर्फ एक महीने में इतना बड़ा कारोबार हासिल किया गया है।

कंपनी ने मई में 151.50 करोड़ रुपये का कारोबार लक्ष्य रखा था। हालांकि, इससे 35 करोड़ रुपये अधिक कारोबार करके 125 प्रतिशत उपलब्धि और 15 प्रतिशत वृद्धि हासिल की है। इस कारोबार में से 1.81 करोड़ रुपये निर्यात के जरिए अर्जित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि निर्यात कारोबार को सालाना 150 करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य है।

मैसूरु सैंडल सोप समेत कंपनी द्वारा निर्मित सभी 45 प्रकार के उत्पादों की बिक्री बेंगलूरु , चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, नई दिल्ली स्थित शाखाओं और बेंगलूरु में प्रत्यक्ष विपणन प्रभाग के माध्यम से उम्मीद से अधिक हुई है। केएसटीएल के साबुन, शॉवर जेल, अगरबत्ती आदि उत्पादों की व्यापक मांग है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, ब्रांडिंग और बाजार विस्तार के लिए कंपनी द्वारा किए गए प्रयास फलदायी हो रहे हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में सबसे अधिक 85 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। शेष 100 करोड़ रुपये कर्नाटक समेत अन्य राज्यों में हुआ है। इससे पहले अकेले सितंबर 2024 में 178 करोड़ रुपये के उत्पाद बिके थे। अब तक का रिकॉर्ड 178 करोड़ रुपये के उत्पाद बिकने का था। अब इसे पार कर लिया गया है। आमतौर पर केएसटीएल हर महीने औसतन 135 करोड़ से 140 करोड़ रुपये का कारोबार करती है।

हालांकि मई में 41 करोड़ रुपये अधिक का कारोबार दर्ज किया गया। पिछले दो सालों में संगठन की प्रक्रियाओं को और अधिक कुशल बनाया गया है और कोई नया उपकरण नहीं खरीदा गया है। केएसडीएल के अध्यक्ष सी.एस. नादगौड़ा ने बताया कि संगठन जल्द ही बाजार में परफ्यूम लॉन्च करेगा।

कैप्टन बृजेश चौटा का राजनयिक मिशन में भव्य स्वागत

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के 300 किमी अंदर नौ ठिकानों को नष्ट किया गया: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद कैप्टन बृजेश चौटा का मेंगलूरु के पीवीएस स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को भव्य स्वागत किया। दक्षिण कन्नड़ से सांसद कैप्टन चौटा हाल ही में एक उच्च स्तरीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में एक महत्वपूर्ण राजनयिक मिशन से लौटे हैं। टीम ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को उजागर करने के लिए पांच देशों का दौरा किया।

इस अवसर पर बोलते हुए कैप्टन चौटा ने कहा जब नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए, तो हमें ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत की स्थिति के बारे में एक कड़ा संदेश भेजने का साहस मिला। उन्होंने कहा आज के गलत सूचना के युग में, प्रधानमंत्री मोदी ने झूठे आख्यानों का मुकाबला करने और हमारी राष्ट्रीय स्थिति की पुष्टि करने के लिए दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल भेजने की पहल की। 22 अप्रैल को पहलगाम हमला, जिसमें हमलावरों ने हमारे धर्म और अस्तित्व पर सवाल उठाया, स्पष्ट रूप से हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक तनाव को भड़काने के उद्देश्य से किया गया था।

ऑपरेशन के बारे में बताते हुए कैप्टन चौटा ने कहा ऑपरेशन सिंदूर 7 मई को चलाया गया था, जिसके दौरान पाकिस्तान के 300 किलोमीटर अंदर नौ ठिकानों को नष्ट किया गया था। यह एक जटिल मिशन था जिसमें सटीक खुफिया जानकारी, समन्वित प्रयास और उच्च-स्तरीय उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था। हमें इस उपलब्धि पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए थे कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने या उन्हें अनुमति देने के परिणामों को समझे। उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। राज्य सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा सिद्धरामैया 2.0 सरकार हिंदू विरोधी, जनविरोधी और बेहद भ्रष्ट है। वे हिंदू संगठनों और नेताओं को डराने के लिए पुलिस विभाग का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह अस्वीकार्य है। हम चुप नहीं रहेंगे और हिंदू नेता एकजुट और मजबूत बने रहेंगे।

आरसीबी टीम की जीत के जश्न के लिए 2000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने बताया कि आरसीबी टीम को उनकी रोमांचक जीत के लिए बधाई देने के लिए शहर में आयोजित विजय समारोह की सुरक्षा के लिए अधिकारियों सहित दो हजार से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस के साथ-साथ केएसआरपी की 20 प्लाटून और सीएआर की 25 प्लाटून बंदोबस्त में तैनात की गई थी। शहर के सभी डीसीपी, अतिरिक्त आयुक्त और संयुक्त आयुक्त बंदोबस्त में मौजूद है। विशेष विमान से आने वाली आरसीबी टीम को एचएएल एयरपोर्ट से ताज वेस्टेंड होटल ले जाया जा गया। फिर इस होटल से आरसीबी टीम को विधान सौधा लाया जाएगा।

आयुक्त ने बताया कि बाद में चिन्नास्वामी स्टेडियम ले जाने के मद्देनजर तीनों स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है। उन्होंने आरसीबी टीम की जीत का जश्न मनाने आए प्रशंसकों को विनम्रता से पेश आने और अभद्र व्यवहार न करने की सलाह दी।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने गारंटी सूचना बूथ प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के केंद्रीय बस स्टैंड पर बुधवार को समाचार एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित राज्य सरकार की दो साल की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली सूचना बूथ प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्य के चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता एवं आजीविका मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने राज्य के 7 करोड़ लोगों के जीवन को मजबूत बनाने के लिए पंच गारंटी योजना लागू की है। जो लोगों के लिए उम्मीद की किरण हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि ये योजनाएं अगले तीन साल तक भी लागू रहेंगी।

प्रदर्शनी में सरकार द्वारा लागू की गई पंच गारंटी योजनाओं के कारण पिछले दो साल में लोगों को मिले लाभ, लाभार्थियों की राय और व्यापक जानकारी प्रदर्शित की गई है। आम लोगों और यात्रियों को इस सूचना बूथ पर आकर देखना चाहिए जो प्रगतिशील कर्नाटक के सार्थक उत्सव को दर्शाता है। राज्य गारंटी योजना कार्यान्वयन प्राधिकरण के कलबुर्गी संभाग के उपाध्यक्ष मेहरोज खान ने सूचना विभाग के काम की सराहना की और आगंतुकों को बूथ को स्वतंत्र रूप से देखने की अपील की, जो बुद्ध, बसव, गांधी और अंबेडकर के सिद्धांतों के आधार पर राज्य के लोगों के लाभ के लिए लागू की गई गारंटी योजनाओं पर अनूठी जानकारी प्रदान करता है।

आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान दुर्घटना में युवक की मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। आईपीएल फाइनल में पंजाब के खिलाफ आरसीबी की जीत के बाद मंगलवार रात को जश्न के दौरान दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक वेंकटेश नगर निवासी अभिनंदन (21) है। यह दुर्घटना रवींद्रनगर में गणपति मंदिर के सामने हुई। युवकों ने आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए बाइक रैली निकालने का फैसला किया था। दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। गंभीर रूप से घायल अभिनंदन की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना जयनगर थाने की सीमा में हुई। वहीं रात में जश्न के दौरान, कथित तौर पर एक बाइक दुर्गीगुडी में एक घर के सामने खड़ी कार से टकरा गई। बदमाश बाइक पर सवार होकर भाग गए। कार क्षतिग्रस्त हो गई। शिवमोगा के सीनप्पा शेट्टी सर्किल पर आरसीबी की जीत का जश्न देर रात तक जारी रहा, जिसके कारण भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

बीएसएफ ने पेश किया तीन साल का ब्यौरा

5000 घुसपैठिए बांग्लादेश भेजे गए

प. बंगाल में सबसे ज्यादा गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। भारत में लगातार बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहचान कर वापस भेजने की प्रक्रिया जारी है। देश के अलग-अलग हिस्सों से घुसपैठिए पकड़ कर ऑपरेशन पुश-बैक में वापस भेजे जा रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बताया है कि उन्होंने पिछले तीन साल में 5,000 घुसपैठिए पकड़े गए, जो चोरी-छुपे भारत में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

बीएसएफ ने बताया कि 2023 में 2406 घुसपैठियों को पकड़ा गया। 2024 में 2425 घुसपैठियों को पकड़ा गया और 2025 में अब तक 557 घुसपैठियों को पकड़ कर वापस उनके देश भेजा जा चुका है। बीएसएफ ने अधिकांश घुसपैठिए पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में पकड़े हैं। इसमें भी सबसे अधिक घुसपैठ पश्चिम बंगाल में दर्ज की गई है। पिछले 3 साल में पश्चिम बंगाल में 2688 घुसपैठियों को पकड़ा गया। इनमें से 90 प्रतिशत घुसपैठियों पश्चिम बंगाल के सीमाई इलाकों से पकड़े गए थे। पश्चिम बंगाल के अलावा मिजोरम जैसे राज्यों में भी काफी घुसपैठ देखी गई। असम और त्रिपुरा में ऐसे मामले कम मिले। खुली सीमा होने के कारण बांग्लादेशी घुसपैठिए त्रिपुरा से भी अंदर आने का प्रयास करते हैं। त्रिपुरा में पिछले तीन साल में घुसपैठ की कोशिशों की संख्या 771 रही।

पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के बड़ी संख्या में आने का मुद्दा गृह मंत्री अमित शाह लगातार उठा रहे हैं। अमित शाह ने स्पष्ट कहा है कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों को टीएमसी सरकार का आशीर्वाद मिला हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घुसपैठियों के लिए सीमाएं खोल रखी हैं।

बीएसएफ सीमा पर घुसपैठियों को पकड़ कर वापस भेज रही है। दूसरी तरफ ऑपरेशन पुश-बैक भी तेजी से चल रहा है। इसके तहत अब तक 2000 अवैध घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश भेजा जा चुका है। इसके अलावा देश के अलग-अलग जगहों पर छुपकर रह रहे लगभग 2000 घुसपैठिए अब वापसी के लिए तैयार हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब घुसपैठियों की जानकारी बॉयोमेट्रिक के जरिए भी सहेज रही हैं। इसे राष्ट्रीय डेटाबेस से भी जोड़ा जाएगा। इससे दोबारा देश में घुसपैठियों के घुसने पर जानकारी निकालना और कार्रवाई करना आसान हो जाएगा।

ऑपरेशन पुश-बैक अप्रैल 2025 से चल रहा है। यह भारत सरकार की नई रणनीति है, जिसका उद्देश्य अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या घुसपैठियों से त्वरित रूप से निपटना है। गृह मंत्रालय ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की पहचान और राष्ट्रीयता की पुष्टि के लिए 30 दिन की समय सीमा तय की है। इसके बाद भारतीय सुरक्षाबल घुसपैठियों को तुरंत सीमा पार बांग्लादेश की ओर धकेल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम और रक्षा मंत्री की हुई बैठक

ऑस्ट्रेलिया से और मजबूत होगी रक्षा साझेदारी

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस भारत दौरे पर हैं। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्री ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इससे पहले रिचर्ड मार्लेस ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पहुंचकर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस को दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

बैठक के बाद भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ बैठक में भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी की समीक्षा की गई। इनके नेतृत्व में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग मजबूत हो रहा है और यह हमारी रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ बनकर उभरा है। पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के एकमत समर्थन के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया को धन्यवाद देता है। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए चार देशों के दौरे पर हैं। मार्लेस भारत के अलावा मालदीव, श्रीलंका और इंडोनेशिया भी जाएंगे। रिचर्ड मार्लेस का दक्षिण एशिया दौरा 2 जून को शुरू हुआ था। रिचर्ड मार्लेस के भारत दौरे को लेकर भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त ने कहा कि मार्लेस का यह भारत दौरा, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर मार्लेस का भारत दौरा हो रहा है।

मोदी से मिले ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री

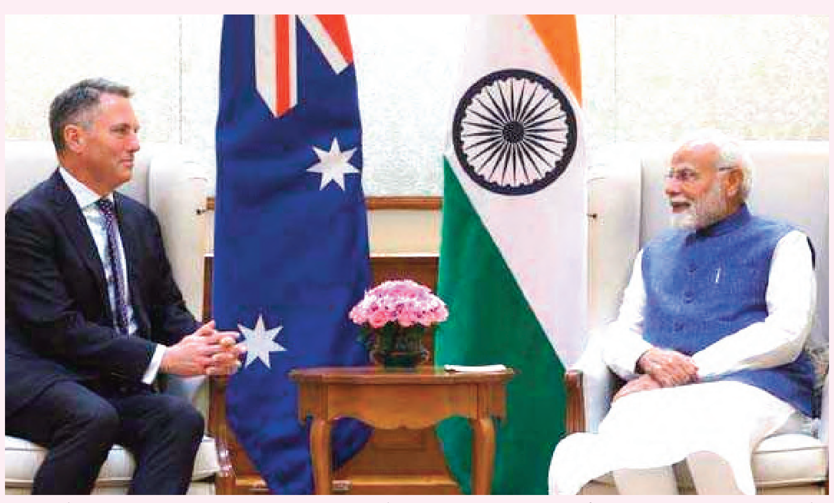

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने आज यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में हुए संघीय चुनावों में ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उप प्रधानमंत्री मार्लेस को बधाई दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। इस साझीदारी के इस वर्ष पांच साल पूरे हो गए। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों, नवीन और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए साझा दृष्टिकोण द्विपक्षीय सहयोग का मार्गदर्शन करता रहेगा। उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के समर्थन को दो-हराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानियो को इस वर्ष के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।

नेपाल की राजधानी काठमांडू पर घिरे संकट के बादल

राजा की वापसी के नारों से गूंज रहा है देश

काठमांडू, 04 जून (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी हिमालयी देश नेपाल में कुछ समय घट रहे घटनाक्रमों ने देश को एक गंभीर राजनीतिक संकट में डाल दिया है। पूर्व गृह मंत्री कमल थापा को गिरफ्तार किए जाने तथा राजा आओ, देश बचाओ के नारों की गूंज ने राजधानी काठमांडू में असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। आए दिन हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरकर राजशाही को वापस लाने की मांग कर रहे हैं। देश में राजा की वापसी को लेकर हर नुक्कड़ पर चर्चाएं चल रही हैं। इसके बरक्स लोकतंत्र समर्थकों का मानना है कि देश के लिए राजशाही शायद उतनी कारगर नहीं रहने वाली है।

काठमांडू में देश के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे राजशाही लाने के प्रदर्शन में शामिल हुए थे। प्रदर्शन के बीच से उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रदर्शनकारी पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के चित्र हाथों में लेकर नारे लगा रहे थे कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित करो। इसी विरोध प्रदर्शन में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और आरपीपी नेपाल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया था। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के सरकारी आवास बालू-वाटर की ओर तरफ बढ़ने की कोशिश में थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई और थापा को गिरफ्तार किया गया।

काठमांडू में देश के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे राजशाही लाने के प्रदर्शन में शामिल हुए थे। 2008 में नेपाल में राजशाही खत्म हुई थी। उसके बाद लोकतांत्रिक पद्धति अपनाई तो गई लेकिन वह सही मायनों में कभी सफल नहीं हुई। संविधान में भी फेरबदल हुआ। जोड़ तोड़ कर हर रंग-रूप की सरकारें बनती रहीं लेकिन स्थायित्व नहीं आया। इस राजनीतिक अस्थिरता से विकास आदि के काम मद्धम पड़ते गए। गत 16 साल में उस देश में 10 प्रधानमंत्री सरकार चला चुके हैं, लेकिन किसी के लिए भी अपना काम करना सहज नहीं रहा।

नेपाली कांग्रेस, माओवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं पर भ्रष्टाचार और सत्ता संघर्ष के आरोप लगते रहे हैं। कम्युनिस्ट नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड, केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा जैसे नेताओं की नीतियों से जनता में संतोष की बजाय असंतोष ही बढ़ता दिखा। असल में देखा जाए तो नेपाल में 240 साल से ज्यादा वक्त से राजशाही की परंपरा रही है। 1768 में राजा पृथ्वी नारायण शाह देव ने नेपाल को एकीकृत किया था। राजा बीरेन्द्र बीर बिक्रम शाह देव के शासनकाल (1990-2001) को संवैधानिक राजशाही का शानदार उदाहरण माना जाता है। लेकिन 2001 में राजपरिवार हत्याकांड और 2006 में जनांदोलन के बाद राजशाही का धीरे धीरे अंत हो गया। परन्तु आज जैसी परिस्थितियां बनी हैं, उनमें राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, विकास न होने जैसे अनेक कारण हैं जिन्होंने राजशाही समर्थकों की संख्या को एकाएक बढ़ाया है। ये सभी मांग कर रहे हैं कि नेपाल में राजशाही वापस लौटे और देश एक बार फिर से हिंदू राष्ट्र बने।

नेपाल आज फिर से दोराहे पर खड़ा है। राजशाही समर्थकों और लोकतंत्र समर्थकों के बीच बहस बढ़ती जा रही है। राजशाही का पलड़ा भारी होता दिखा है, क्योंकि राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपने स्वार्थ साधने का काम किया है। देश में गंभीर राजनीतिक संकट पैदा हुआ है। भ्रष्टाचार और आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में वह हिमालयी देश किस करवट बैठेगा, यह समय ही बताएगा।

कश्मीर पहुंचेगी रेल, पर जम्मू-कटड़ा के व्यापारियों का निकल जाएगा तेल !

जम्मू, 04 जून (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इससे बार-बार इंकार करते हैं पर यह सच है कि विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थान वैष्णो देवी के बेस कैम्प कटड़ा में रेल पहुंचने बाद से ही जम्मू के व्यापारियों का तेल निकल चुका है। और अब कश्मीर तक सीधी रेल पहुंचने से चिंता में सिर्फ जम्मू ही नहीं बल्कि कटड़ा भी है। हालत यह है कि पहले से ही उधमपुर में रेल पहुंचने के बाद परेशानी में डूबे जम्मू के व्यापारियों के लिए कटड़ा तक की रेल लाइन कोई खुशी नहीं आई थी और अब इसके कश्मीर तक पहुंचने पर भी कोई खुशी नहीं ला रही है।

ऐसा इसलिए है कि क्योंकि वैष्णो देवी के तीर्थस्थान पर प्रतिवर्ष आने वाले एक करोड़ के करीब श्रद्धालुओं के लिए कटड़ा में रेल पहुंचने से पहले तक जम्मू ही एक सबसे बड़ा बिजनेस केंद्र था। आंकड़ों के मुताबिक, इन श्रद्धालुओं के कारण जम्मू शहर को 10 से 20 करोड़ की मासिक आय होती थी।

इसमें उन फौजियों द्वारा खर्च की जाने वाली राशि शामिल नहीं है जो उधमपुर की नार्दन कमान के तहत आने वाले क्षेत्रों में तैनात हैं और उन्हें अपने अपने घरों में जाने के लिए जम्मू से ही रेल पकड़नी पड़ती थी।

नतीजतन अब तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार, 6 जून से कटड़ा से कश्मीर में रेल पहुंच जाएगी तो जम्मू के साथ साथ कटड़ा का व्यापार भी पूरी तरह से मिट्टी में मिल जाएगा इसके प्रति कोई दो राय नहीं है।

जम्मू के एक स्थानीय फैक्टरी के मालिक जो स्थानीय बाजार के लिए खाने पीने की वस्तुओं का निर्माण करते हैं, कहते हैं कि कश्मीर में रेल पहुंचने का अर्थ होगा के व्यापार को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर देना। ऐसी ही चिंता कटड़ा में होटल के मालिक वेद प्रकाश प्रकट करते हैं। उनका कहना है कि अब वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं को कटड़ा में रोक पाना शायद ही संभव हो पाए।

असल में कटड़ा में रेल के पहुंचने से पहले तक वैष्णो देवी आने वाले एक करोड़ के करीब श्रद्धालु जब अपने घरों को लौटते थे तो कश्मीर की यादगार के रूप में शाल, पेपरमाशी की वस्तुएं, अखरोट, बादाम, शहद, राजमाश और केसर समेत अन्य वस्तुओं की खरीददारी जम्मू से ही इसलिए करते हैं क्योंकि कश्मीर में जाना उनके लिए संभव नहीं हो पाता था।

फिर यही सामग्री कटड़ा से खरीदी जाने लगी तो जम्मू के व्यापार की वाट लग गई। ऐसे ही दौर से अब कटड़ा के व्यापारी भी जूझने को तैयार हैं क्योंकि पर्यटक इन वस्तुओं को सीधे कश्मीर से ही खरीदेंगें।

एक अनुमान के अनुसार, प्रतिमाह इन्हीं वस्तुओं पर ही आने वाले पर्यटक तथा श्रद्धालु जम्मू में 4 से 6 करोड़ की राशि इसलिए भी खर्च करते थे क्योंकि जम्मू से ही उन्हें रेल पकड़नी होती थी और यहीं से उन्हें आगे के लिए यातायात के अन्य साधनों का इस्तेमाल करना होता था। ऐसे में हमारे व्यापार का क्या होगा। पहले उधमपुर तक रेल के पहुंचने के कारण फौजी सीधे वहीं उतरने लगे थे और फिर कटड़ा में और अब सीधे कश्मीर, रेलवे स्टेशन पर अखरोट और बादाम बेचने वाले जुगल शर्मा का कहना था। इसी प्रकार की स्थिति अन्य व्यापारियों तथा होटलवालों की भी है जो उधमपुर और कटड़ा तक रेल के पहुंच जाने से बुरी तरह से प्रभावित हो चुके हैं। जबकि अब कटड़ा के व्यापारियों को भय इस बात का है कि कश्मीर में पहुंचने वाली रेल उनके व्यापार को भी अपने साथ बहा कर ले जाएगी। ऐसी चिंता से त्रस्त होने वालों में होटलवालों के अतिरिक्त छोटे मोटे रेस्तरां के मालिक तो हैं ही टैक्सी तथा टूर एंड टेऋवल एजेंसी चलाने वाले भी हैं।

यूं तो सरकार जम्मू के व्यापार को न मरने देने की बात करती रही थी परंतु हकीकत यह है कि अभी तक धरातल पर कुछ ठोस नहीं किया गया है और रेल पटरी अपनी रफ्तार से अब कश्मीर की ओर बढ़ती जा रही है। कहा यही जा रहा था कि रेल कटड़ा तक पहुंचेगी तो जम्मू में पर्यटक कुछ दिनों के लिए रूक पाएं ऐसा कुछ भी नहीं किया गया आज तक। सिवाय आश्वासन देने के।

तत्काल टिकटों के अनधिकृत बुकिंग नेटवर्क पर रेलवे का कड़ा प्रहार

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने पारदर्शिता, सुरक्षा और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, अपने टिकटिंग बुनियादी ढांचे में व्यापक डिजिटल बदलाव करके ढाई करोड़ संदिग्ध आईडी निष्क्रिय करके अनधिकृत तत्काल बुकिंग पर कड़ा प्रहार किया है जिसके बाद वास्तविक उपयोगकर्ताओं को बहुत राहत मिली है।

रेल मंत्रालय ने बुधवार को यहां नयी जानकारी देते हुए कहा कि नये डिजीटल प्लेटफॉर्म पर अत्याधुनिक एंटी-बीओटी सिस्टम के इस्तेमाल और एक प्रमुख कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क (सीडीएन) सेवा प्रदाता के साथ एकीकरण के माध्यम से, रेलवे ने तत्काल श्रेणी के टिकटों की अनधिकृत स्वचालित बुकिंग पर काफी हद तक अंकुश लगाकर वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए वेबसाइट की पहुंच में सुधार किया है।

नए सिस्टम ने सभी बॉट ट्रैफ़िक को प्रभावी रूप से कम कर दिया है, जो तत्काल योजना के पहले पांच मिनट के दौरान चरम पर होता है। इस अवधि के दौरान कुल लॉगिन प्रयासों में बॉट ट्रैफ़िक का हिस्सा 50 प्रतिशत तक होता है। यह वृद्धि वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर पहुंच सुनिश्चित करती है। इसका परिणाम यह हुआ कि टिकट बुकिंग के लिए 2.5 करोड़ संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी निष्क्रिय कर दी गई हैं। 22 मई को एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई, जिसमें 31 हजार 814 टिकटों की प्रति मिनट सबसे अधिक बुकिंग हुई जो इस उन्नत प्लेटफ़ॉर्म की मज़बूती एवं विश्वसनीयता को दर्शाता है।

निष्पक्षता और दक्षता को और बढ़ाने के लिए, नए उपयोगकर्ता प्रोटोकॉल पेश किए गए हैं। आधार के माध्यम से प्रमाणित नहीं होने वाले उपयोगकर्ता पंजीकरण के 3 दिन बाद ही ओपनिंग एआरपी, तत्काल या प्रीमियम तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं, जबकि आधार-सत्यापित उपयोगकर्ता बिना देरी के टिकट बुक कर सकते हैं।

इन प्रयासों से जबर्दस्त सुधार दिखायी दिया है। औसत दैनिक उपयोगकर्ता लॉगिन वित्त वर्ष 2023-24 में 69.08 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 82.57 लाख हो गया जो 19.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। इसी अवधि में औसत दैनिक टिकट बुकिंग में 11.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, ई-टिकटिंग अब कुल आरक्षित टिकट बुकिंग का 86.38 प्रतिशत हिस्सा है।

रेल मंत्रालय ले टिकट बुकिंग प्रणाली में सुधारों का विवरण देते हुए कहा कि 87 प्रतिशत सामग्री को तेज़ लोड समय और कम सर्वर लोड के लिए सीडीएन के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। परिष्कृत एआई एल्गोरिदम का उपयोग करके बॉट ट्रैफ़िक का सक्रिय पता लगा कर उसे कम किया जा रहा है। संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी को सक्रिय रूप से निष्क्रिय करके साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी गई है।

उत्तर प्रदेश की नेपाल सीमा पर फैला मकड़जाल हट रहा

सीमा क्षेत्र को घेरे बैठे अवैध लोगों से निजात दिला रहे योगी

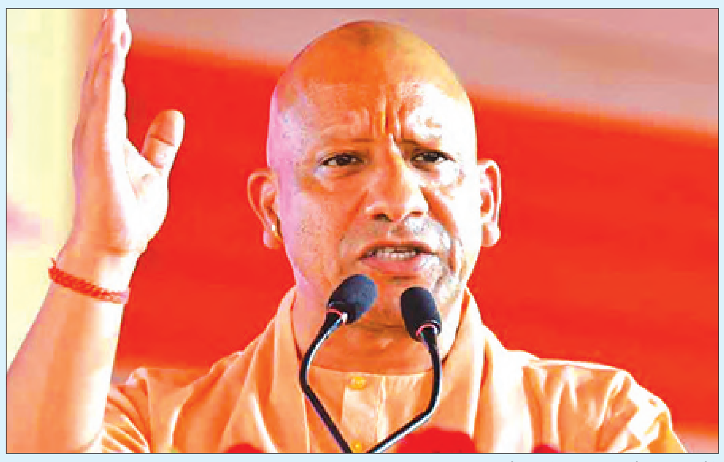

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)। बीते कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश के नेपाल सीमा से सटे जनपदों में बड़ी संख्या में अवैध ढंग से मस्जिदों, मदरसों, मजारों और ईदगाहों का निर्माण हुआ। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उन सभी अवैध कब्जों और बिना मान्यता के संचालित मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रदेश के महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती और पीलीभीत जिलों में प्रशासन की ओर से यह कार्रवाई की गई। कुछ मदरसों को सील कर दिया गया एवं सरकारी भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई में कुल 225 मदरसों, 30 मस्जिदों, 25 मजारों एवं 6 ईदगाहों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि नेपाल सीमा के 15 किलोमीटर दायरे में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे, मजहबी या शैक्षणिक संस्थान के अवैध संचालन को बंद कर दिया जाएगा। जिला प्रशासन को इस संबंध में कड़े निर्देश दिए गए हैं कि मजहब की आड़ में किए गए अतिक्रमण को चिह्नित किया जाए और उसके खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाए। महाराजगंज जनपद में कोल्हुई क्षेत्र के ग्राम पंचायत धरैची टोला में जांच करने पर यह पाया गया कि गड्ढे की जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। उस भूमि पर अवैध ढंग से मदरसे का निर्माण कर दिया गया था। राजस्व विभाग की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ बुलडोजर चलवाकर मदरसे को ध्वस्त कर दिया। तहसील फरेंदा ग्राम में अवैध मदरसे को हटाया गया। तहसील निचलौल में बिना मान्यता के संचालित चार मदरसों को नोटिस देकर सील कर दिया गया। वहीं महाराजगंज जिला प्रशासन ने 29 अवैध मदरसों पर कार्रवाई की। इसके साथ ही 9 मस्जिदों, 7 मजारों एवं एक ईदगाह का अतिक्रमण हटवाया गया।

सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ के ग्राम बगुलहवा में अवैध मदरसे को हटाने के लिए नोटिस दिया गया। इसके बाद अतिक्रमण करने वाले गुलाम महीउद्दीन ने खुद अतिक्रमण को हटा लिया। सिद्धार्थनगर जनपद में ही सरकारी भूमि पर स्थित कुल 171 अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया। वहां पर जांच के दौरान यह पाया गया कि 35 मदरसे, 9 मस्जिदें, 2 मजारें और एक ईदगाह को सरकारी जमीन पर अवैध ढंग से निर्मित किया गया है। इसमें 8 मदरसे, 2 मस्जिदें और एक मजार का अतिक्रमण हटाया गया।

बलरामपुर जनपद में अवैध मदरसों पर सख्त कार्रवाई की गई। बिना मान्यता के चल रहे सात मदरसों को चिह्नित किया गया। इन सभी को अवैध ढंग से निर्मित किया गया था। जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर इन सात मदरसों को ध्वस्त कर दिया। बलरामपुर में बिना मान्यता के 24 मदरसे संचालित किए जा रहे थे। इन सभी को बंद करा दिया गया। श्रावस्ती जनपद में तहसील जमुनहा के ग्राम रामपुर बस्ती में शासकीय भूमि पर स्थित अवैध मदरसे को ध्वस्त कर दिया गया। भिनगा तहसील के ग्राम केशवापुर, जोगिनभरिया में स्थित मदरसे को भी बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इसके साथ ही निजी भूमि पर बिना मान्यता के संचालित दो मदरसों को चिह्नित कर सील किया गया। वहीं भिनगा तहसील के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में एक अवैध मजहबी स्थल समेत पांच मजारों को हटाया गया। 164 मदरसों पर उन्हें बेदखली की कार्रवाई की गई है। जांच में पाया गया कि जनपद में 68 मदरसे बिना मान्यता के चल रहे थे। इन सभी मदरसों को सील कर दिया गया।

बहराइच जनपद में पाया गया कि मदरसा जामिया गुलशने रजा हबीबुल उलूम को 40 वर्ष पहले खेल के मैदान पर कब्जा करके बनाया गया था। जांच में मदरसा संचालक यह भी नहीं बता पाया कि मदरसा संचालन के लिए फंड कहां से मिलता है।

इस मदरसे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए सील कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहराइच जनपद में 491 मदरसे बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इनमें से करीब 107 मदरसे ऐसे हैं, जो बिना मान्यता के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र-नानपारा-में संचालित हो रहे हैं। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध ढंग से संचालित होने वाले अधिकतर मदरसे आवासीय हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्र का कहना है कि भारत-नेपाल बॉर्डर पर चिह्नित किए गए अवैध मदरसों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बहराइच जनपद में एक अवैध मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। अभी तक कुल 171 अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया है।

लखीमपुर खीरी में भी अवैध निर्माण पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सार्वजनिक भूमि पर तीन अवैध अतिक्रमण चिह्नित किए गए। अवैध ढंग से निर्मित मजार, एक मस्जिद व दो ईदगाह से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही एक ईदगाह को सील भी कर दिया गया। आठ मदरसों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पीलीभीत में सार्वजनिक भूमि पर बनी एक अवैध मस्जिद को चिह्नित किया गया। इसके पश्चात इस मामले में नोटिस जारी किया गया है। अवैध ढंग से मस्जिद निर्माण करने वाले छह व्यक्तियों से 15 दिन में जवाब मांगा गया है।

देश में पिछले कुछ वर्षों में मदरसा शिक्षा को लेकर चले विमर्श ने जोर पकड़ा है। किसी को मजहबी शिक्षा से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन केवल दीनी तालीम लेने भर से उनका भविष्य सुरक्षित नहीं हो जाएगा।

दरअसल, जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने हाल ही में कहा है कि वह गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को जबरन बंद कराए जाने के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। वह इस कदम को संविधान और मुस्लिम विरोधी बता रही है। उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी समिति की बैठक में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रदेश अध्यक्ष मौलाना अशहद रशीदी ने कहा है कि इस कार्रवाई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

जमीयत उन मदरसों की वकालत कर रही है जो किसी नियम से नहीं चलते। बता दें कि उत्तर प्रदेश में नेपाल से सटे बहराइच, श्रावस्ती, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिलों में प्रशासन द्वारा अवैध कब्जे और बिना मान्यता के संचालित किए जाने का आरोप लगाते हुए 200 से ज्यादा मदरसों को बंद कराया जा चुका है। वर्तमान में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं पूर्व में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (एन-सीपीसीआर) के अध्यक्ष रहे प्रियंक कानूनगो कहते हैं, इस संगठन के मौलवी यह नहीं चाहते कि बच्चे आधुनिक शिक्षा से जुड़ें। ऐसे मदरसों में केवल दीनी तालीम देकर उन्हें आधुनिक शिक्षा से दूर किया जा रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता सुबुही खान कहती हैं, किसी भी बच्चे का भविष्य उसे दी गई शिक्षा से बनता है, लेकिन अवैध तरीके से चलाए जा रहे मदरसों में केवल दीनी तालीम दी जाती है। ऐसे में जमीयत उलेमा-ए-हिंद का गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को संचालित किए जाने का समर्थन करना बहुत गलत है। जमीयत-उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सुहैब कासमी का कहना है, जमीयत वह संस्था है जो पिछले 70 साल से मुसलमानों बरगलाने का काम कर रही है।

इसके लोग मुसलमानों का इस्तेमाल अपने स्वार्थ के तौर पर करते चले आ रहे हैं। ये दुनिया भर के देशों में जाकर यही बताते हैं कि भारत में मुसलमान बहुत परेशान हैं। उनसे मस्जिदें छीनी जा रही हैं। मदरसे बंद किए जा रहे हैं। हम उनको पढ़ा रहे हैं, इसलिए आप हमें पैसा दीजिए। यह पूरा खेल मोटा चंदा लेने के लिए किया जाता है। मप्र राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा कहती हैं, गैर मान्यता प्राप्त या अवैध मदरसे बंद होने चाहिए। दीनी तालीम देना यदि जरूरी है तो साथ में ऐसी शिक्षा भी दी जानी चाहिए जिससे बाद में बच्चा योग्य बन सके।

उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश अंसारी का कहना है कि सरकार की मंशा है कि जो भी शिक्षा दी जाए, वह मानकों के अनुरूप दी जाए। हमारा पूरा प्रयास है कि मदरसों की शिक्षा व्यवस्था सीबीएसई या आईसीएसई बोर्ड की तरह मानक के अनुरूप कार्य करे।

दिव्यांगजनों की बढ़ेंगी सुविधाएं, योजनाओं का विस्तार करेगी योगी सरकार

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए न केवल वर्तमान योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक विस्तृत और दूरदर्शी खाका तैयार कर चुकी है। आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 से लागू होने वाली योजनाएं इस दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाली हैं, जिनके माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मसम्मान, अवसर और आत्मनिर्भरता की भावना को और अधिक बल मिलेगा।

प्रदेश में अभी तक 25 जनपदों में बचपन-डे-केयर सेंटर्स संचालित है, जिसमें सभी मंडल मुख्यालय व 7 महत्वाकांक्षी जिले शामिल हैं।

योगी सरकार इसका विस्तार करते हुए इसे 26 और जिलों में संचालित करने की योजना बना रही है। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को प्रारंभिक देखरेख, शिक्षा और सामाजिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भविष्य में बेहतर विकास की ओर अग्रसर हो सकें। इसके अतिरिक्त प्रदेश के स्टेडियम व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सों को दिव्यांगजन हितैषी बनाए जाने के लिए एक नई योजना प्रस्तावित की गई है, जिसके अंतर्गत सभी खेल परिसर अब दिव्यांगजनों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अनुकूलित किए जाएंगे। यह पहल उन्हें न केवल खेलों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करेगी बल्कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को भी सशक्त बनाएगी। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने जा रही है। ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल के माध्यम से विशेष विद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियों और कलाओं का प्रभावी पर्यवेक्षण किया जाएगा। इससे डिजिटल तकनीक के सहारे छात्रों की प्रतिभा को संवारने और उनके सर्वांगीण विकास की निगरानी सुनिश्चित हो सकेगी।

योगी सरकार मानसिक रूप से मंदित बच्चों के पुनर्वास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसके लिए सभी जनपदों में मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना प्रस्तावित है, जिसमें सरकारी एवं गैर सरकारी भागीदारी से ऐसे बच्चों को सुरक्षित वातावरण और आत्मनिर्भर जीवन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। योगी सरकार शिक्षकों के लिए भी विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत करने जा रही है। विशेष शिक्षकों को रिफ्रेशर कोर्स और सेवा काल के दौरान प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी ताकि वे नवीनतम शिक्षण तकनीकों और दिव्यांगजनों की जरूरतों के अनुरूप स्वयं को लगातार अपडेट कर सकें।

चेनाब, झेलम, रावी और सिंधु नदी के जल से होगा बाबा विश्वनाथ का अभिषेक

वाराणसी, 04 जून (एजेंसियां)। निर्जला एकादशी के दिन छह जून को पहली बार चिनाब, झेलम, रावी और सिंधु नदी का जल बाबा विश्वनाथ को अर्पित किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर और सेना के शौर्य को नमन करने के लिए चारों नदियों के जल साथ महाकुंभ का जल भी अर्पित किया जाएगा। 1008 महिलाएं नदियों के जल से भरे कलश को लेकर शोभा यात्रा निकालेंगी। विभिन्न मार्गों से होते हुए बाबा विश्वनाथ के धाम पहुंचेंगी। नदियों के जल से बाबा विश्वनाथ का अभिषेक करेंगी।

शिव बारात समिति की ओर से निर्जला एकादशी पर विशेष आयोजन किया जाएगा। चारों नदियों का जल काशी पहुंच चुका हैं। लद्दाख और जम्मू कश्मीर की नदियों का जल विशेष अनुष्ठान के लिए मंगाया गया है। समिति के दिलीप सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारी भारतीय सेना ने पराक्रम और शौर्य की जो गाथा लिखी उसे पूरी दुनिया ने देखा। सेना के शौर्य को नमन करने के लिए विशेष आयोजन किया जा रहा है। चारों नदियों का जल काशी मंगाया जा चुका है। 1008 महिलाएं शोभा यात्रा निकालेंगी। बाबा के दरबार पहुंचकर जलाभिषेक करेंगी। ऑपरेशन सिंदूर में महिलाओं का भी योगदान रहा हैं। भारतीय सेना की महिलाओं ने पाकिस्तान को सबक सिखा कर अपनी बहनों का बदला लिया। जलाभिषेक यात्रा दशाश्वमेध घाट से शुरू होकर बाबा विश्वनाथ धाम तक जाएगी।

16 जिलों में बनेंगे 1000 मीट्रिक टन क्षमता तक के गोदाम

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए एक बड़ी योजना को अमल में लाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 16 जिलों में 24 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से 1000 मीट्रिक टन तक की क्षमता वाले गोदाम बनाए जाएंगे। यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत संचालित की जा रही है। इस योजना से किसानों को उनके कृषि उत्पादों के भंडारण की बेहतर सुविधा मिलेगी। जिससे उन्हें फसल बेचने में जल्दबाजी नहीं करनी पड़ेगी और उचित दाम मिल सकेगा। इसके अलावा इन गोदामों से कृषि उद्योग तथा रोजमर्रा की वस्तुओं के वितरण और विक्रय का भी सशक्त प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच, रायबरेली, एटा, मथुरा, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, कानपुर नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, जालौन, पीलीभीत और झांसी में इन गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। 24 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों में 500 से 1000 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही इन गोदामों से किसानों को उनकी उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की सुविधा भी मिलेगी।

आने वाले त्यौहारों पर स्वच्छता और सामंजस्य पर खास जोर

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रदेश के नगर विकास विभाग ने आगामी पर्वों और विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजनों को लेकर की व्यापक तैयारी, स्वच्छता और सामंजस्य बनाए रखने के लिए वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग बैठक नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । जिसमें गंगा दशहरा, ईद-उल-अजहा, विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर प्रदेश के नगर निकायों की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई।

नगर विकास विभाग की बैठक में निर्णय लिया गया कि इस माह में आयोजित होने वाले आगामी त्यौहारों के दौरान शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, सुरक्षा और सामाजिक समरसता सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान ईद-उल-अजहा त्योहार के आयोजन के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गये। बैठक में प्रमुख सचिव ने कहा कि ईद-उल-अजहा के अवसर पर, जब सामूहिक नमाज के बाद कुर्बानी दी जाती है, ऐसे में नगर निकायों को कुर्बानी स्थलों का पूर्व-चिन्हांकन, व्यापक सफाई, पशु नियंत्रण एवं अपशिष्ट निस्तारण की जिम्मेदारी निभानी होगी। साथ ही प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पूर्णतः वर्जित रहेगी और कुर्बानी के पश्चात अपशिष्ट का निस्तारण सीलबंद वाहनों एवं कीटनाशकों जैसे चूना, मैलिथियान आदि के प्रयोग से किया जाएगा। खुले में रक्त या मांस के प्रवाह की अनुमति नहीं होगी और मांस की खुले में बिक्री और प्रदर्शन पर भी प्रतिबंध रहेगा। जनस्वास्थ्य और नागरिक व्यवस्था बनाए रखने हेतु निकायों को बीटवार समर्पित टीमें लगानी होंगी, जन-जागरूकता हेतु मोहल्ला निगरानी समिति, शांति समिति, स्वच्छ भारत हरित पर्यावरण समिति और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही नगर निकायों के सभी वरिष्ठ अधिकारी सतर्क रहेंगे और सभी संबंधित वाहनों को पूर्व में ही कार्यशील कर लिया जाए। कुर्बानी स्थलों पर बार-बार सैनिटाइजेशन भी सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य उपयोगिता सेवाओं के साथ समन्वय भी आवश्यक होगा।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव ने कहा कि गंगा दशहरा और जगन्नाथ रथ यात्रा के अवसर पर सभी घाटों की सफाई, अर्पण कलश की व्यवस्था, विद्युत प्रकाश, प्रेरक स्लोगन, सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई और एक पेड़ मां के नाम थीम पर पौधरोपण जैसे कार्यों को अनिवार्य किया गया है। इन आयोजनों के पहले सभी सड़कें गड्ढा मुक्त बनाई जाए और सिंगल यूज्ड प्लास्टिक प्रतिबंध का सख्ती से पालन किया जाए। साथ ही इन अवसरों पर सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार पूरे प्रदेश में ज़ीरो प्लास्टिक इवेंट्स को प्रोत्साहित किया जाएगा।

1 से 5 जून तक पूरे प्रदेश में विश्व पर्यावरण दिवस 2025 पर विशेष सफाई एवं जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जन जागरूकता, ट्रिपल आर (रिड्यूस-रीयूज-रीसायकल) केंद्रों पर प्लास्टिक संग्रहण, स्कूल-कॉलेजों में पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिताएं तथा सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार शामिल है। साथ ही उन्होंने बताया कि त्यौहारों के दौरान निर्बाध जल आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है और आवश्यकता पड़ने पर टैंकरों की तैनाती की जाएगी। जनसमस्याओं के समाधान हेतु क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय भी किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 5 से 9 बजे तक डिस्ट्रिक्ट कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से निगरानी की जाएगी।

बैठक के दौरान प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्यौहारों के दौरान शहरी वातावरण स्वच्छ, सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण बना रहे। सभी विभागों के साथ समन्वय कर हम नगर व्यवस्था, स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बनाए रखने के लिए कार्य कर रहे हैं। नागरिकों की भागीदारी इस प्रयास की आधारशिला है और हम सभी से इस दिशा में सहयोग की अपील करते हैं।

सबसे अधिक राजस्व निस्तारण में लखनऊ अव्वल

जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने मारी बाजी

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग का असर साफ नजर आ रहा है। सीएम योगी खुद हर माह जिलावार मामलों की समीक्षा भी करते रहते हैं। योगी सरकार की विशेष पहल के तहत तेजी से मामलों के निपटारे की रणनीति को अपनाया गया, जिससे राजस्व विवादों के मामलों में बड़ा सुधार देखने को मिला है। इसी का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश भर में राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी देखी गयी है। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) द्वारा मई माह की जारी रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक राजधानी में मामलों को निस्तारित किया गया है जबकि जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले निपटाने में एक बार फिर जौनपुर ने बाजी मारी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश है कि राजस्व विवादों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए। उनकी इस पहल का उद्देश्य न केवल जनता को त्वरित न्याय दिलाना है, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देना है। इसी के तहत प्रदेश के जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी पूरी तत्परता से मामलों का निस्तारण कर रहे हैं। राजस्व परिषद की आरसीसीएमएस की मई माह की रिपोर्ट के अनुसार मई में पूरे प्रदेश में कुल 3,20,719 राजस्व मामलों को निस्तारण किया गया। इसमें सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में 15,137 मामले निस्तारित किए गए, जो पूरे प्रदेश में सबसे अधिक है। इसके बाद जौनपुर कुल 9,945 मामलों को निस्तारित कर पूरे प्रदेश में दूसरे, प्रयागराज 9,525 मामलों को निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है।

जौनपुर डीएम डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की मई माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 563 मामलों का निस्तारण किया है। इसका प्रतिशत 225.20 है। इसी के साथ जनपदीय न्यायायल में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि 549 मामलों को निस्तारण कर दूसरे स्थान पर सुल्तानपुर और 262 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर गाजीपुर है। इसी तरह मई में अयोध्या के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 69 मामलों का निस्तारण कर 230 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है और अयोध्या प्रदेश भर में पहले स्थान पर है। वहीं जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 66 मामले निस्तारित किए गए। वहीं मऊ के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 65 मामले निस्तारित किए गए। इसी तरह जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा निस्तारित किए गए मामलों में क्रमशः जौनपुर दूसरे और मऊ तीसरे स्थान पर है। इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी भू राजस्व जौनपुर निर्धारित मानक 50 के सापेक्ष कुल 208 वादों का निस्तारण कर प्रदेश में प्रथम स्थान पर हैं। वहीं अपर जिलाधिकारी भू एवं राजस्व गाजीपुर कुल 61 वादों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर हैं तथा अपर जिलाधिकारी भू एवं राजस्व मीरजापुर कुल 24 वादों का निस्तारण कर तीसरे स्थान पर हैं। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने 50 के मानक के मुकाबले 146 मामलों का निस्तारण कर 292 प्रतिशत हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि 138 मामले निस्तारित कर बाराबंकी दूसरे और 114 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है।

मैन्स फैशन का एक बड़ा पार्ट है बैग। अगर आपने सही बैग चुन लिया तो समझिए आपका आधा टशन तो ऐसे ही जम गया। अगर आप सोचते हैं कि फैशन या शो ऑफ सिर्फ फीमेल्स का ही शौक है, तो बता दें कि मेल्स भी इस मामले में पीछे नहीं है, खासतौर पर यूथ। लुक्स और एक्सेसरीज को लेकर वे महिलाओं से ज्यादा कॉन्शस रहते हैं। खासतौर पर बैग्स की शॉपिंग तो वे बहुत ध्यान से करते हैं।

यूथ के लिए स्टाइलिश बैग...

लड़कों के लिए फैशन की अगर बात करें तो उनके लिए बैग एक ऐसी चीज है जो सबसे ज्यादा जरूरी होती है। लड़के हों या लड़की हर किसी के लिए बैग बहुत जरूरी होते हैं, लेकिन अगर आप एक सही बैग का चुनाव नहीं करेंगे तो आप अपने दोस्तों के बीच मजाक का विषय बन सकते हैं। वैसे तो महिलाओं के लिए कई तरह के डिजाइन में बैग मिल जाते हैं, लेकिन जब बात लड़कों की आती है तो उनके लिए बहुत ही कम डिजाइन मौजूद होते हैं। उनमें से भी कौन सा डिजाइन आपके लिए सही रहेगा यह चुनना भी बहुत कठिन होता है। देखने में आया है कि आमतौर पर यूथ ऐसे बैग्स प्रेफर करते हैं जिनमें उनका सारा सामान आ सके और जो कैरी करने में भी आसान हो। यहां हम आपको ऐसे बैग्स के बारे में बताएंगे, जो कंफर्ट के साथ-साथ आपके फैशन स्टेटमेंट को भी बढ़ा देंगे।

मैसेंजर बैग क्लासिक

मैसेंजर बैग आज के समय को ध्यान में रख कर बनाया गया है। इस बैग में आपको काफी सारे रंग मिल जाएंगे। यह बैग पुराने समय के चमड़े के बैग से अलग है। इस बैग का प्रयोग आप ऑफिस या फिर कॉलेज के लिए कर सकते हैं।

टोटे बैग

टोटे बैग एक क्लासिक बैग की श्रेणी में आता है। अगर आप ऑफिस जाते हैं तो यह बैग आपके लिए सबसे अच्छा रहेगा। इस बैग को एक मुलायम चमड़े से तैयार किया जाता है। यह बैग आपको भूरे या काले रंग में मिल जाएगा। यह बैग दिखने में भी बहुत अच्छा लगता है तथा इसमें आप अपनी जरूरत के अनुसार सामन भी रख सकते हैं।

न्यूज बॉय बैग

यह बैग आजकल बहुत पसंद किया जा रहा है। यह बैग मैसेंजर बैग की ही तरह दिखता है पर इसके डिजाइन में काफी सारे परिवर्तन किए गए हैं, जिसके कारण यह एक अलग लुक देता है। अगर आप कॉलेज जाने के लिए बैग देख रहे हैं तो यह आपके लिए सबसे ज्यादा अच्छा रहेगा।

होबो बैग

न्यूज बॉय बैग की ही तरह यह बैग भी आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। यह बैग भी एक क्लासिक लुक देता है। यह बैग दिखने में काफी छोटा लगता है, लेकिन इसमें आप हर तरह का सामान रख सकते हैं। इस बैग को भी आप ऑफिस व कॉलेज कहीं भी जाने के लिए प्रयोग कर सकते हैं।

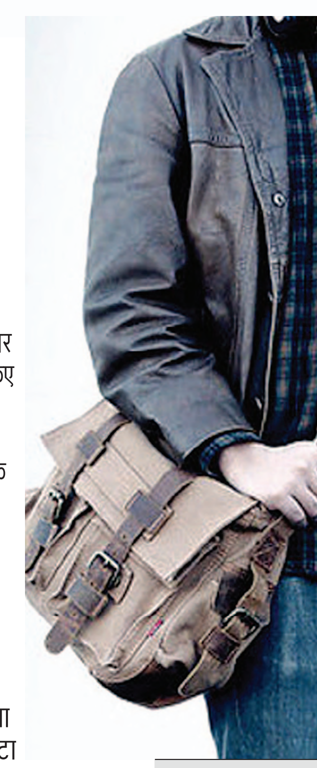

मैसेन्जर बैग

कॉलेज स्टूडेंट में इस बैग को लेकर काफी क्रेज है, क्योंकि यह कैजुअल अपील देता है। शाम को कहीं घूमने जाने का प्लान है या फ्रेंड्स के साथ कोई गेट-टु गेदर है, कैरी करने में ये बैग्स बेस्ट ऑप्शन हैं। वैसे बैग्स का एक्सटीरियर और इसमें अवेलेबल डिफरेंट कलर्स भी इसके लिए लाइकिंग बढ़ा रहे हैं।

दुफ्फेल बैग

अगर आप कहीं घूमने जाने की सोच रहे हैं तो आप इस बैग का प्रयोग कर सकते हैं। यह बैग दिखने में जितना स्टाइलिश है उतना ही यह मजबूत भी है। अगर आप किसी लंबे सफर पर जाने वाले हैं तो यह बैग बहुत अच्छा रहेगा। इस बैग को भी चमड़े से तैयार किया जाता है जिसका लुक भी काफी अच्छा है।

ब्रीफकेस: ब्रीफकेस हमाशा से ही ट्रेंड में रहे हैं और आगे भी इनका क्रेज बरकरार रहने वाला है। ऐसा नही है कि ये केवल ऑफिस जाने वालों के लिए ही हैं, बल्कि इस ऑप्शन को आप हर अकेजन पर कैरी कर सकते हैं। वैसे आजकल इनमें आपको अलग-अलग टेक्सचर के साथ लुक्स में भी काफी वैरायटी मिल जाएगी।

ट्रैवल बैग

जिन लोगों को घूमने-फिरने का बहुत शौक है, उनके लिए ट्रैवलिंग बैग पहली पसंद होगी। चाहे आप एक वीक के लिए बाहर जा रहे हैं या फिर प्लान लंबे टूर पर निकलने का है, हर मामले में ये बैग बेस्ट ऑप्शन रहेंगे। दरअसल, एक तो यह उठाने में आसान है और दूसरा इन बैग्स में काफी सामान आ सकता है। इसके अलावा इन बैग्स को मजबूती और स्टाइल का परफेक्ट कॉम्बिनेशन भी माना जाता है।

कैमरा बैग

इस फैशनेबल टूरिस्ट बैग का इस्तेमाल किसी छोटे ट्रिप पर या साइट सीन पर जा रहे लोग करते हैं। इस बैग को आप कैमरा और हल्का-फुल्का सामान जैसे चार्जर, चाबी या टिकट रखने के लिए यूज कर सकते हैं। इसके बाहरी एरिया में लगा लैदर जहां आपको एक अलग लुक देगा, वहीं इससे क्लासी फैशन स्टैटमेंट भी मिलती है।

स्पोर्ट्स वीयर नापेंगे दिल की धड़कन...

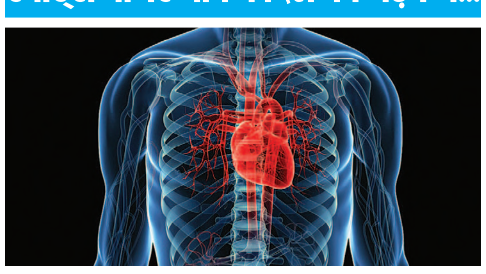

टोक्यो विश्ववद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक नई स्याही का ईजाद किया है जिसका उपयोग टेक्सटाइल उद्योग में स्पोर्ट्स वीयर व अंडर वीयर की रंगाई में किया जाएगा। इसकी खास विशेषता है कि यह रंग करंट का सुचालक होगा और इससे स्पोर्ट्स वीयर को पहनने वाले खिलाड़ी के दिल की धड़कन की गति व मांसपेशी में हो रही संकुचन को मापा जा सकेगा। इस स्याही का प्रयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने एक सेंसर को भी बनाया जिसे खिलाड़ी अपनी रिस्ट पर बांध सकेंगे। चूंकि पूरा का पूरा परिधान ही बिजली का सुचालक होगा, इसलिए हाथ में बंधा सेंसर खिलाड़ी के शारीरिक परिवर्तनों को माप सकेगा। खिलाड़ी के हाथ में बंधा सेंसर डिवाइस 4×4 सेंटीमीटर के क्षेत्र में प्रभावी होगा। ऐसा करने के लिए इसमें नौ इलेक्ट्रोड लगे होंगे। शोधकर्ताओं के मुताबि इसका उद्देश्य ऐसे डिवाइस का निर्माण करना था जिसे आसानी से पहना जा सके और यह स्याही उसी प्रोजेक्ट पर रिजल्ट है। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी बाधा स्याही के कंडक्शन व इसके फैलाव का था। हालांकि इस स्याही के आ जाने से यह संभव हो पाया। अभी तक उपलब्ध प्रिंट किया जाने वाला इलेक्ट्रोनिक आईटम जैसे ट्रांजिस्टर, डायोड व सोलर पैनल को सिर्फ कागज या प्लास्टिक के पदार्थो पर प्रिंट किया जा सकता था लेकिन अब इस स्याही के आ जाने से इन आईटमों को कपड़े पर भी प्रिंट किया जा सकेगा। साथ ही इस स्याही की यह भी विशेषता है कि इसके प्रयोग में कठिन विधियों से नहीं गुजरना पड़ता है। यह स्याही चांदी, फ्लोरीन व रबड़ से बनाई जाती है। इस स्याही से रंगे कपड़े अपने आकार के तीन गुने एलास्टिक होते हैं। चांदी की मौजूदगी के कारण यह बिजली के सुचालक भी होते हैं।

जिम में भी दिखें स्टाइलिश...

आजकल हर कोई स्टाइलिश दिखने की चाहत रखता है, चाहे वह लड़का हो या फिर लड़की। कॉलेज और ऑफिस में तो अक्सर आप स्टाइलिश बनकर जाते ही हैं, लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि आप जिम में भी स्टाइलिश लग सकते हैं। जिमिंग के लिए ट्रैक पैंट्स काफी आरामदायक रहती हैं। इन्हें पहन कर आप आराम से जिमिंग कर सकते हैं। ध्यान रहे कि जिमिंग करते समय कभी भी स्किनी फिट पैंट्स नहीं पहननी चाहिए क्योंकि स्किनी पैंट्स पहनकर आप अच्छे से हिल डुल नहीं पाते। अगर आपको जिमिंग करते हुए कुछ समय हो गया है और अपनी बॉडी को आप फ्लांट करना चाहते हैं तो इसके लिए टैंक टॉप्स एक बेहतर विकल्प है। वर्कवाउट करते समय सिर्फ कपड़ों पर ही ध्यान न दें। आप जिमिंग के लिए जूतों पर भी खास ध्यान दें। इसके लिए आपको जूतों की स्थिरता और ग्रिप पर भी खास ध्यान देना चाहिए। जिस तरह की एक्सरसाइज आप करते हैं, उसी हिसाब से ही जूते पहनें।

प्राकृतिक खुशबू पाएं...

लड़कों में लड़कियों की तुलना में ज्यादा पसीना आता है, अधिकतर मामलों में यह उनके हार्मोन्स के कारण होता है। यदि आप नियमित रूप से वर्क आउट करते हैं तो आपकी पसीने की ग्रंथियां ज्यादा काम करती हैं जिससे शरीर से पसीने की बदबू आने लगती है। यदि शरीर पर पसीना ज्यादा आता है तो बैक्टीरिया ज्यादा पैदा होते हैं जिनसे शरीर से बदबू आती है और त्वचा पर खुजली चलती है। परफ्यूम्स और डियोडरेंट इस्तेमाल करने से शरीर से बदबू नहीं आती है, लेकिन प्राकृतिक रूप से शरीर से अच्छी खुशबू आनी चाहिए। बैक्टीरियारोधी साबुन से नहाने से शरीर के बैक्टीरिया मर जाते हैं और पसीना कम बनता है जिससे शरीर से बदबू नहीं आती है। सूती टी शर्ट या शर्ट पसीने को जल्दी सोख लेते हैं और आपकी कांखें फ्रेश रहती हैं और बदबू पैदा नहीं होती है।

कैसे लें परफेक्ट शॉर्ट्स...

लोग अक्सर यही सोचते हैं कि शॉर्ट्स कुछ ऐसे पहनें जिससे वे अलग लगे। अगर हम बात करें शॉर्ट्स की तो ये मार्केट में हर तरह के उपलब्ध है। शॉर्ट्स एक ऐसी चीज हैं जो हर लड़के को पसंद आते हैं। शॉर्ट्स कमर्फट होते हैं और ये आपको एक स्मार्ट लुक भी देते हैं। तो हम आपको इसी बात की सलाह देंगे कि आप अपने लिए अलग-अलग रंगों में शॉर्ट्स ले सकते हैं। इस तरह के शॉर्ट्स आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करते हैं। अक्सर यह देखा गया है कि लड़के अपने लिए शॉर्ट्स तो ले लेते हैं, लेकिन लेते समय उन्हें यह पता ही नहीं होता है कि उन्हें अपने लिए किस तरह के शॉर्ट्स लेने चाहिए। जिसके कारण अक्सर वे अपने लिए गलत शॉर्ट्स का ही चुनाव करते हैं। अगर आप भी शॉर्ट्स लेने की सोच रहे हैं तो आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने लिए एक सही शॉर्ट्स का चुनाव कर सकते हैं।

घुटनों तक लंबा

ज्यादातर लड़कों को ये पता ही नहीं होता है कि उन्हें अपने लिए कितने लंबे शॉर्ट्स लेने चाहिए। अगर आप को भी इस बात की जानकारी नहीं है तो हम आपको बता दें कि आप जब भी शॉर्ट्स लें तो उन्हें कम से कम अपने घुटनों तक लंबा लें। वैसे अगर आप एथलीट शॉर्ट्स लेते हैं तो ये आपको घुटनों से ऊपर ही मिलेंगे क्योंकि इन्हें स्पोर्ट्स खेलने वाले लड़कों के लिए डिजाइन किया जाता है।

ज्यादा टाइट न हो

आप जब भी अपने लिए शॉर्ट्स लें तो इस बात का ध्यान रखें कि वो ज्यादा टाइट न हो और न ही ज्यादा ढीले हों। आप अपने शरीर के आकार को ध्यान में रख कर ही शॉर्ट्स का चुनाव करें।

रंगों का भी ध्यान रखें

शॉर्ट्स लेते समय उनके रंगों पर भी ध्यान देना चाहिए। आप जब भी शॉर्ट्स खरीदें तो उन्हें लाल, नीले या हरे आदि रंगों में ही लें। ये रंग शॉर्ट्स में अच्छे लगते हैं और ये हर किसी के साथ मैच भी कर जाते हैं।

पॉकेट का डिजाइन

आप जब शॉर्ट्स लें तो उनकी पॉकेट पर भी जरूर ध्यान दें क्योंकि लड़कों के लिए डिजाइन किये जाने वाले शॉर्ट्स में उन्हें स्टाइलिश बनाने के लिए पॉकेट का भी प्रयोग किया जाता है। तो अच्छा होगा कि आप जो भी शॉर्ट्स लें उनकी पॉकेट के डिजाइन को भी जरूर देखें।

लुक में चार चांद लगाती घड़ियां...

जिस तरह लड़कियों को एक्सेसरीज पहना पसंद होता है, उसी तरह लड़कों को भी एक्सेसरीज पसंद आती हैं। हम जानते हैं कि अब आप ये सोच रहे होंगे कि लड़कियों के लिए तो बहुत सी एक्सेसरीज मिल जाती हैं, लेकिन लड़कों के लिए तो बहुत कम ही होती हैं। वैसे कहीं न कहीं यह बात सही भी है, लेकिन लड़कों की एक्सेसरीज में एक चीज ऐसी है जो कि आपको हर लड़के के पास देखने को मिल जाएगी। जी हां, हम बात कर रहे हैं घड़ियों की।

अगर आप हर समय फैशनेबल लगना पसंद करते हैं तो घड़ी एक ऐसी चीज है जो हर समय फैशन में बनी रहती है और मात्र एक घड़ी से आप अपने पूरे लुक में चार चांद लगा सकते हैं। घड़ियां ऐसी एक्सेसरीज हैं जो कि लड़के हों या लड़कियां हर किसी को पसंद आती हैं। इसी कारण आजकल डिजाइनर्स भी अनेकों डिजाइन्स की घड़ियों को बाजार में उतार रहे हैं।

अगर आप मार्केट में जाएं और सोचें कि आप अपने लिए एक सिम्पल सी घड़ी ही लेंगे तो हो सकता है मार्केट में मौजूद अलग-अलग डिजाइन को देख कर आप भी कन्फ्यूज हो जाएं। आज हम आपको ऐसी घड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके बारे में हर लड़के को पता होना चाहिए। साथ ही ये घड़ियां आपके हर तरह के ड्रेस के साथ बहुत अच्छी लगेंगी।

ड्रेस वॉच

ड्रेस वॉच एक ऐसी वॉच होती है जो दिखने में बहुत साधारण लगती है। इसमें नंबर्स को दिखाने के लिए रेखाओं का प्रयोग किया जाता है तथा इसमें नंबर्स को ज्यादा कॉम्प्लिकेटिव नहीं रखा जाता है। यह वॉच आपको बैंड लेदर में भी मिल जाएगी। इतना ही नहीं आप बैंड के रंगों के अनुसार भी अपने लिए इस वॉच को पसंद कर सकते हैं। अगर आप कैजुअल पहनना पसंद करते हैं तो यह वॉच इस तरह के कपड़ों के साथ बहुत अच्छी लगती है।

फील्ड वॉच

फील्ड वॉच दिखने में बहुत बड़ी होती है तथा इसमें नंबर्स को भी काफी बड़ा दिखाया जाता है। जिससे कि अगर आप अचानक भी अपनी घड़ी की तरफ देखें तो आपको समय का ज्ञान हो जाए। वैसे आजकल ये वॉच छोटे आकार में भी मिल जाती है। इस वॉच के बैंड को बनाने के लिए नाइलॉन का प्रयोग किया जाता है।

एविएटर वॉच

एविएटर वॉच भी फील्ड वॉच की ही तरह दिखती है, लेकिन आजकल इसके डिजाइन में काफी बदलाव किया गया है। इस वॉच में आपको काले रंग के बैकग्राउंड के साथ सफेद रंग के नंबर्स मिलेंगे तथा इसके अलावा इसमें आपको वॉच को रोकने और चलाने के लिए बटन भी मिलेंगे जो इसके लुक को और घड़ियों से अलग बनाते हैं।

रेसिंग वॉच

रेसिंग वॉच में आपको बहुत सारे रंग देखने को मिल जाएंगे। ये अन्य वॉच की तरह एक-दो रंग में नहीं मिलती है। इस वॉच में आपको एक साथ कई रंगों का मिश्रण मिल जाएगा। अगर आप अपने लिए कुछ ऐसा देख रहे हैं जो कि थोड़ा फंकी हो तो आप इन घड़ियों का प्रयोग कर सकते हैं।

डिवे वॉच

डिवे वॉच की एक सबसे बड़ी खूबी ये है कि ये घड़ियां पानी के संपर्क में आकर खराब नहीं होती हैं। इतना ही नहीं इस घड़ी में अगर आप अंधेरे में समय देखना चाहते हैं तब भी देख सकते हैं, क्योंकि इस घड़ी के नंबर्स अंधेरे में चमकने लगते हैं। इससे ये अंधेरे में भी समय देखने में मदद करती हैं।

संपादकीय

जीवन बदले साक्षरता

निस्संदेह भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी, अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक भी पहुंच हो तथा शिक्षा में निवेश बढ़ाया जाये। आवश्यकता यह भी है कि नई शिक्षा नीति के ही अनुरूप प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि वयस्क साक्षरता अभियानों को प्राथमिकता दी जाए। खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े व संसाधनों के अभाव वाले राज्यों में। इस दिशा में हमारे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब शासन-प्रशासन के प्रयासों के साथ सामुदायिक स्तर पर बड़ी कोशिश की जाए। जनजागरण और सूचना माध्यमों की रचनात्मक भूमिका साक्षरता अभियान के लक्ष्यों को हासिल करने में बदलावकारी साबित हो सकती है।

देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88 .9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77 .5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है।

आप का नजरिया

एआई ड्रोन जंगी अस्त्र

यूक्रेन ने रूस के काफी भीतर उसके 5 एयरबेस और 41 बॉम्बर, लड़ाकू विमानों को तबाह कर दुनिया को चौंका दिया है। बल्कि विश्व स्तब्ध है कि यूक्रेन के पास ऐसी जंगी प्रौद्योगिकी भी है, जो 2000 किमी. से 6000 किमी. की दूरी तक सफल, असरदार, विध्वंसक हमला कर सकती है। जो देश अभी तक यूक्रेन की आर्थिक और सैन्य मदद करते रहे हैं, वे भी हैरान हैं और आत्ममंथन कर रहे हैं। रूस के ये बॉम्बर ऐसे थे, जो परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने में भी सक्षम थे। रूस ने इन्हीं विमानों के जरिए यूक्रेन के कई शहरों पर हवाई हमले किए थे और शहरों को खंडहर बना दिया था। यूक्रेन ने ऐसा घातक पलटवार कैसे किया, उसके ब्यौरे सामने आ चुके हैं। रूस की टीमें जांच-पड़ताल करने में जुटी हैं कि यूक्रेन के फस्ट पर्सन व्यू (एफपीवी) ड्रोन एयरबेसों तक कैसे पहुंचे और किसी को भी भनक तक नहीं लगी। रूस सोया रह गया और उसका पूरा तंत्र नाकाम रहा। रूस को करीब 60,000 करोड़ रुपए का नुकसान आंका जा रहा है। कुछ और आंकड़ों का भी विश्लेषण सामने आया है। रूस को अकल्पनीय, अप्रत्याशित नुकसान हुआ है, लेकिन वह अब भी महाशक्ति है और यूक्रेन पर इससे भी घातक और संहारक हमला करने की योजना बनाई जा रही है। अब राजधानी कीव भी राष्ट्रपति पुतिन के निशाने पर है। दरअसल यूक्रेन ने जो ड्रोन्स इस्तेमाल किए, उन्हें 'कृत्रिम बौद्धिकता' (एआई) से संचालित किया गया। यह वैज्ञानिक नवाचार यूक्रेन का ही है अथवा किसी देश ने उसे मुहैया कराया है, यह रहस्य फिलहाल नहीं खुल पाया है, लेकिन इतना लगता है कि इन ड्रोन्स को 'एआई एलगोरिथ्म' पर प्रशिक्षित किया गया होगा! एलगोरिथ्म कम्प्यूटर विज्ञान की भी एक अवधारणा है। यह किसी विशिष्ट कार्य को करने के लिए दिए गए निर्देशों की एक प्रक्रिया भी है, जिसने रूसी बॉम्बर विमानों की पहचान की और उन पर निर्णायक प्रहार कर उन्हें 'मिट्टी-मलबा' बना दिया। यूक्रेन के इस 'ऑपरेशन मकडज़ाल' ने स्पष्ट कर दिया है कि इस ड्रोन हमले ने युद्ध को बदल दिया है। हम किसी पक्ष की जीत या हार की भविष्यवाणी नहीं कर रहे, लेकिन यह एक भयानक सच है कि रूस-यूक्रेन युद्ध 3 साल 3 महीने से जारी है और यूक्रेन अभी पराजित होने की स्थिति में नहीं है। दोनों देशों के बीच समझौता-वार्ता हुई है, युद्धबंदियों को रिहा करने की बुनियादी सहमति बनी है, लेकिन युद्धविराम के लिए फिलहाल सहमति दूर-दूर तक नहीं दिखती। अब तो पृष्ठभूमि में ड्रोन हमला भी झलक रहा है। हालांकि रूस ने शुरुआत में दावा किया था कि युद्ध 7-10 दिन चलेगा और यूक्रेन पराजय स्वीकार कर लेगा। रूस पर यूक्रेन के इस हमले को 'पर्ल हॉर्बर' हमले के बराबर माना जा रहा है। अमरीका पर उस हमले के बाद ही जापान के हिरोशिमा-नागासाकी शहरों पर अमरीका ने एटम बम गिराए थे। विध्वंस का वह इतिहास सभी जानते हैं और अमरीका को द्वितीय विश्व युद्ध में उतरने को विवश किया गया था।

रूस ने कहा कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा अगर यूक्रेन नए बड़े क्षेत्र सौंपे और अपनी सेना के आकार पर सीमाएं स्वीकार करे

खतरनाक रूप लेता रूस – यूक्रेन युद्ध

संजय सिन्हा

रूसी एयरबेसों पर हुए भीषण ड्रोन हमले में यूक्रेन ने कम से कम 40 आधुनिक फाइटर जेट तबाह कर दिए थे जिससे रूस को बड़ा झटका लगा। अब, आगे बढ़ते हुए यूक्रेन ने ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों में बिजली ढांचों पर हमला कर दिया है जिससे 7 लाख से अधिक लोग अंधेरे में डूब गए हैं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन और तोपों के जरिए किए गए हमलों में ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों के बिजली सबस्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले के बाद कम से कम 700,000 लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं जिससे अस्पताल, जलापूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सेवाएं भी बाधित हो गईं। इन हमलों का सबसे गंभीर असर ज़ापोरिझिया परमाणु संयंत्र पर पड़ा है। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट है और रूसी नियंत्रण में है।

युद्ध पर विराम लगता नहीं दिख रहा। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन वर्षों से चल रहा युद्ध एक नई और खतरनाक करवट ले चुका है। इस्तांबुल वार्ता के कुछ ही घंटों बाद यूक्रेन ने अब रूसी कब्ज़े वाले इलाकों में गहरे और सामरिक रूप से संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। चंद दिन पहले रूसी एयरबेसों पर हुए भीषण ड्रोन हमले में यूक्रेन ने कम से कम 40 आधुनिक फाइटर जेट तबाह कर दिए थे जिससे रूस को बड़ा झटका लगा। अब, आगे बढ़ते हुए यूक्रेन ने ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों में बिजली ढांचों पर हमला कर दिया है जिससे 7 लाख से अधिक लोग अंधेरे में डूब गए हैं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन और तोपों के जरिए किए गए हमलों में ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों के बिजली सबस्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले के बाद कम से कम 700,000 लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं जिससे अस्पताल, जलापूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सेवाएं भी बाधित हो गईं। इन हमलों का सबसे गंभीर असर ज़ापोरिझिया परमाणु संयंत्र पर पड़ा है। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट है और रूसी नियंत्रण में है। रूसी परमाणु एजेंसी रोसएटम के प्रमुख अलेक्सी लिक्हाचेव ने कहा, "स्थिति नियंत्रण में है लेकिन बेहद जटिल है।" विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संयंत्र की बाहरी बिजली सप्लाई बाधित रहती है तो कूलिंग सिस्टम फेल हो सकता है और परमाणु रिसाव जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इस हमले पर यूक्रेन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पश्चिमी मीडिया के मुताबिक यह 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी कब्ज़े वाले इलाकों पर सबसे बड़ा हमला हो सकता है। गौर करने वाली बात यह है कि यह हमला तुर्की में हुई रूस-यूक्रेन वार्ता के चंद घंटों बाद ही हुआ। वार्ता में रूस ने कहा कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा अगर यूक्रेन नए बड़े क्षेत्र सौंपे और अपनी सेना के आकार पर सीमाएं स्वीकार करे। वहीं यूक्रेन ने इस मांग को 'औपनिवेशिक सोच से प्रेरित ज़मीनी कब्ज़ा' बताया और दो टूक कहा कि वह कूटनीति और सैन्य बल दोनों से अपनी जमीन वापस लेगा। एक साहसिक और अप्रत्याशित हमले में यूक्रेन के सैन्य बलों ने रूसी क्षेत्र के भीतर जाकर लगातार कई हमले किए और रूस के लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों या सामरिक बमबारी बेड़े को निशाना बनाया। रूस के अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है लेकिन यह नहीं बताया कि कितनी क्षति पहुंची है। रूस के सामरिक बमबारी बेड़े को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है क्योंकि ये 1950 के दशक के हैं और इन्हें बनाने वाली इकाइयां बहुत पहले बंद हो चुकी हैं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बेड़े को निशाना बनाया

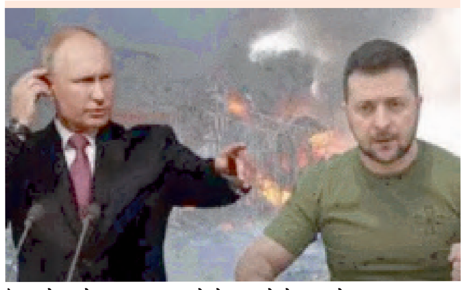

है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को करीब 7 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान हुआ है परंतु जिस बात ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और जो आने वाले महीनों और वर्षों तक सैन्य योजनाकारों और सामरिक विशेषज्ञों की चर्चा का विषय रहने वाली है, वह है इस हमले का तरीका। यूक्रेन ने यह हमला रेडियो नियंत्रित ड्रोन के माध्यम से किया। इन्हें सामान्य निर्माण सामग्री की तरह वाणिज्यिक कंटेनर ट्रकों में लादा गया और उसके बाद रूस में हवाई ठिकानों के आसपास के इलाकों में भेजा गया। एक खास समय पर इन सभी ड्रोन को उड़ाया गया और हवाई अड्डों पर खड़े विमानों को निशाना बनाया गया। यह पहला मौका नहीं है जब यूक्रेन ने नियमित वाणिज्यिक लॉजिस्टिक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। खबरें बताती हैं कि 2022 में क्राइमिया द्वीप को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल पर हुए हमले, जिसने कई सप्ताह तक रूस के सैन्य यातायात को बाधित किया था और जो प्रतीकात्मक रूप से बहुत प्रभावी था, उसे भी प्लास्टिक ढोने वाले एक ट्रक की आड़ में अंजाम दिया गया था। विस्फोटकों को प्लास्टिक के ढेर में छिपाया गया था और इसे आर्मीनिया और जॉर्जिया से होते हुए क्रीमिया की ओर भेजा गया था। ऐसे ही तरीके इस्तेमाल करके करीब 120 ड्रोनों की मदद से ताजा हमला किया गया। ये ड्रोन बहुत महंगे या किसी खास गुणवत्ता के नहीं थे। लब्बोलुआब यह कि अपेक्षाकृत छोटा और मुश्किलों से जूझ रहा देश, जिसके पास अपनी मजबूत वायु सेना तक नहीं है, उसने आधुनिक लॉजिस्टिक्स और सस्ते ड्रोन की मदद से एक महाशक्ति के सामरिक बेड़े को क्षति पहुंचा दी जो उसके परमाणु प्रतिरोधक तंत्र का हिस्सा था। ड्रोन और वैश्वीकृत दुनिया में आपसी व्यापार संपर्क के इस मेल से सुरक्षा की दृष्टि से सर्वथा नई और अप्रत्याशित चुनौती उत्पन्न हुई है। भारत में इसे खासतौर पर महसूस किया जाएगा क्योंकि हमारे कई सामरिक क्षेत्र इस लिहाज से संवेदनशील हैं। इनमें कई तो प्रमुख औद्योगिक केंद्र भी हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन ने इस हमले की योजना 18 महीने पहले बनाई थी। जाहिर है यूक्रेन ने रूस में भी कुछ पकड़ बना रखी है. हालांकि उन्होंने दावा किया ऐसे सभी लोगों को पहले ही वापस बुला लिया गया है परंतु इस हमले की लागत की बात करें तो समय और संसाधन के मामले में इसमें ज्यादा खर्च नहीं आया। इस मामले में तो ये तरीके ऐसी सरकार ने आजमाए जो तीन साल से जंग में है परंतु ऐसी कोई वजह नहीं है कि छद्म युद्ध में लगे दूसरे गैर सरकारी तत्व इस तरीके को नहीं आजमाएंगे। भारत के योजनाकारों को अपनी सैन्य और अधोसंरचना संबंधी संवेदनशील स्थितियों का आकलन करते हुए ड्रोन की इस जंग जैसे हालात के लिए तैयार रहना होगा। इस तरह की जंग कतई आसान हो सकती है। कई गैर सरकारी तत्व 100-150 ड्रोन जुटा सकते हैं और उन्हें दूर से संचालित कर सकते हैं। बिना संदेह वाले ट्रक और वाणिज्यिक वाहनों का इस्तेमाल करके इन ड्रोन को हमले की जगह तक पहुंचाया जा सकता है। भारत पर किसी बड़े हमले के परिणाम, उस लागत के अनुपात में बहुत अधिक होंगे जो उस शत्रु ने सोची होगी। तो नए दौर के खतरों से अहम अधोसंरचना की रक्षा पर पुनर्विचार करने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। शेयरों में तेजी आ गई है। इन शेयरों में तेजी की मुख्य वजह दुनिया भर में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध ने हाल ही में फिर से भयानक रूप ले लिया है। 31 मई को रूस ने यूक्रेन पर युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया जिसमें 472 ड्रोन और 7 मिसाइल दागे गए। यूक्रेन ने दावा किया कि उसने 385 ड्रोन मार गिराए। इसके जवाब में, यूक्रेन ने 1 जून को इस्तांबुल में शांति वार्ता से ठीक एक दिन पहले रूस के सैन्य हवाई अड्डों पर बड़ा हमला किया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस सरप्राइज ड्रोन अटैक में रूस के भीतरी इलाकों में तैनात 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान नष्ट हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे "शानदार ऑपरेशन" बताते हुए कहा कि यह इतिहास में दर्ज होगा। दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन हालिया हिंसक घटनाओं ने आशंका जताई है कि युद्ध और भी भीषण रूप ले सकता है। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी IAEA ने आरोप लगाया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन बढ़ा दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के पास अब 60% शुद्धता वाला 400 किलो से ज्यादा यूरेनियम है जो हथियार-ग्रेड सामग्री के लिए जरूरी 90% शुद्धता के करीब है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव

इससे ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कई दौर की वार्ता के बाद ईरान को परमाणु समझौते का नया प्रस्ताव भेजा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि "ईरान इस प्रस्ताव का जवाब अपने राष्ट्रीय हितों और जनता के अधिकारों के अनुरूप देगा।"

देश दुनिया से

कैलाश पर्वत का सामरिक-पारिस्थितिक महत्त्व

विश्व के समस्त हिंदू समाज के लिए कैलाश पर्वत और कैलाश मानसरोवर यात्रा का विशेष महत्त्व है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार इस यात्रा से मानव को मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसीलिए न केवल सामन्य जन अपितु ऋषि मुनि, तपस्वी, साधु संत कालांतर से कैलाश मानसरोवर क्षेत्र में साधना, अनंत की खोज और सृष्टि के रचयिता त्रिदेव में से एक शिव जिनका आवास यही पर्वत है मान कर इस अति दुर्गम और यानी अगम्य स्थल की ओर आकर्षित होते हैं। इस पर्वत से जुड़ी किंवदंतियों के साथ साथ, वैश्विक जलवायु परिवर्तन और मानव निर्मित आपदाओं, अवांछित विकास के चलते इस समस्त क्षेत्र की पर्यावरणीय, पारिस्थितिकी, जैव विविधता पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हिमालय पर्वत श्रृंखला के महत्वपूर्ण अंग होने के साथ साथ, एशिया भूभाग के तीन चौथाई हिस्से के लिए जलापूर्ति का एकमेव साधन होने के कारण इसके समस्त पहलुओं पर चर्चा, चिंता और चिंतन के लिए विश्व पर्यावरण दिवस से अधिक उचित अवसर कोई और नहीं हो सकता।

कैलाश पर्वत का सामरिक, पर्यावरणीय और पारिस्थितिक महत्त्व अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुआयामी है। यह पर्वत न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि भू-राजनीतिक और पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से भी इसका विश्लेषण आवश्यक है!

भूगर्भीय संरचना एवं वैज्ञानिक महत्त्व : कैलाश पर्वत न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका भू-भौगोलिक और भूगर्भीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्व है। यह पर्वत तिब्बत में स्थित है और इसे हिमालय पर्वतमाला की एक विशेष उपश्रृंखला माना जाता है। कैलाश पर्वत तिब्बत के दक्षिण-पश्चिम भाग में, गैरी जिले में स्थित यह पर्वत गंगोत्री हिमनद से लगभग 1000 किमी दूर है, जिसकी ऊंचाई लगभग 6638 मीटर (21778 फीट) है। कैलाश पर्वत का निर्माण टेथिस सागर के जमाव और प्लेट टेक्टोनिक क्रियाओं से हुआ। यह पर्वत भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के आपसी टकराव का परिणाम है, जो लगभग 5-10 करोड़ वर्ष पहले आरंभ हुआ। चट्टानें : कैलाश क्षेत्र में मुख्य रूप से सिडीमेंटरी चट्टानें पाई जाती हैं। इसमें चूना पत्थर और डोलोमाइट प्रमुख हैं। जबकि मुख्य पिरामिड आकृति वाली संरचना का आधार काली, गहरी चट्टानें जो पूर्णतया आग्नेय प्रकृति की हैं पर्वत की आकृति लगभग एक पिरामिड जैसी है, जो इसे भूवैज्ञानिक दृष्टिकोण से विशिष्ट बनाती है। कैलाश पर्वत की उत्पत्ति गोंडवाना भूभाग के उत्तरी प्रवास और टेथिस महासागर के अवसादन से जुड़ी है। इसका संबंध हिमालय की अपलिफ्ट प्रक्रिया से जुड़ा है, जो आज भी जारी है। यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से सक्रिय है, क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेटों की सीमा पर स्थित है। यह पर्वत कांगरीनबोके पर्वत के रूप में जाना जाता है, जो गंगदीस पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है। कैलाश पर्वत क्षेत्र इंडस-यारलुंग स्यूचर जोन में स्थित है, जो भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर का परिणाम है।

भौगोलिक स्थिति : कैलाश पर्वत तिब्बत (अब चीन के नियंत्रण में) के पश्चिमी भाग में स्थित है जो भारत, नेपाल और भूटान की सीमाओं के पास है। यह क्षेत्र भारत-चीन सीमा के समीप है और सामरिक रूप से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले लिपुलेख दर्रा, डेमचोक सेक्टर और मानसरोवर झील के पास स्थित है।

पर्यावरणीय महत्त्व : हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र का अति संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंग होने के कारण इसे हिमालयन क्षेत्र की जीवन रेखा भी कहा जाता है। कैलाश पर्वत हिमालय के अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्र में आता है जहां की जलवायु, जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन अत्यंत नाजुक है। यह पर्वत चार प्रमुख नदियों- सिंधु, सतलुज, ब्रह्मपुत्र (यारलुंग त्संगपो) और करनाली (घाघरा) का उद्गम स्थल है जो दक्षिण एशिया के करोड़ों लोगों की जल आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। रहस्यमय ज्यामिति और अद्वितीय भौगोलिक स्थिति : कैलाश पर्वत की सममित, पिरामिड जैसी आकृति तथा विश्व भर के पवित्र स्थलों के साथ संरेखण ने लंबे समय से वैज्ञानिकों और भूगोलवेत्ताओं को आकर्षित किया है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में स्टोनहेंज से कैलाश पर्वत की दूरी ठीक 6666 किलोमीटर है, जो उत्तरी ध्रुव की दूरी के बराबर है। आश्चर्यजनक रूप से दक्षिणी ध्रुव की दूरी 13332 किलोमीटर है जो स्टोनहेंज या उत्तरी ध्रुव की दूरी से ठीक दोगुनी है। यह उत्तम ज्यामिति और संरेखण इसे पृथ्वी पर सबसे रहस्यमय स्थानों में से एक के रूप में प्रतिष्ठा दिलाता है।

कैलाश पर्वत एशिया की चार प्रमुख नदियों का स्रोत है:

सिंधु, ब्रह्मपुत्र, करनाली (गंगा की एक सहायक नदी) और सतलुज। ये नदियां पहाड़ से अलग-अलग दिशाओं में बहती हैं और एशिया भर में लाखों लोगों को आवश्यक जल और भोजन उपलब्ध कराती हैं।

कुछ अलग

बड़े साहब जी के चरणार्थ

आदरणीय सबसे बड़े साहब जी! जयहिंद! जैसे कि आपको पता ही है कि हम चार चपरासी पिछले बीस सालों से आपके दफ्तर के दरवाजे पर बैठ आपके लिए काम करवाने आने वालों से आपके कहेनुसार रेट वसूलते रहे हैं। हमसे रेट वसूलवाते पता नहीं आप जैसे कितने बड़े साहब आए और आकर चले गए। पर हम वहीं के वहीं रहे साहब जी! हे सबसे बड़े साहब जी! हमारे द्वारा वसूला रेट ऊपर तक जाता है, जैसा कि हमें बताया गया है। इसमें हमें कोई आपत्ति भी नहीं कि हमारे द्वारा जनता से वसूला रेट कहां जाता है? जहां जाता हो, वहां जाता रहे। अपना काम तो बस, काम करवाने आयों से आपके द्वारा तय रेट वसूलने के बाद ही उसे दफ्तर में प्रवेश करने की इजाजत देना है। और इस काम को पिछले बीस सालों से हम पूरी कत्र्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से निभाते भी आ रहे हैं। हमने बिन रेट लिए आपके दफ्तर में आज तक किसी को घुसने नहीं दिया। चाहे वह यमराज ही क्यों न हो। लेकिन हमारी इस ईमानदारी और कत्र्तव्यनिष्ठा के बाद भी हम वहीं के वहीं बैठे हैं। उसी आपके दफ्तर के बाहर वाले स्टूल पर। और हमसे काम करवाने वाले पता नहीं कहां से कहां पहुंच गए। कसम बीवी बच्चों की बड़े साहब जी! हमने जो आज तक जनता से वसूले पैसों में से एक पैसा भी अपनी जेब में रखा हो। हम वो ईमानदार आपके दफ्तर के कर्मचारी हैं जो पाई पाई छोटे बाबू की हथेली में पांच बजने के तुरंत बाद पूरी ईमानदारी से जमा करवाते रहे हैं। हमारी आपके दफ्तर के कितने सींसियर हैं, इस बात का अंदाजा इसी बात से आसानी से लगाया जा सकता है बड़े साहब जी! बड़े साहब जी! हमें इस बात का बिल्कुल दुःख नहीं कि हम गलत काम करते हैं। वैसे भी सही काम यहां कौन कर रहा है? सभी तो अपने अपने हिसाब से जनता को खा ही रहे हैं। पैसे लेकर भी उसे उसकी फाइलों पर नचा ही रहे हैं। हर दफ्तर में जनता होती ही खाने को है, नचाने को है। बड़े साहब जी! हम चाहते तो नहीं थे कि हम आपसे गुहार लगाएं। आपको वसूले गए धन में से अपने हिस्से की व्यथा सुनाएं। पर क्या करें बड़े साहब जी! अब पानी सिर से ऊपर हो रहा है। इसलिए हम आपसे गुहार लगाते हैं कि जितना आपके कहने से हम काम करवाने आने वालों से वसूलते हैं, हमें अभी भी उसमें से उतना ही कमीशन मिल रहा है, जितना पंद्रह साल पहले मिला करता था। आपने अपने दफ्तर में काम करवाने आने वालों के रेट में तो कमरतोड़ इजाफा कर दिया है, पर हमें आपके लिए पैसे इक_ करने में से पंद्रह साल पहले वाला रेट ही मिल रहा है। उसमें से भी दो परसेंट छोटे बाबू मार जाते हैं।

दृष्टि कोण

भारतीय अर्थव्यवस्था कितनी उज्ज्वल?

ताजा खबरों के अनुसार भारत जापान को पीछे छोडक़र दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि आज भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ी है। इसी कड़ी में आरबीआई ने अपनी ताजातरीन रिपोर्ट जारी करते हुए और इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और टैरिफ वॉर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ न सिर्फ खड़ी है बल्कि अप्रैल के महीने में औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की गति तेज रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अप्रैल 2025 के पूर्वानुमान का हवाला देते हुए आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगी और जापान को पछाड़ते हुए दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन सकती है। नीतिगत बदलावों की वजह से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। साथ ही रबी फसल की बंपर पैदावार और मॉनसून से सामान्य से अधिक रहने की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोग में इजाफा दिख सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक व्यापार के बदलने और औद्योगिक नीतियों में बदलाव की वजह से भारत इन देशों के बीच कनेक्टर देश के तौर पर काम कर सकता है, खासकर प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं और फार्मास्युटिकल्स इनमें प्रमुख है। आगे चलकर, भले ही कई गंभीर चुनौतियां नजर आ रही हों, भारत वर्तमान वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले छह से सात वर्षों में यानी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था का 7 फीसदी या उससे अधिक बढऩा संभव है। हालांकि, इसने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चार चुनौतियां भी पेश की हैं। इनमें सेवा क्षेत्र के लिए एआई का खतरा, एनर्जी सिक्योरिटी और आर्थिक विकास के बीच समझौता और स्किल वर्कफोर्स की उपलब्धता शामिल है। सेवा क्षेत्र के रोजगार पर संभावित प्रभाव के कारण एआई का आगमन दुनिया भर की सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती है। यह भारत के लिए विशेष रुचि का विषय है क्योंकि सेवा क्षेत्र भारत की जीडीपी में 50 फीसदी से अधिक का योगदान देता है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान तेज रहेगा और 7 फीसदी या उससे अधिक बढऩे की उम्मीद है। कुछ विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 25 के दौरान भी इसी तरह की विकास गति का अनुमान लगाया है। महिला कार्य बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 फीसदी से बढक़र 2022-23 में 37 फीसदी हो गई, जो भारत में महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव को दिखाती है। इस बीच शैक्षिक क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सरकार द्वारा दशकीय सुधार किए गए, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में सुधार, श्रम बल बाजार में लैंगिक समानता में सुधार, सरकार द्वारा पूंजीगत खर्च को बढ़ावा, बुनियादी ढांचे के विकास, राजकोषीय संतुलन को बनाए रखना, अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण और जीएसटी सुधार, भुगतान का डिजिटलीकरण, दिवाला और दिवालियापन कोड में सुधार कुछ नीतिगत हस्तक्षेप हैं, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की गति बनाए रखने में मदद की है। हमें निवेश खर्च में वृद्धि, उत्पादकता में सुधार, स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार, अधिक नौकरियां पैदा करना और लैंगिक समानता में सुधार, कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखना, वैश्विक रुझानों का प्रबंधन, महिलाओं के लिए नए रोजगार के अवसरों का निर्माण और शासन में सुधार करना होगा, जिससे अगले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। इस घोषणा के बाद जहां कुछ अर्थशास्त्रियों ने इसकी सराहना की, वहीं कई विशेषज्ञों ने इस दावे पर सवाल भी उठाए। हर बार जब इस तरह के आंकड़े सामने आते हैं, तो आम लोगों के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि क्या इस आर्थिक तरक्की का असर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा है? अगर एक परिवार में एक व्यक्ति पांच लाख रुपए कमा रहा है और दूसरे परिवार में चार लोग मिलकर पांच लाख कमा रहे हैं, तो सिर्फ आमदनी देखकर यह कहना कि दोनों बराबर हैं, गलत होगा, क्योंकि एक परिवार में उस राशि से एक व्यक्ति का खर्च चल रहा है, जबकि दूसरे में चार लोगों का। इसी तरह, देशों की तुलना करते समय भी केवल जीडीपी के आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना ठीक नहीं है।

आजीवन कारावास के आरोपित को बरी करने पर हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग

काठमांडू, 04 जून (एजेंसियां) । नेपाल में 23 लोगों को जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व मंत्री सहित पांच लोगों को रिहा करने वाले हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस पर सुनवाई के लिए न्याय परिषद की आकस्मिक बैठक भी बुलाई गई है। नेपाली कांग्रेस के बाहुबली नेता पूर्व मंत्री और तीन बार के सांसद आफताब आलम सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों को सबूतों के अभाव में हाई कोर्ट के दो जजों की बेंच ने रिहा करने का आदेश दिया था। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए पुख्ता प्रमाण होने के कारण इन सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार करके इन पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट की तरफ से राजनीतिक दबाव में यह फैसला किए जाने की बात कहते हुए नेपाल बार एसोशिएशन ने न्याय परिषद में लिखित शिकायत की है। साथ ही हाई कोर्ट के दोनों जजों और देश के कानून मंत्री अजय चौरसिया के खिलाफ जांच की मांग की है। परिषद ने आज आकस्मिक बैठक बुलाई है। इस शिकायत में इस तरह का आदेश देने वाले हाई कोर्ट के दोनों जजों और कानून मंत्री के फैसले के दो दिन पहले से लेकर दो दिन बाद तक के कॉल डिटेल रिकॉर्ड मंगाने की बात भी कही गई है। बुधवार की शाम को न्याय परिषद की बैठक में इस बारे में आगे का निर्णय लिया जाएगा। सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा ने फैसले से एक दिन पहले ही एक सार्वजनिक कार्यक्रम में आफताब आलम को जेल से जल्द रिहा कराने की बात कही थी। बार एसोशिएशन ने आशंका व्यक्त की है कि कांग्रेस के पूर्व मंत्री को जेल से रिहा कराने के लिए कांग्रेस के कोटे से ओली सरकार में कानून मंत्री रहे अजय चौरसिया ने भूमिका निर्वाह की है। रौतहट से नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार मोहम्मद आफताब आलम पर मतदान के दिन बम बनाने के लिए भारत सरकार लाए गए ।

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेश में गैस सिलेंडर से लदा ट्रक पलटा,लगी आग, जोरदार धमाका

ढाका। बांग्लादेश के बिरसार में ब्राह्मणबारिया बाइपास के पास कोमिला–सिलहट राजमार्ग पर 200 से अधिक रसोई गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक पलट गया। इसके बाद ट्रक में आग लग गई और इससे कई विस्फोट हुए। अभी भी ट्रक में आग लगी हुई है। रुक–रुक कर सिलेंडर फट रहे हैं। इससे क्षेत्र में दहशत है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, तब से घटनास्थल के आसपास विस्फोट की आवाज आ रही है। आग तेजी से भड़क रही है। ब्राह्मणबरिया सदर मॉडल थाना मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन ने बताया कि प्रत्येक विस्फोट के साथ सिलेंडर ऊपर की ओर उछल रहे है। पुलिस के अनुसार, सड़क की खराब हालत के कारण ट्रक पलट गया। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। संबंधित अधिकारियों को बाखबर कर दिया गया है।

बेटे की तस्वीर बनी मंगोलिया के प्रधानमंत्री के इस्तीफे का कारण

उलानबतोर। मंगोलिया के प्रधानमंत्री के शासन के अंत का कारण उनके बेटे की एक तस्वीर बनेगी। हाल ही में मंगोलिया के पीएम लुवसन्नामस्रेन ओयुन एर्डीन संसद में विपक्षी दलों द्वारा पेश किया गया अविश्वास प्रस्ताव हार गए हैं। इसके बाद लुवसन्नामस्रेन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। इन सब के पीछे की वजह बनी उनके बेटे और होने वाली बहु की छुट्टियों के दौरान ली गई एक तस्वीर। यह तस्वीर सामने आने के बाद से ही देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे, जिसके बाद प्रधानमंत्री को अपना पद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। देश के लोगों में भी गुस्सा भड़क उठा। बड़ी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन कर ओयुन–एर्डीन के इस्तीफे की मांग करने लगे, जिसमें बाद उन्हें आखिरकार पद छोड़ना पड़ा। इस्तीफे के बाद ओयुन–एर्डीन ने कहा है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, आलोचक मुझे बदनाम कर मेरी प्रतिष्ठा को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। ओयुन–एर्डीन के बेटे और उनकी मंगेतर की कुछ तस्वीरों के जरिए उनकी लक्जरी लाइफस्टाइल लोगों के सामने आई। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर में यह जोड़ा लक्जरी शॉपिंग बैग लिए नजर आया। इस तस्वीर को प्रधानमंत्री की बेटे की मंगेतर ने पोस्ट किया था। दूसरी तस्वीरों में भी बेटे और मंगेतर की विलासतापूर्ण जिंदगी की कुछ झलकियां दिख रही थीं। तस्वीरें बाहर आने के बाद देश की जांच एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के खिलाफ जांच शुरू कर दी। इससे पहले मंगलवार को संसद में ओयुन–एर्डीन ने विश्वास मत खो दिया था। पद पर बने रहने के लिए उन्हें 126 सदस्यीय संसद में कम से कम 64 वोटों की आवश्यकता थी। हालांकि उनके पक्ष में केवल 44 ने तो वहीं 38 ने उनके खिलाफ वोट दिया।

आईएसआई चीफ के पद से हटाया तो पत्नी के खिलाफ हुए मुनीर: पूर्व पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के बारे में बात करते हुए कहा कि इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक के पद से हटाए जाने के बाद फील्ड मार्शल उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ हो गए। खान ने कहा, जब मैंने प्रधानमंत्री के रूप में जनरल आसिम मुनीर को आईएसआई के महानिदेशक के पद से हटाया, तो उन्होंने इस मामले पर चर्चा करने के लिए मध्यस्थों के माध्यम से मेरी पत्नी बुशरा बीबी से संपर्क करना चाहा। जनरल मुनीर पर और भी निशाना साधते हुए खान ने कहा, जिस तरह से मेरी पत्नी को निजी प्रतिशोध के लिए निशाना बनाया गया है, उसकी कोई तुलना नहीं है। पाकिस्तान में तानाशाही के सबसे काले दौर में भी ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा, उन (बुशरा बीबी) पर सहायता करने और उकसाने का आरोप लगाया गया था, एक ऐसा आरोप जिसके लिए कभी कोई सबूत पेश नहीं किया गया और उन्हें एक के बाद एक झूठे मामलों में गिरफ्तार किया जाता रहा है। वह एक नागरिक हैं, एक गृहिणी हैं जिसका कोई राजनीतिक संबंध नहीं है।

भारत विरोधी बयानबाजी पर फिर घिरे बिलावल भुट्टो, पत्रकार ने याद दिलाया भारत का जवाब

न्यूयॉर्क, 04 जून (एजेंसियां) । पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अपने भारत विरोधी प्रोपेगैंडा वाले बयान के कारण सवालों के घेरे में आ गए। हालांकि, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद से मिलकर लडऩे और खुफिया जानकारी साझा करने का सुझाव भी दिया, जिस पर फिलहाल भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वायरल हो रहे एक वीडियो में बिलावल भुट्टो मंच पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान एक पत्रकार ने उनके हालिया बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और भारत में मुसलमानों को शैतानों की तरह दिखाने की बात कही थी।

पत्रकार ने बिलावल भुट्टो को याद दिलाया कि उन्होंने दोनों देशों की ब्रीफिंग देखी है और उन्हें स्पष्ट रूप से याद है कि भारत की ओर से ब्रीफिंग देने वाली सैन्य अधिकारियों में एक मुस्लिम महिला भी शामिल थीं। दरअसल, यह प्रतिक्रिया भारत द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए हमले के बाद दी गई ब्रीफिंग के संदर्भ में थी। इस ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की थी। विंग कमांडर सिंह भारतीय वायुसेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। ब्रीफिंग के दौरान उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी मौजूद थे। इस घटना ने एक बार फिर पाकिस्तान की भारत विरोधी बयानबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवालों के घेरे में ला दिया है।

दक्षिण कोरिया ने ली जे-म्योंग पर जताया भरोसा राष्ट्रपति निर्वाचित

सियोल, 04 जून (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया ने पांच साल के लिए अपना अगला राष्ट्रपति चुन लिया। मतदाताओं ने ली जे-म्योंग पर भरोसा जताया है। पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ की विवादास्पद घोषणा पर मचे बवाल के बाद हुए उपचुनाव में ली जे-म्योंग को निर्वाचित घोषित किया गया। वह दक्षिण कोरिया की उदारवादी डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपीके) के नेता हैं।

खबर के अनुसार, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ली जे–म्योंग ने बुधवार सुबह 6:21 बजे औपचारिक कार्यकाल की शुरुआत की। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के उनकी जीत की पुष्टि करते ही उन्हें राष्ट्रपति के रूप में सभी शक्तियां और जिम्मेदारियां सौंप दी गई। वह देश की सशस्त्र सेनाओं की कमान भी संभालेंगे।

दक्षिण कोरिया में मंगलवार को हुए उपचुनाव में ली ने 49.42 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। प्रमुख रूढ़िवादी पीपुल्स पावर पार्टी के किम मून–सू को 41.15 प्रतिशत और रिफॉर्म पार्टी के ली जुन–सोक को 8.34 प्रतिशत वोट मिले। ली जे–म्योंग ने अपने पहले भाषण में अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने, लोकतंत्र को स्थिर करने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष आज उन्हें सैन्य कमान का हस्तांतरण करेंगे। इसके बाद ली के सियोल नेशनल सेमेट्री जाने की उम्मीद है। वह नेशनल असेंबली में सुबह 11 बजे होने वाले उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। समारोह में लगभग 300 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अतिथि सूची में प्रमुख राज्य संस्थानों, विधानसभा, सर्वोच्च न्यायालय, संवैधानिक न्यायालय और चुनाव आयोग के के शीर्ष अधिकारियों के साथ–साथ कानून निर्माता, पार्टी और धार्मिक नेता, कैबिनेट सदस्य और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं। आज दोपहर बाद वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात कर सकते हैं।

ईरान ने 10 परमाणु हथियार बनाने लायक संवर्धित यूरेनियम किया जमा

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की गोपनीय रिपोर्ट ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान ने अब तक करीब 10 परमाणु हथियार बनाने लायक संवर्धित यूरेनियम जमा कर लिया है। इस खुलासे के बाद परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने फरवरी 2024 से अप्रैल 2025 के बीच 60 फीसदी संवर्धित यूरेनियम की मात्रा को 274.8 किलोग्राम से बढ़ाकर 408.6 किलोग्राम कर दिया है। केवल तीन महीनों में ईरान ने संवर्धित यूरेनियम की मात्रा को करीब 50 फीसदी तक बढ़ाया। आईएईए रिपोर्ट से हुआ खुलासा, इजराइल–अमेरिका भी घबराए रिपोर्ट के मुताबिक यह स्तर परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब है और इसे दो हफ्तों से भी कम समय में 90 फीसदी संवर्धित हथियार–योग्य यूरेनियम के स्तर तक बदला जा सकता है। वहीं तेहरान दावा करता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है, लेकिन कहा जा रहा है कि वह यह पुष्टि नहीं कर पा रहा कि ईरान की गतिविधियां सिर्फ नागरिक उपयोग तक सीमित हैं या नहीं।

गाजा में जीएचएफ ने मानवीय सहायता का वितरण रोका

गाजा पट्टी,04 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने गाजा में मानवीय सहायता का वितरण रोक दिया है। इससे फिलिस्तीनी नागरिकों के सामने भविष्य में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। जीएचएफ ने घोषणा की है कि केंद्रों से भोजन सामग्री और अन्य जरूरी सामान का वितरण नहीं किया जाएगा। सभी वितरण केंद्र बंद रहेंगे। इजराइल की खबर के अनुसार, वितरण केंद्रों के आसपास बार-बार की गई गोलीबारी की वजह से ऐसा करना पड़ा है।

जीएचएफ ने वितरण केंद्रों पर इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) से सुरक्षा बढ़ाने का आग्रह किया है। जीएचएफ ने घोषणा की है कि उसके सहायता वितरण केंद्र बुधवार को संचालित नहीं होंगे।

इस बीच आईडीएफ ने कहा है कि गुरुवार को संचालन दोबारा शुरू करने से पहले वितरण स्थलों तक सुरक्षित पहुंच मार्ग तैयार किया जाएगा। जीएचएफ के प्रवक्ता ने कहा कि लगातार तीसरे दिन भोजन के डिब्बे लेने की कोशिश कर रहे फिलिस्तीनियों को निशाना बनाया गया। आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता ने भी एक बयान जारी कर फिलिस्तीनियों को चेतावनी दी कि सहायता स्थलों की ओर जाने वाली सड़कों पर यात्रा करना अंतरिम रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इन सड़कों को युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है।

पाकिस्तान ने भारतीयों को किडनैप किया, ईरान ने मुक्त कराया

तेहरान, 04 मई (एजेंसियां) ।

पिछले सप्ताह विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह लापता भारतीयों के मामले में ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। ईरानी दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तीन लापता भारतीय नागरिक मुक्त करा लिए गए हैं। उसने कहा, ईरान के स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता हुए तीन भारतीयों को ढूंढकर छुड़ा लिया है। ये तीनों भारतीय पंजाब राज्य के रहने वाले हैं और मई महीने की शुरुआत में ईरान में लापता हो गए थे। तीनों भारतीय नागरिकों की पहचान हुसनप्रीत सिंह (संगरूर), जसपाल सिंह (एसबीएस नगर), और अमृतपाल सिंह (होशियारपुर) के रूप में हुई है। वे 1 मई को ईरान पहुंचे थे।

तीनों युवकों के परिवार ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उन्हें सुरक्षित रिहा करा लिया गया है। हुसनप्रीत की मां बलविंदर कौर ने कहा, उन्हें पुलिस ने बचा लिया है। मुझे इस बारे में समाचारों से पता चला। हुसनप्रीत के पिता की मौत हो चुकी है। उनके मामा रमेश शर्मा ने बताया कि परिवारों को सोमवार को उनके बेटे और उसके साथियों से फोन आया, जिनका अपहरण कर लिया गया था। उन्होंने कहा, वहां मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें फोन करके हमें सूचित करने की अनुमति दी। हमें सोमवार को फोन आया, जिसमें लड़कों ने बताया कि पुलिस ने उन्हें अपहरण से सुरक्षित बचा लिया है और आरोपी पाकिस्तानी किडनैपर को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, उनमें से कितने लोग शामिल थे और कब गिरफ्तार किए गए, यह अभी भी पता नहीं चल पाया है। सरकार को धन्यवाद देते हुए शर्मा ने कहा, लड़कों की भारत वापसी के बारे में, यह सरकार पर निर्भर है क्योंकि यह एक बाहरी मामला है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को ईमेल भेजे हैं।

भारतीय दूतावास ने इस मामले को 28 मई को उठाया था, जब पीड़ितों के परिवारों ने उनकी गुमशुदगी की सूचना दी। दूतावास ने ईरानी अधिकारियों से तत्काल और गहन जांच की मांग की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 29 मई को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हम ईरानी अधिकारियों के साथ दैनिक संपर्क में हैं और हमें उनकी ओर से अच्छा सहयोग मिल रहा है। हम परिवारों के साथ भी संपर्क में हैं और उन्हें हर संभव मदद प्रदान कर रहे हैं। इस मामले में होशियारपुर के एक ट्रैवल एजेंट के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की गई है, जो कथित तौर पर फरार है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, तीनों भारतीय नागरिकों को जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा। भारतीय दूतावास ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए हुए है ताकि उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके।

कोहली ने टेस्ट के प्रति फिर दिखाया प्यार युवाओं से इस प्रारूप के सम्मान का आग्रह

अहमदाबाद,04 जून (एजेंसियां)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली बहुत भावुक नजर आए।

विराट आईपीएल की शुरुआत से इस फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे हैं, लेकिन अब जाकर उन्हें आईपीएल ट्रॉफी को उठाने का मौका मिला है। ऐसे में जीत के बाद विराट अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके और बहुत इमोशनल हो गए। हालांकि आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपना प्यार एक बार फिर जाहिर किया।

मैच के बाद मैथ्यू हेडन के साथ बातचीत के दौरान विराट ने कहा कि यह पल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट से पांच स्तर नीचे है। यही कारण है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट से इतना प्यार है और यही कारण है कि वह टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देते हैं।

उन्होंने आने वाले युवा पीढ़ियों से आग्रह किया है कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। उन्होंने आगे कहा कि मैं आने वाले युवाओं से यही आग्रह करूंगा कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। क्योंकि अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, लोग आपकी आंखों में देखते हैं और आपसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, शाबाश, आपने खेल बहुत अच्छा खेला। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि इसलिए यदि आप विश्व क्रिकेट में सम्मान अर्जित करना चाहते हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को अपनाएं और इसमें अपना दिल और जान लगा दें। विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास36 साल के विराट कोहली ने पिछले महीने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसमें उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक के साथ 9230 रन बनाए। विराट के पास टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने का मौका था, लेकिन उन्होंने उससे पहले ही संन्यास ले लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महत्वाकांक्षा में ...

खतरनाक हो गई है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी यह जान लीजिए कि आप, आपकी पार्टी और आपके खानदान के कारनामे आजाद हिंदुस्तान के कैलेंडरों में सरेंडर से भरे पड़े हैं। सरेंडर कांग्रेस ने किया होगा, मगर भारत किसी के सामने सरेंडर नहीं हो सकता। हम विश्व की एक मात्र ऐसी सभ्यता हैं जो हजारों सालों के आक्रमणों के बाद भी जीवंत है, जिसे आप मानने को तैयार नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत मां के शेर की तरह हैं, अर्थात हमारे नरेंद्र भारत मां के मृगेंद्र हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, यूपीए सरकार के दौरान सरेंडर के कुछ वास्तविक उदाहरण साझा करना चाहता हूं। 15 जुलाई 2011 को राहुल गांधी ने कहा कि आतंकवाद को पूरी तरह से नियंत्रित करना असंभव है। यह कांग्रेस का आत्मसमर्पण था। 26/11 के मुंबई हमलों के बाद यूपीए सरकार ने कहा कि पाकिस्तान के साथ वार्ता आतंकवादी गतिविधियों से प्रभावित नहीं होगी। यह भी कांग्रेस का आत्मसमर्पण था। 1971 में, एक निर्णायक सैन्य जीत और 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण के बाद यूपीए नेतृत्व ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को क्यों आत्मसमर्पण कर दिया? भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा की थी, भाजपा नेताओं या उनके प्रवक्ताओं ने नहीं। जिस तरह से राहुल गांधी ने सशस्त्र बलों की सफलता की तुलना आत्मसमर्पण से की, वह उनके पराक्रम और बलिदान का स्पष्ट अपमान है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं कि असली आत्मसमर्पण कैसा होता है। दो साल पहले, राहुल गांधी ने सवाल किया था कि यूरोप और अमेरिका में लोकतंत्र के रक्षक चुप क्यों हैं और भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप क्यों नहीं कर रहे हैं। यह कांग्रेस का आत्मसमर्पण था। राहुल गांधी ने जैसा बयान दिया वैसा बयान तो पाकिस्तान के सेना प्रमुखों ने भी नहीं दिया। पाकिस्तान के किसी आतंकवादी संगठन ने भी नहीं बोला, मौलाना मसूद या उसके आतंकी संगठन ने भी नहीं बोला, सईद ने भी नहीं बोला। किसी ने ये शब्द नहीं बोला है कि भारत ने सरेंडर किया है। राहुल गांधी ने जिस प्रकार से हमारी सेना द्वारा दिखाए गए अप्रतिम शौर्य और सेना के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का विवरण दिया है, उसकी सरेंडर से तुलना करना, ये दर्शाता है कि इनकी मानसिकता कितनी रोगी और कितनी खतरनाक हो चुकी है।

भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी को भाजपा असभ्य और पाकिस्तान खुफिया एजेंसी (आईएसआई) का समर्थन देने वाला बताया है। भाजपा ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी चीन और पाकिस्तान के पेड एजेंट तो नहीं हैं? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा, जिस लहजे से ऑपरेशन सिंदूर पर राहुल गांधी ने बात कही। कोई भी सभ्य राजनेता या विपक्ष का नेता अपने देश के बारे में बात करते समय सरेंडर जैसे शब्द का इस्तेमाल कभी नहीं करेगा। अगर कोई नेता इस तरह के शब्द का प्रयोग कर रहा है तो वह राजनीति लायक नहीं है। पात्रा ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले का बदला ऑपरेशन सिंदूर के तहत लिया गया था, जिसमें पाकिस्तान के भीतर घुसकर नौ आतंकी लॉन्चपैड और 11 एयरबेस तबाह किए गए थे। यह सब ऑन रिकॉर्ड है। इसके बावजूद राहुल गांधी ने भारत की मातृभूमि के लिए सरेंडर शब्द का प्रयोग किया और ऑपरेशन सिंदूर का मजाक उड़ाया। हमारा देश कभी आतंक के सामने सरेंडर नहीं करता। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी ने एलअ-ोपी का मतलब, लीडर ऑफ ऑपोजिशन की जगह लीडर ऑफ पाकिस्तानी प्रोपागेंडा समझ लिया है। पाकिस्तान ने भी मान लिया है कि भारत में राहुल गांधी जैसा उनका प्रवक्ता है। पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी ने डीजीएमओ या विदेश मंत्रालय की छोड़िए, अपने ही नेता शशि थरूर, मनीष तिवारी और सलमान खुर्शीद की बात मान लेते तो थोड़ी अक्ल से बात करते।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, आत्मसमर्पण कांग्रेस पार्टी के शब्दकोष में है, गांधी परिवार के डीएनए में है। राहुल गांधी, आपको अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किस तरह आपने इतिहास में आत्मसमर्पण किया। आपने आतंकवाद के सामने आत्मसमर्पण किया, शर्म-अल-शेख में आत्मसमर्पण किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर आत्मसमर्पण किया, सिंधु जल समझौते में आत्मसमर्पण किया, हाजी पीर दर्रा का आत्मसमर्पण किया, छम्ब सेक्टर के 160 किमी इलाके का आत्मसमर्पण किया, 1962 की लड़ाई में आत्मसमर्पण किया, 1948 में आत्मसमर्पण किया और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के सामने भी आत्मसमर्पण किया।

पाकिस्तान ने ...

पाकिस्तान के इस खुलासे ने युद्ध-विराम की उसकी अपील की बेचैनी समझी जा सकती है।

मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा उपलब्ध कराई गई सैटेलाइट तस्वीरों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढाँचे के खिलाफ भारत द्वारा किए गए सटीक हमलों से होने वाले विनाश को दिखाया था। इसमें मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षण केंद्र और बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय सहित नौ लक्ष्यों को निशाना बनाया गया था। मुजफ्फराबाद, कोटली, रावलकोट, चकस्वारी, भिंबर, नीलम घाटी, झेलम और चकवाल उन जगहों में शामिल थे, जिन पर ऑपरेशन के दौरान हमला किया गया था। पाकिस्तान पर जवाबी हमले में भारत ने 11 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। नूर खान, रफीकी, मुरीद, सुक्कुर, सियालकोट, पसरूर, चुनियन, सरगोधा, स्कारू, भोलारी और जैकबाबाद उन ग्यारह हवाई ठिकानों में शामिल थे जिन्हें निशाना बनाया गया। तीन दिनों तक चली यह तनातनी तब खत्म हुई जब पाकिस्तान ने भारत से सीजफायर के लिए प्रार्थना की।

भारत ने युद्ध-विराम तो किया, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींच दी है। भारत में अब कोई भी आतंकवादी हमला युद्ध अपराध माना जाएगा, जिसके लिए कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

जाति के साथ...

इस जनगणना में सरकारी कर्मचारी (एन्यूमेरेटर) जाति से जुड़ा सवाल पूछेंगे। 30 अप्रैल को कैबिनेट बैठक में मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया था, अब इसकी तारीख भी सामने आ गई है। जाति जनगणना का सीधा सा मतलब है, देश में रहने वाले अलग-अलग जाति के लोगों की गिनती होगी। इससे यह तस्वीर साफ हो जाएगी कि देश में किस जाति के कितने लोग मौजूद हैं। जाति जनगणना से इसके स्पष्ट आंकड़े सामने आ पाएंगे।

देश में जातिगत जनगणना की शुरुआत अंग्रेजों के दौर में ही शुरू हो गई थी। आखिरी बार पूर्ण जाति जनगणना 1931 में कराई थी। तभी तय हो गया था कि इसे हर 10 साल में कराया जाएगा। हालांकि जाति के आंकड़े सामने नहीं रखे गए और तर्क दिया गया कि जाति आधारित टेबल नहीं तैयार हो पाई थी। आजाद भारत की पहली जनगणना साल 1951 में हुई। इसमें पिछड़ा वर्ग को शामिल नहीं किया गया था। इसके बाद साल 1961 से 2001 तक हुई जनगणना में जातियों को नहीं शामिल किया गया। साल 2011 में जातियों का सामाजिक-आर्थिक आंकड़े को इकट्ठा किया गया, लेकिन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। जातिगत जनगणना का विरोध करने वालों का कहना है कि अगर इस जनगणना में ओबीसी की आबादी अधिक निकली तो सुप्रीम कोर्ट की तरफ से तय की गई आरक्षण की सीमा पार हो जाएगी। इससे ओबीसी को और भी ज्यादा आरक्षण मिलेगा। इसका नुकसान दलितों को होगा। जातीय जनगणना से देश में जातियों का बंटवारा और भेदभाव पैदा होगा। ऐसी जनगणना जातिगत व्यवस्था को और मजबूती देगी। जातिगत जनगणना की जगह सरकार को व्यक्तिगत अधिकार और समान अवसर देने पर फोकस करना चाहिए।

पिछली जनगणना के रिकॉर्ड को देखेंगे तो पाएंगे कि हर बार सवालों की संख्या में इजाफा हुआ है। 2001 के मुकाबले 2011 में हुई जन-गणना में कई अतिरिक्त सवाल पूछे गए थे। जैसे, आपका घर आपके ऑफिस से कितनी दूरी पर है। 2001 की जनगणना में नाम, जिला और राज्यों से जुड़े बेसिक सवाल पूछे गए थे। वहीं, 2011 में व्यक्ति के गांव का नाम भी शामिल किया गया था। अब सवालों में व्यक्ति का नाम, जेंडर, माता-पिता का नाम, जन्म की तारीख, वैवाहिक स्थिति, वर्तमान और अस्थायी पता, परिवार के मुखिया का नाम, उससे सम्बन्ध भी पूछा जाएगा। ऐसे 30 सवाल पूछे जाएंगे।भारत में हर 10 साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था। देश में जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई थी। पहली बार हुई जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सरकार ने सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित आंकड़े जारी किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए।

मुस्लिम देशों ने ...

तो राहुल गांधी को यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में राजनीति काम नहीं आएगी। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का चौथा दल दिल्ली पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने यूएई, लाइबेरिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और सिएरा लियोन का दौरा किया।

मिस्र के पूर्व विदेश मंत्री नबील फहमी ने कहा, मेरे भारत के साथ बहुत पुराने संबंध रहे हैं। लंबे समय तक विदेश सेवा में रहने के कारण और पीढ़ियों से चले आ रहे राजनीतिक संबंधों के कारण। मैंने भारत को अपने क्षेत्र में आर्थिक और राजनीतिक रूप से विकसित होते देखा है और निश्चित रूप से मध्य पूर्व में हमने जो कुछ किया है, उस पर मुझे गर्व है। मैं मिस्र में एक उच्च-स्तरीय बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल को देखकर बहुत खुश था क्योंकि यह भारत की पूरी आवाज को दर्शाता है। मैं स्पष्ट रूप से अपने पक्ष को भी यहां विभिन्न राजनीतिक समर्थन वाले प्रतिनिधिमंडल भेजने के लिए प्रेरित करूंगा ताकि हम भारतीयों से हमारे क्षेत्र में क्या हो रहा है, इसके बारे में बात कर सकें, चाहे वह अरब दुनिया हो या मध्य पूर्व और अफ्रीका, क्योंकि मिस्र की स्थिति अनूठी है।

उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय आधिकारिक संबंधों के अलावा जिसका नेतृत्व स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी कर रहे हैं, उन स्थितियों को ठोस कार्रवाई में बदलना महत्वपूर्ण है। हम वास्तव में संयुक्त राष्ट्र में अग्रणी देशों में से थे जो आतंकवाद को परिभाषित करने और यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे थे कि आतंकवाद के कृत्यों से पहले और बाद में अंतरराष्ट्रीय सहयोग हो। मुझे यकीन है कि कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं है, कोई वित्तपोषण नहीं है। अब आपको इस क्षेत्र में एक मित्र और भागीदार मिल गया है। हम हमेशा देखना चाहते हैं कि कैसे चीजों को खत्म कर सकते हैं, इसलिए हम आतंकवादियों के साथ समझौता नहीं करेंगे।वहीं, कांग्रेस सांसद आनंद शर्मा ने कहा कि हम इस तथ्य से उत्साहित हैं कि मित्र देशों ने भारत की स्थिति को समझ लिया है। उन्होंने भारत पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा की। हमने आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में अपने लंबित प्रस्ताव के बारे में भी बात की और हमें इस संबंध में समर्थन का आश्वासन भी मिला। काहिरा में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि एक ऐसा देश जो अमेरिका के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई से पैसा निकाल सकता है और अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन (ओसामा बिन लादेन) को शरण दे सकता है, जिसकी तलाश पूरी दुनिया कर रही है, वह पाकिस्तान के दोहरे चरित्र का सबसे बड़ा सबूत है।

एनसीपी (पवार) नेता सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के ग्रुप 7 के सदस्य और भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि कतर, साउथ अफ्रीका, इथोपिया और अब मिस्र में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 140 करोड़ देशवासियों का स्पष्ट संदेश लेकर आए हैं कि कैसे सीमापार से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद बार-बार भारत के निर्दोष लोगों की जान लेता है। भारत पर बार-बार पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के हमले होते हैं, जो भारत के आर्थिक विकास पर प्रहार करने का प्रयास करते हैं। हम लगातार शांति, भाईचारा, सद्भावना बनाने का काम करते हैं उस पर बार-बार पाकिस्तान द्वारा चोट पहुंचाई जाती है। हमने दुनियाभर के देशों को बताया कि कैसे वित्त, रसद प्रबंधन, प्रशिक्षण और सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान संरक्षण देता है। आतंकवादियों के ताबूतों पर पाकिस्तानी झंडा दिखाता है कि ये पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित है। दुनियाभर के देशों ने एक स्वर में हमले की निंदा की है, भारत के प्रति संवेदनाएं दी हैं और अपना विश्वास व्यक्त किया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वे भारत के साथ खड़े हैं।

मिस्र की राजधानी काहिरा में एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने जब 2014 में पहली बार शपथ ली थी, तो उन्होंने एक प्रयास किया था जो निरंतरता का हिस्सा था। उन्होंने शपथ समारोह के लिए सभी को भारत आमंत्रित किया था, और हमें विश्वास था कि हम सब मिलकर काम करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि यह एक बढ़ता हुआ महाद्वीप बने और पूरी दुनिया को शांति का संदेश दे, लेकिन जब यह हमला हमारे निकटतम पड़ोसी से हुआ, तो यह हमारे लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दर्दनाक था। हम भारतीय के रूप में यहां दुनिया को यह बताने आए हैं कि वास्तव में क्या हुआ है।

सुप्रिया सुले ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की तहे दिल से आभारी हूं कि उन्होंने हम पर विश्वास दिखाया। हमारे पूरे प्रतिनिधिमंडल ने जिस-जिस से मुलाकात की सभी ने कहा कि वे आतंकवाद के खिलाफ हैं और ऑपरेशन सिंदूर में भारत के साथ हैं। हर बैठक में ये बात सामने आई है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता वे केवल आतंकवाद होता है। हमारे भारत में हम विविधता में साथ रहते हैं। लंदन में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जहां तक आतंकवाद का सवाल है, पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी चाहिए। यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए।

बिना किसी जवाबदेही के वहां इतना अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण क्यों हो रहा है, यह पैसा कहां जा रहा है, क्या यह हथियार खरीदने या पाकिस्तान के लोगों की गरीबी दूर करने के लिए जा रहा है? मैं समझता हूं कि पाकिस्तान ने आईएमएफ से 25 बार ऋण लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार की ओर से भेजे गए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में से एक दल अलग-अलग देशों का दौरा करने के बाद भारत लौट आया है। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में चार प्रमुख मुस्लिम देशों का दौरा करने वाला बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को भारत लौटा। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बैठक में प्रतिनिधिमंडल के प्रयासों की सराहना की। इस प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा किया और भारत का पक्ष रखा। मीडिया से बात करते हुए बैजयंत पांडा ने कहा कि यह एक सफल यात्रा थी, क्योंकि सभी देशों ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का समर्थन किया है। पांडा ने कहा कि ये देश भारत को उसके आर्थिक विकास के कारण अवसरों के देश के रूप में देखते हैं और न केवल आतंकवाद के मुद्दे पर बल्कि अन्य मामलों पर भी उसके साथ काम करना चाहते हैं। एजेंसी पांडा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और भारत की दंडात्मक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी साझा की है। जयशंकर के साथ प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद शृंगला ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया साझा की और मंत्री ने उन्हें उनके बहुत सफल दौरे के लिए बधाई दी। पूर्व राजनयिक ने कहा कि उन्होंने बताया कि उनकी यात्रा के उद्देश्य पूरे हुए। दिल्ली वापस लौटने पर जेडी (यू) सांसद संजय झा ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सबसे बड़ा संदेश यह रहा कि इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। पहलगाम की घटना की सभी ने निंदा की है। जिस तरह से भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया और आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, उसकी भी प्रशंसा हुई है। हमने हर उस जगह जहां हम गए आग्रह किया कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

मलेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को समर्थन दिया है। उसका कहना है कि इस्लाम किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता। इसलिए भारत को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की मलेशिया यात्रा को रोकने की कोशिश में पाकिस्तान ने एक बार फिर मुंह की खाई है। आतंकी मुल्क ने मलेशिया सरकार से मुस्लिम देश होने की दुहाई तक दे डाली। हालांकि मलेशिया ने पाक के इस पैंतरे को ठुकरा दिया और प्रतिनिधिमंडल से बेहतरीन मुलाकात की।

पाकिस्तानी दूतावास ने मलेशिया से कहा, आप भी मुस्लिम देश हैं और हम भी मुस्लिम देश हैं। ऐसे में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बात न सुनकर उनके दौरे को रद्द करना चाहिए। इस पर मलेशिया ने भारत के साथ अपने संबंधों में पाकिस्तान के हस्तक्षेप को सिरे से ठुकरा दिया। पहलगाम आतंकी हमले के जवाबी एक्शन में चलाए गए मिशन ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की हालत पस्त है। वहीं भारत के अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के अलग अलग देशों में दौरा कर देश की के पक्ष को मजबूती से दर्शा रहे हैं। इससे तिलमिलाया आतंकी मुल्क अलग-अलग हथकंडे अपना रहा है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका, गुयाना, कोलंबिया, ब्राजील और पनामा का दौरा किया तो वहीं जेडीयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में एक अन्य प्रतिनिधिमंडल जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और मलेशिया का दौरा कर रहा है। संजय झा के साथ इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा से सांसद अपराजिता सारंगी, बृजलाल, प्रदान बरुआ और हेमांग जोशी, तृणमूल के अभिषेक बनर्जी, सीपीएम के जॉन ब्रिटास, कांग्रेस से सलमान खुर्शीद और पूर्व राजनयिक मोहन कुमार शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के सभी कार्यक्रम तय की गई योजना के तहत ही संचालित हुए। अपनै दौरे का बारे में सांसद संजय झा ने अक्स पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, मलेशिया के सामने हमने अपनी बात रखी। ये स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद को युद्ध की कार्रवाई मानता है। भारत इस पूरे डोजियर को अतंर्राष्ट्रीय मंच एफएटीएफ के सामने रखेगा ताकि आतंक के समर्थन देने वाले पाकिस्तान जैसे देश पर दबाव बढ़े।भारतीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार 2 जून को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर पहुंचा। यहां उन्होंने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की पार्टी केदिलन राक्यत और डेमोक्रेटिक एक्शन पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के आतंकवाद प्रायोजित इरादों को मलेशिया के सामने रखा और पहलगाम हमलों और ऑपरेशन सिंदूर की वस्तुस्थिति स्पष्ट की। इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर मिशन के बाद मलेशिया ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। लेकिन अब उसने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत कर भारत की बात सुनी है। मलेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को समर्थन दिया है। देश का कहना है कि इस्लाम किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता। इसलिए पहलगाम में हुए हमले को लेकर ये कहना गलत नहीं होगा कि भारत को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। अपने दौरे में प्रतिनिधिमंडल ने दोनों देशों के आपसी रिश्तों पर चर्चा की। मलेशिया ने इस पर कहा कि दोनों देशों के रिश्ते 100 वर्षों से भी पहले से हैं। यहां 20 लाख भी अधिक भारतीय लोग रहते हैं। यही मलेशिया और भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों की प्रगाढ़ता दिखाता है। संजय झा के साथ प्रतिनिधिमंडल सभी देशों की यात्रा कर वापस भारत लौट आया है। दूसरी तरफ, एआईएमआईएम के नेता सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने खाड़ी देशों के सामने पाकिस्तान की पोल खोली और साथ ही वहां की सेना के प्रमुख आसिम मुनीर की भी धज्जियां उड़ाईं। ओवैसी ने खाड़ी देशों को बताया कि किस तरह पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान कई वर्षों से भारत में आतंकवाद फैला रहा है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले से पहले 15 अप्रैल को पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के भड़काऊ भाषण का भी हवाला दिया।

शेख मुजीबुर्रहमान...

बदल दिया गया है। बांग्लादेश के कानून, न्याय और संसदीय कार्य मंत्रालय ने इस संशोधन से जुड़ा अध्यादेश मंगलवार की रात को जारी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कानून में राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान शब्द को भी संशोधित किया गया है। कानून में जहां-जहां बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का नाम लिखा हुआ था, उन हिस्सों को पूरी तरह से मिटा दिया गया है।सरकार की ओर से जारी नए अध्यादेश में मुक्ति युद्ध की परिभाषा में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। नई परिभाषा में बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान का नाम पूरी तरह हटा दिया गया है। नए अध्यादेश में यह भी बदलाव किया गया है कि किसे मुक्ति युद्ध से सीधे जुड़ा हुआ माना जाएगा और किसे नहीं। संशोधित कानून के अनुसार, मुजीबनगर सरकार यानी युद्धकालीन निर्वासित सरकार से जुड़े सभी संसद सदस्य और विधायक जिन्हें पहले संविधान सभा का सदस्य माना जाता था, अब स्वतंत्रता सेनानी नहीं कहलाए जाएंगे। अब उन्हें एक नई श्रेणी स्वतंत्रता संग्राम के सहयोगी में रखा गया है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम...

उन्होंने कहा, 11 से अधिक लोगों की जान चली गई है। मुख्यमंत्री को मामले को न्यायिक जांच का आदेश देना चाहिए। राज्य सरकार को इस त्रासदी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जब पूरा देश और कर्नाटक आरसीबी की जीत का जश्न मना रहा था, तब राज्य सरकार ने बिना किसी पूर्व तैयारी के विजय रैली आयोजित करने की जल्दबाजी की, जिससे यह घटना हुई। विजयेंद्र ने कहा, राज्य सरकार ने कभी पूर्व तैयारियों की परवाह नहीं की। उन्हें प्रचार में अधिक रुचि थी। इसका परिणाम 11 से अधिक लोगों की मौत के रूप में सामने आया। कुछ लोग आईसीयू में हैं। मैंने कुछ पीड़ितों से बात की, अंदर कोई पुलिस नहीं थी, कोई एम्बुलेंस सुविधा नहीं थी।

वहीं, कर्नाटक विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा एमएलसी चलवडी नारायणस्वामी ने कहा, यह घटना सरकार की चूक की वजह से हुई। उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि कितने लोग आएंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी। यह सुरक्षा में चूक है। जबकि कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, यह नियंत्रण में आने वाली भीड़ नहीं थी। मैं बेंगलुरु और कर्नाटक के सभी लोगों से माफी मांगता हूं। हम विक्ट्री परेड निकालना चाहते थे, लेकिन भीड़ बेकाबू है। शिवकुमार ने आरसीबी के जश्न के दौरान हुई अफरातफरी पर कहा कि यह युवा जोश से भरी भीड़ थी, हम लाठी का इस्तेमाल नहीं कर सकते। आरसीबी के जश्न के दौरान कितने लोगों की मौत हुई इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है। विस्तृत जानकारी मिलने पर सूचित करेंगे। भीड़ बेकाबू थी, पुलिस को परे-शानी हो रही थी, इसलिए हमें परेड को रोकने का फैसला लेना पड़ा।

शिवकुमार ने कहा, मैंने पुलिस कमिश्नर और सभी से बात की है। मैं बाद में अस्पताल भी जाऊंगा। मैं उन डॉक्टरों को परेशान नहीं करना चाहता जो मरीजों की देखभाल कर रहे हैं। अभी सटीक संख्या नहीं बताई जा सकती। हम लोगों से शांत रहने की अपील करते हैं। हमने कार्यक्रम को छोटा कर दिया। कार्यक्रम 10 मिनट में ही खत्म हो गया। हम सब कुछ सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। लाखों लोग आए जमा हुए थे।

दरअसल, विधान सौधा में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और राज्यपाल की मौजूदगी में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ही बीच में बारिश हुई। इसके बाद खिलाड़ी और वहां मौजूद लोग भागते नजर आए। खिलाड़ी तुरंत जाकर बस में चढ़ गए। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ जमा हुई थी। वहां एक बच्चा बेहोश हुआ, जिसे लेकर पुलिस दौड़ती नजर आई। प्रशंसक पेड़ और बस पर चढ़कर अपनी टीम की झलक पाने के लिए बेताब दिखे। कुछ प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम की दीवार और फेंस पर चढ़ते नजर आए। अपनी चैंपियन टीम की झलक पाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर और विधान सौधा के बाहर भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर फैंस को कोई भी ऊंची चीज दिखी, उस पर चढ़ गए। एक समाचार एजेंसी ने वीडियो जारी किया जिसमें फैंस के एक कार को क्षति पहुंचाने की तस्वीर दिखाई गई है। भीड़ को काबू में करने के लिए बेंगलुरु पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया।

संसद का मानसून...

कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। इससे पहले संसद का बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया था। पहला सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चला। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ और चार अप्रैल को समाप्त हुआ था। बजट सत्र में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया था कि सदन की अब तक की सबसे लंबी बैठक गुरुवार तीन अप्रैल को हुई थी। यह तीन अप्रैल को सुबह 11 बजे शुरू हुई और चार अप्रैल को सुबह 4:02 बजे तक चली। ऊपरी सदन में रिकॉर्ड 49 निजी सदस्यों के विधेयक भी पेश किए गए। कुल मिलाकर सदन ने कुल 159 घंटे काम किया, जिसमें आधी रात के बाद 4 घंटे से अधिक समय शामिल है। इस सत्र की उत्पादकता 119 प्रतिशत रही।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया था कि संसद के निचले सदन में 26 बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि कुल उत्पादकता लगभग 118 प्रतिशत रही। उन्होंने बताया कि बजट सत्र के दौरान 10 सरकारी विधेयक पेश किए गए। वक्फ संशोधन विधेयक और मुस्लिम वक्फ (निरसन) विधेयक सहित 16 विधेयक पारित किए गए।

जैविक हथियार से...

वीजा धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि जियान को चीन में इस रोगाणु पर अपने काम के लिए चीनी सरकार से धन भी मिला। उसके इलेक्ट्रॉनिक्स में उसके चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) से जुड़े होने की जानकारी भी है। अमेरिकी अटॉर्नी जेरोम गोर्गन जूनियर ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक वफादार सदस्य सहित इन चीनी नागरिकों की कथित गतिविधियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर चिंता का विषय हैं। महिला जियान अदालत में पेश हुई और गुरुवार को जमानत की सुनवाई के लिए उसे वापस जेल भेज दिया गया।

एफबीआई निदेशक काश पटेल ने भी घटना को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर चेतावनी है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अमेरिकी संस्थानों में घुसपैठ करने और अमेरिका में खाद्य आपूर्ति को लक्षित करने के लिए गुर्गों और शोधकर्ताओं को तैनात करने के लिए काम कर रही है।

फ्यूसैरियम ग्रैमिनियरम एक खतरनाक फंगस है जो कृषि उत्पादन को नष्ट कर सकता है। यह मुख्य रूप से गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसे अनाजों की फसलों पर हमला करता है, जिससे भारी आर्थिक नुकसान होता है। यह फंगस हेड ब्लाइट नामक बीमारी का कारण बनता है, जिससे फसल की गुणवत्ता खराब होती है और उत्पादन में भारी गिरावट आती है।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू,रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली/मुंबई, 04 जून (एजेंसियां) ।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक बुधवार को मुंबई में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में शुरू हो गई है। जानकारों का मानना है कि रिजर्व बैंक लगातार तीसरी बार नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक मुंबई में शुरू हो गई है। छह सदस्यीय समिति गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हो रही बैठक के निर्णय की घोषणा शुक्रवार, 6 जून को करेगी। एक्सपर्ट कहा कहना है कि आरबीआई लगातार तीसरी बार नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। इसकी वजह महंगाई दर में नरमी, आर्थिक वृद्धि दर को और बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया है, ताकि अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितता के बीच विकास को बढ़ावा दिया जा सके। आर्थिक मामलों के जानकारों को मानना है कि मौजूदा समय में महंगाई दर संतुलित स्थिति में है। रिजर्व बैंक ने तरलता की स्थिति को कई उपायों के माध्यम से काफी सहज बना दिया है। ऐसे में उम्मीद है कि आरबीआई 4-6 जून तक चलने वाली एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती का निर्णय ले सकती है। इसके अलावा इस बैठक में आरबीआई अपनी विकास दर और महंगाई दर के अनुमान को भी संशोधित कर सकता है। इसकी वजह देश में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर अप्रैल में घटकर छह साल के निचले स्तर पर आ गई है। मार्च में खुदरा महंगाई दर 3.34 फीसदी और फरवरी में 3.61 फीसदी रही थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली और वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम एमपीसी की बैठक यानी इस वर्ष फरवरी और अप्रैल में लगातार दो बार प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25-0.25 फीसदी तक की कटौती की।

न्यूज ब्रीफ

यस बैंक ने किया 16,000 करोड़ जुटाने का ऐलान, फंड इक्विटी और डेट का रहेगा मिश्रण

नई दिल्ली। यस बैंक ने 16,000 करोड़ रुपए तक की राशि जुटाने का ऐलान किया है। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों का मिश्रण होगा। यह फैसला 3 जून को बैंक की बोर्ड की बैठक में लिया गया। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक बैंक 7,500 करोड़ रुपए तक की राशि इक्विटी इश्यू और 8,500 करोड़ तक की राशि डेट इंस्ट्रूमेंट्स के जरिये जुटाएगा। बैंक ने साफ कहा है कि कुल इक्विटी डाइल्यूशन 10 फीसदी से ज्यादा नहीं होगा। हालांकि बैंक ने फंड के इस्तेमाल को लेकर कोई विशेष जानकारी नहीं दी है, लेकिन इस तरह की पूंजी जुटाने की कवायद का उद्देश्य पूंजी पर्याप्तता सुधारना, भविष्य की वृद्धि को समर्थन देना और लेंडिंग क्षमता को बढ़ाना होता है। यह फंड रेजिंग जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन के साथ हुए अहम शेयर खरीद सौदे के बाद सामने आई है, जिसमें एसएमबीसी ने यस बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह हिस्सेदारी 8 मौजूदा शेयरधारकों से ली जा रही है। इनमें एसबीआई से 13.19 फीसदी और शेष सात अन्य बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा आदि से कुल मिलाकर 6.81 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। बता दें 13,480 करोड़ रुपए का यह सौदा भारत के फाइनेंशियल सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा क्रॉस-बॉर्डर मर्जर और एक्विजिशन सौदा माना जा रहा है। एसएमबीसी और एसबीआई के अधिकारों को संरक्षित रखने के लिए यस बैंक ने 9 मई 2025 को समझौते के तहत अपने आर्टिकल्स ऑफ़ एसोसिएशन में संशोधन को भी मंजूरी दी है। इसके तहत एसएमबीसी के लिए 10 फीसदी और एसबीआई के लिए 5 फीसदी की ओनरशिप सीमा पर यह अधिकार आधारित होंगे। फंड रेजिंग और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में संशोधन को अब शेयरधारकों की मंजूरी और आरबीआई समेत अन्य रेगुलेटरी मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। बैंक ने कहा है कि ये प्रस्ताव 'इनेबलिंग इन नेचर' हैं यानी बाजार की स्थितियों के मुताबिक लचीलापन बनाए रखने के लिए तैयार किया गया है। इस बीच एक दिन पहले बड़ी गिरावट के बाद बीएसई पर यस बैंक के शेयर बुधवार को 21.18 पर खुले। बाद में इसमें गिरावट आई।

एप्पल ने दी चेतावनी, आईफोन को करें आईओएस 18.5 में अपडेट

नई दिल्ली। एप्पल कंपनी ने आईफोन इस्तेमाल करने वालों को चेतावनी दी है। यह चेतावनी एप्पल ने हाल ही में अपने ऑपरेटिंग सिस्टम का नया अपडेट आईओएस 18.5 जारी किया है, साथ ही करोड़ों आईफोन यूजर्स को चेतावनी देते हुए उन्हें अपने डिवाइस को आईओएस 18.5 में तुरंत अपडेट करने की सलाह दी है। एप्पल का कहना है कि इस अपडेट के जरिए उसने आईफोन में पाई गई सुरक्षा खामियों को फिक्स किया है, जिनका फायदा उठाकर हैकर्स डिवाइस का कंट्रोल अपने हाथ में ले सकते थे। कंपनी के मुताबिक आईओएस 18.5 में आईफोन 16ई मॉडल के बेसबैंड एलिमेंट में पाई गई खामी को ठीक किया गया है। इस खामी का फायदा उठाकर हैकर्स नेटवर्क को अनस्टेबल कर सकते थे, जिससे यूजर्स की सुरक्षा को गंभीर खतरा था। इसके अलावा, कॉल हिस्ट्री सिस्टम, कोर ब्लूटूथ में पाई गई खामियां को भी ठीक किया गया है, जो ऐप्स को सेंसिटिव यूजर डेटा तक एक्सेस दे सकती थी। इसके साथ ही कंपनी ने ओरऑडियो और कोरमीडिया बग को भी फिक्स किया है जिससे तैयार की गई फाइल्स एक क्रेश का कारण बन सकते थे। साथ ही आईक्लाउड डॉक्यूमेंट शेयरिंग सिस्टम की कुछ कमियों को भी सुधारा गया है।

विनफास्ट की वीएफ7 इलेक्ट्रिक एसयूवी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ऑटोमोबाइल कंपनी विनफास्ट जल्द ही अपनी वीएफ7 इलेक्ट्रिक एसयूवी को लॉन्च करने जा रही है। हाल ही में मुंबई में वीएफ7 को एक फ्लैटबेड पर देखा गया है, जो इस मॉडल के जल्द लॉन्च होने का संकेत है। यह कार फेस्टिव सीजन के आसपास बाजार में आएगी, जो अगस्त में गणेश चतुर्थी से शुरू होगा। विनफास्ट वीएफ7 का मुकाबला भारत में मारुति, हुंडई, टाटा, महिंद्रा और एमजी जैसी बड़ी कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहनों से होगा। जनवरी 2025 में कंपनी के डिप्टी सीईओ अश्विन पाटिल ने बताया था कि वीएफ6 और वीएफ7 को भारतीय कंडीशंस के मुताबिक थोड़े बदलावों के साथ पेश किया जाएगा। ये मॉडल सीकेडी रूट के तहत भारत में लाए जाएंगे और तमिलनाडु के थूथुकुडी प्लांट में असेंबल होंगे। इस प्लांट की शुरुआती क्षमता सालाना 50,000 यूनिट की होगी, जिसे मांग के आधार पर बढ़ाकर 1.5 लाख यूनिट तक किया जा सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी बनी हुई है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 200 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,970.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 156.34 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,398.96 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 42,525.12 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,787.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत उछल कर 7,763.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 160.95 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,091.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 1,138.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत फिसल कर 3,888.99 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,671.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.44 प्रतिशत उछल कर 7,076.15 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जबरदस्त छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 2.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,767.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 446.60 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,573.53 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 314.51 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,761.32 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 143.75 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,656.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,376.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कई नई इलेक्ट्रिक और लग्जरी कारें लांच होगी जून माह में

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में चालू महीने में कई नई और शानदार कारें लॉन्च होंगी। देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए जून का महीना खास रहने वाला है। लांच होने वाली कारों में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) से लेकर इंजन आधारित (आईसीई) कारें शामिल हैं, जिनमें कुछ प्रीमियम और लग्जरी मॉडल भी हैं। अगर आप नई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो इस बार लॉन्च होने वाली गाड़ियों की यह लिस्ट आपके लिए जरूर मददगार साबित होगी। टाटा मोटर्स की टाटा हैरियर ईवी 3 जून को बाजार में आएगी। यह कार टाटा हैरियर के आईसीई मॉडल की तरह दिखेगी लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन के अनुरूप डिजाइन में बदलाव होंगे, जैसे चौड़ी लाइटबार, वर्टिकल हेडलाइट्स, क्लोज्ड ग्रिल और नया बंपर। इसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक होगी और कीमत लगभग 25 लाख रुपए के आस-पास हो सकती है। एमजी मोटर्स भी अपनी नई साइबरस्टर ईवी लॉन्च करने वाली है। यह दो-दरवाजों वाली स्पोर्ट्स कार है, जो 77केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 443 किलोमीटर तक की रेंज देती है। यह कार मात्र 3.2 सेकेंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी शुरुआती कीमत करीब 50 लाख रुपए होगी। एमजी एम9, एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एमपीवी, जून में आ रही है। इस कार में स्लिम एलईडी डीआरएल, वर्टिकल हेडलाइट्स और स्लाइडिंग डोर जैसी खूबियां होंगी। 90केडब्ल्यूएच बैटरी से लैस यह कार 430 किलोमीटर तक चल सकती है और इसकी कीमत लगभग 70 लाख रुपए होगी। इसी महीने मर्सिडीज एएमजी जीटी 63 और जीटी प्रो भी आएंगी, जिनकी कीमतें 3 से 3.5 करोड़ रुपए के बीच रहने की संभावना है। मर्सिडीज-बेंज जून में एएमजी जीटी 63 का स्पेशल एडिशन भी लॉन्च करेगी, जिसमें खास ऑरेंज पेंट और कस्टमाइज्ड इंटीरियर मिलेगा। इसकी कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपए हो सकती है।

स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर ट्रंप ने लगाया दोगुना टैक्स, हुआ लागू

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने आदेश दिया है जिसमें स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर टैरिफ को दोगुना कर 50 फीसदी कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी बुधवार से ही लागू हो गई है। यह कदम घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बूस्ट देने के लिए उठाया गया है। इसको लेकर ट्रंप प्रशासन ने पहले ही अपना रुख साफ कर दिया था। मार्च के बाद से इन मेटल्स पर यह दूसरी टैरिफ बढ़ोतरी है, जो ऑटोमोबाइल से लेकर डिब्बाबंद सामान तक की इंडस्ट्री में इनपुट पर असर डालती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि पहले जितना टैरिफ लगाया जा रहा था, वह घरेलू इंडस्ट्री को लॉन्ग टर्म वायबिलिटी के लिए जरुरी उत्पादन क्षमता और उपयोग दरों को हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था और न ही अनुमानित नेशनल डिफेंस जरूरतों को पूरा कर रहा था। आदेश में कहा गया है कि मौजूदा टैरिफ बढ़ाने से घरेलू उद्योगों को मजबूत समर्थन मिलेगा और स्टील, एल्यूमीनियम और संबंधित उत्पादों के आयात से पैदा हुए राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को कम करने या खत्म करने में मदद मिलेगी।

हालांकि, यूके से स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर टैरिफ मौजूदा 25 फीसदी के स्तर पर ही रहेगा, जिससे दोनों देशों को 9 जुलाई की समय सीमा तक नए लेवी या कोटा को अंतिम रूप देने के लिए समय मिल जाएगा। जबकि पिछले महीने स्टील पर व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए एक ढांचे पर सहमति हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों को अभी तक ब्रिटिश स्टील के लिए राहत की सीमा तय करनी है, और यह सौदा अभी तक लागू नहीं हुआ है। यूके के लिए छूट ब्रिटिश सरकार की ओर से यह पुष्टि करने के कुछ घंटों बाद आई कि दोनों देश टैरिफ राहत समझौते को तेजी से लागू करने पर सहमत हो गए हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक ने तोडे बिक्री के सभी रिकार्ड

बीते अप्रैल महीने में स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो का इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक बिक्री के अपने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ चुका है। अप्रैल 2025 में बजाज ऑटो ने इस मॉडल की 19,216 यूनिट्स बेचीं, जो कि पिछले साल अप्रैल 2024 के मुकाबले 8,095 यूनिट्स ज्यादा है। इस तरह इसे 72.79प्रतिशत की सालाना ग्रोथ मिली है। इसके साथ ही चेतक ईवी का कंपनी के घरेलू बिक्री में मार्केट शेयर बढ़कर 10.69प्रतिशत हो गया है, जिसका मतलब है कि हर 10 ग्राहकों में से लगभग 1 ग्राहक इसे खरीद रहा है। इस प्रदर्शन के कारण चेतक ने ओला को नंबर-1 की पोजीशन से पीछे छोड़ दिया है। चेतक की नई 35 सीरीज एक नए प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसमें 3.5 केडब्ल्यूएच की बड़ी अंडरफ्लोर बैटरी लगी है। इस बैटरी की खास प्लेसमेंट से स्कूटर का वजन और हैंडलिंग बेहतर हुई है और साथ ही अंडर-सीट 35 लीटर की स्टोरेज स्पेस भी मिली है, जहां हेलमेट समेत कई जरूरी सामान आसानी से रखा जा सकता है। नया बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम बेहतर परफॉर्मेंस और ऊर्जा दक्षता प्रदान करता है। कंपनी का दावा है कि चेतक ईवी सिंगल चार्ज में 125 किलोमीटर की रियल रेंज देती है, जबकि टैक्निकल रेंज 153 किलोमीटर बताई गई है।

एसआईएफ म्युचुअल फंड हाउस में एंट्री करने को तैयार

नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर दे रही ध्यान

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

फंड हाउस आने वाले महीनों में हाल में पेश स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) सेगमेंट में प्रवेश करने को तैयार है। कई फंड हाउस अपनी नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। वे पारंपरिक योजनाओं से अलग हटकर अपनी पेशकशों पर ध्यान देना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट में म्युचुअल फंड अधिकारियों का कहना है कि इक्विटी और हाइब्रिड श्रेणियों के बीच चयन तीन मुख्य कारकों पर केंद्रित है। निवेश दायरे में मौजूदा उत्पाद अंतराल, इस तरह के प्रस्तावों की बाजार में मांग और फंड हाउस के पास उपलब्ध संसाधन। इस तरह की शुरुआती एसआईएफ पेशकशें अगले माह की जा सकती हैं। दो परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों क्वांट और एडलवाइस ने एसआईएफ लाइसेंस हासिल किए हैं। एडलवाइस 'एल्टिवा एसआईएफ' ब्रांड के तहत अपना एसआईएफ व्यवसाय चालू करेगी। कई अन्य एएमसी ने भी सेबी के पास एसआईएफ लाइसेंस के लिए आवेदन किया है या फिर वे इसकी तैयारी कर रहे हैं। उत्पाद के मोर्चे पर, एडलवाइस और ऐक्सिस ने हाइब्रिड रणनीतियों को चुना है, जबकि क्वांट और एसबीआई इक्विटी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उद्योग सूत्रों के मुताबिक कम से कम तीन अन्य फंड हाउस कथित तौर पर इक्विटी या हाइब्रिड फंड लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। मौजूदा एसआईएफ नियम सात एसआईएफ उत्पादों तक की अनुमति देते हैं। इक्विटी, हाइब्रिड और डेट श्रेणियों में दो-दो। उदाहरण के लिए एडलवाइस एएमसी ने अपनी पहली पेशकश के लिए हाइब्रिड ढांचे को अपनाया है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से गैर-टैरिफ बाधाओं पर कार्रवाई करने का आग्रह किया

पेरिस, 04 जून (एजेंसियां) ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत ने गैर-टैरिफ बाधाओं पर अंकुश लगाने, गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं के कारण होने वाली व्यापार विकृतियों को दूर करने तथा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में एक मजबूत विवाद निपटान तंत्र को बहाल करने के लिए कार्रवाई का आह्वान किया है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने फ्रांस के पेरिस में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) की मंत्रिस्तरीय परिषद की बैठक में विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात कही। गोयल ने विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ बहुपक्षीय व्यापार सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। गोयल ने डब्ल्यूटीओ में वर्तमान सर्वसम्मति-आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करने, कम विकसित देशों और विकासशील देशों को दिए जाने वाले विशेष और विभेदकारी व्यवहार तथा उन मुद्दों पर पुन: ध्यान केंद्रित करने की वकालत की, जिन्हें पिछली मंत्रिस्तरीय बैठकों में पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है और अधिदेशित किया जा चुका है।

गोयल ने डब्ल्यूटीओ के व्यापार मंत्रियों के साथ बहुपक्षीय व्यापार चिंताओं पर चर्चा की

केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, फ्रांस और नाइजीरिया सहित विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों के लगभग 25 मंत्रियों की बैठक में की। बैठक में विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला ने भी भाग लिया। बैठक में डब्ल्यूटीओ और बहुपक्षीय व्यापार से संबंधित कई मुद्दों पर बहुत अच्छी चर्चा हुई। इससे पहले ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा के साथ एक सार्थक बैठक हुई। भारत-ब्राजील आर्थिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने और प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने इसके अलावा पेरिस में इजरायल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री के साथ बैठक की। पीयूष गोयल ने इस मुलाकात के बारे में लिखा है निर बरकत के साथ शानदार बैठक हुई। हमारी चर्चा हमारे व्यापार क्षेत्र में विविधता लाने, नवाचार को बढ़ावा देने और उच्च तकनीक तथा उभरते क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित रही, जिससे हमारी साझेदारी के अगले चरण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

गंगा दशहरा पर मिलेगा हस्त नक्षत्र, सिद्धि योग और रवि योग का फल

गंगा दशहरा आज मनाया जाएगा

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए भवसागर से पार लगाने वाली गंगा नदी बहुत महत्व रखती है। पुराणों के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को हस्त नक्षत्र में गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। भगवान विष्णु के अंगूठे से निकली गंगा मैया के धरती लोक पर आने का पर्व गंगा दशहरा इस साल 5 जून को मनाया जाएगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ज्येष्ठ महीने के शुक्लपक्ष के दसवें दिन यानी दशमी तिथि को धरती पर गंगा प्रकट हुई थीं। इसलिए इस दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस साल ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 4 जून की रात को 11: 54 मिनट से होगा और इसका समापन 6 जून की रात को 2:15 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, गंगा दशहरा 5 जून को ही मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 9:14 मिनट तक सिद्धि रहेगा। इसके साथ ही रवि योग और हस्त नक्षत्र भी रहेंगे। हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन विधि- विधान से मां गंगा की पूजा- अर्चना की जाती है।

भागीरथ अपने पूर्वजों की आत्मा का उद्धार करने के लिए माँ गंगा को धरती पर लाए थे, इसी कारण गंगाजी को भागीरथी भी कहा जाता है। मान्यता है कि गंगा मैया मन, वाणी और शरीर द्वारा होने वाले दस प्रकार के पापों का हरण करती हैं। ऐसा कहा जाता है कि आज के दिन गंगा स्नान से कई यज्ञ करने के बराबर पुण्य प्राप्त होते हैं, इस दिन दान का भी विशेष महत्व है। इस दिन शर्बत, पानी, मटका, पंखा, खरबूजा, आम. चीनी आदि चीजें दान की जाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि व्यक्ति इस दिन जिस भी चीज का दान करते हैं वो संख्या में 10 होनी चाहिए।

स्कन्द पुराण के अनुसार गंगाजी की महिमा का गुणगान करते हुए भगवान शिव श्री विष्णु से कहते हैं–हे हरि ! ब्राह्मण के श्राप से भारी दुर्गति में पड़े हुए जीवों को गंगा के सिवा दूसरा कौन स्वर्गलोक में पहुंचा सकता है, क्यों कि माँ गंगा शुद्ध, विद्यास्वरूपा, इच्छाज्ञान, एवं क्रियारूप, दैहिक,दैविक तथा भौतिक तापों को शमन करने वाली,धर्म,अर्थ,काम एवं मोक्ष चारों पुरूषार्थों को देने वाली शक्ति स्वरूपा हैं। इसलिए इन आनंदमयी, धर्मस्वरूपणी, जगत्धात्री, ब्रह्मस्वरूपणी गंगा को मैं अखिल विश्व की रक्षा करने के लिए लीलापूर्वक अपने मस्तक पर धारण करता हूँ। हे विष्णो! जो गंगाजी का सेवन करता है,उसने सब तीर्थों में स्नान कर लिया,सब यज्ञों की दीक्षा ले ली और सम्पूर्ण व्रतों का अनुष्ठान पूरा कर लिया।

कलियुग में काम, क्रोध, मद, लोभ, मत्सर, ईर्ष्या आदि अनेकों विकारों का समूल नाश करने में गंगा के समान और कोई नहीं है। विधिहीन, धर्महीन, आ-चरणहीन मनुष्यों को भी यदि माँ गंगा का सानिध्य मिल जाए तो वे भी मोह एवं अज्ञान के संसार सागर से पार हो जाते हैं। जैसे मन्त्रों में ॐ कार,धर्मों में अहिंसा और कमनीय वस्तुओं में लक्ष्मी श्रेष्ठ हैं और जिस प्रकार विद्याओं में आत्मविद्या और स्त्रियों में गौरीदेवी उत्तम हैं,उसी प्रकार सम्पूर्ण तीर्थों में गंगा तीर्थ विशेष माना गया है। मान्यता है कि गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान और दान करने से कई महायज्ञों के फल के बराबर फल की प्राप्ति होती है एवं पाप कर्मों का नाश होता है और व्यक्ति को मरणोपरांत मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गंगा दशहरा 5 जून को मनाया जाएगा। दरअसल दशमी तिथि का आरंभ 4 जून की रात को 11:54 मिनट से होगा और इसका समापन 6 जून की रात को 2:15 मिनट पर होगा। इस तरह गंगा दशहरा उदया तिथि की मान्यता के अनुसार 5 जून को मनाया जाएगा।

गंगा दशहरा शुभ योग

गंगा दशहरा पर सुबह 9:14 मिनट तक सिद्धि रहेगा। इसके साथ ही रवि योग और हस्त नक्षत्र भी रहेंगे। इसके बाद तैतिल करण दोपहर 1:02 मिनट तक रहेगा। इसके बाद गर करण योग देर रात 2:15 मिनट तक रहेगा। पंचांग के अनुसार इन शुभ योगों में स्नान और दान करना अच्छा माना जाता है। इससे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। इस दिन गंगा नदी में स्नान का बहुत अधिक महत्व होता है, लेकिन इस बार कोरोना वायरस की वजह से घर में रहकर ही स्नान करें। नहाने के पानी में गंगा जल डाल लें और मां गंगा का ध्यान कर स्नान कर लें। घर के मंदिर में गंगा जल का छिड़काव करें। घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित करें। सभी देवी- देवताओं का गंगा जल से अभिषेक करें। इस दिन भगवान शंकर की अराधाना करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। मां गंगा का अधिक से अधिक ध्यान करें। अगर संभव हो तो इस दिन व्रत भी रखें। घर में रहकर ही मां गंगा की आरती करें। मां गंगा का आवाहन करें और उन्हें भोग लगाएं। इस बात का ध्यान रखें कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का भोग लगाया जाता है।

गंगा दशहरा का महत्व

गंगा दशहरा का बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन मां गंगा की पूजा- अर्चना करने से सभी तरह के पापों से मुक्ति मिल जाती है। मां गंगा की कृपा से सभी तरह के दोष दूर हो जाते हैं। गंगा दशहरा के दिन मां गंगा की पूजा- अर्चना करने से मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है।

दर्शन, स्मरण और स्पर्श से पापमुक्ति

शास्त्र कहते हैं–'गंगे तव दर्शनात मुक्तिः' अर्थात निष्कपट भाव से गंगाजी के दर्शन मात्र से मनुष्यों को कष्टों से मुक्ति मिलती है। और वहीं गंगाजल के स्पर्श से स्वर्ग की प्राप्ति होती है एवं दूर से भी श्रद्धा पूर्वक इनका स्मरण करने से मनुष्य को अनेक प्रकार के संतापों से छुटकारा मिलता है। पाठ, यज्ञ, मंत्र, होम और देवार्चन आदि समस्त शुभ कर्मों से भी जीव को वह गति नहीं मिलती,जो गंगाजल के सेवन से प्राप्त होती है।

इस दिन गंगा में स्नान और दान करने का है खास महत्व

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस तिथि पर माता गंगा धरती पर अवतरित हुई थीं। ऐसे में हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का बहुत खास महत्व होता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गंगा में स्नान और दान करने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल सकती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। लेकिन शास्त्रों में गंगा स्नान के कुछ महत्वपूर्ण नियम भी बनाए गए हैं, जिनका ध्यान न रखने से आपके सिर पुण्य की जगह पाप चढ़ सकता है। शास्त्रों में महिलाओं के लिए एक खास नियम का वर्णन भी मिलता है। लेकिन यह गलती अक्सर महिलाएं गंगा स्नान के समय करती हैं, जिससे आपको अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

गंगा स्नान से पहले जरूर करें ये काम

गंगा दशहरा पर गंगा स्नान के समय कुछ नियमों का ख्याल रखने से जातक को पूर्ण फल प्राप्त होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि पवित्र नदी गंगा में प्रवेश करने से पहले व्यक्ति को माता गंगा को प्रणाम करना चाहिए और उनसे जल के भीतर पांव रखने के लिए भी क्षमा मांगनी चाहिए।

इसके बाद, मईया गंगा के आशीर्वाद के साथ गंगा नदी में प्रवेश करना चाहिए। इसके बाद, गंगा में डुबकी लगाना सबसे शुभ माना जाता है। इससे व्यक्ति को माता गंगा का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में हमेशा सुख–समृद्धि बनी रहती है।

गंगा में कितनी डुबकी लगाएं

कई बार लोग गंगा स्नान करते समय अपने मन से कितनी भी डुबकी लगा लेती हैं। लेकिन ऐसी गलती बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए। शास्त्रों में गंगा में डुबकी लगाने की संख्या का वर्णन भी किया गया है। अगर आप शुभ संख्या में गंगा में डुबकी लगाते हैं, तो इससे अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसके लिए आप गंगा में कम से कम 5 या 7 बार डुबकी लगा सकते हैं। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक गंगा दशहरा के दिन गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल सकती है और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, गंगा में विधि–विधान से डुबकी लगाने से जातक की मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं।

गंगा स्नान के समय महिलाएं न करें यह भूल

गंगा दशहरा के दिन पुरुष और महिलाएं गंगा स्नान करके पुण्य फल प्राप्त करते हैं। लेकिन इस दौरान अगर महिलाओं द्वारा एक भूल हो जाए, तो इससे पुण्य की बजाए आपको पाप लग सकता है और माता गंगा भी रुष्ट हो सकती हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि महिलाओं को गंगा स्नान के समय अपने बालों को बांधकर रखना चाहिए। खुले बालों के साथ गंगा में डुबकी लगाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा करने से आपको स्नान का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होगा और जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

गंगा स्नान के समय न उतारें वस्त्र

आपने कई लोगों को देखा होगा की वे गंगा में प्रवेश करने से पहले अपने वस्त्र को उतारकर रख देते हैं और फिर, नदी में प्रवेश करते हैं। शास्त्रों में इसे बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, किसी भी पुरुष या स्त्री को वस्त्र धारण करके ही गंगा में डुबकी लगानी चाहिए। बिना वस्त्र के स्नान करने से पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है और इसे भगवान का अपमान माना जाता है। इसी को लेकर भगवान कृष्ण ने विश्व को संदेश देने के लिए यमुना नदी के किनारे चीर हरण की लीला भी रची थी। श्रीकृष्ण के मुताबिक गंगा स्नान बिना वस्त्र धारण किए करना बिल्कुल भी उचित नहीं होता है।

गंगा में स्नान के बाद न करें यह काम

अगर आप गंगा स्नान करने के बाद अपने गंदे वस्त्र के जल को वहीं निचोड़ते हैं, तो ऐसी गलती बिल्कुल भी न करें। शास्त्रों में ऐसा करना वर्जित माना गया है। ऐसा करने से आपको अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और आप गंगा स्नान के फल से वंचित रह सकते हैं। ऐसे में गंगा स्नान के बाद अपने वस्त्रों को घर लेकर आना चाहिए और उन्हें पवित्र जल से साफ कर लेना चाहिए। इस प्रकार गंगा स्नान के बाद वस्त्रों का इस्तेमाल करना शुभ माना जाता है। इससे जीवन में खुशहाली आती है और गंगा स्नान का भी पूर्ण फल प्राप्त होता है।

गंगा स्नान के समय जरूर करें ये काम

गंगा दशहरा के दिन गंगा में स्नान करने के साथ–साथ फूल, अक्षत, दूध आदि गंगा नदी में जरूर अर्पित करना चाहिए। साथ ही, दोनों हाथ जोड़कर माता गंगा से जीवन में सुख–समृद्धि की प्रार्थना करनी चाहिए और उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। इस प्रकार गंगा दशहरा के दिन गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति को जीवन के समस्त दुखों से निजात मिल सकती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं।

इन राशियों पर बरसेगी भगवान शिव की कृपा

गंगा दशहरा पर हर मनोकामना होगी पूरी

हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस साल गुरुवार 05 जून को गंगा दशहरा मनाया जाएगा। यह पर्व निर्जला एकादशी के एक दिन पहले मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। इसके बाद देवी मां गंगा और देवों के देव महादेव की पूजा की जाती है।

धार्मिक मत है कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा स्नान करने से व्यक्ति द्वारा जन्म–जन्मांतर में किए गए पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही मां गंगा की कृपा से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिषियों की मानें तो गंगा दशहरा के दिन दो राशि के जातकों पर महादेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

सिंह राशि –गंगा दशहरा के दिन सिंह राशि के जातकों को कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। धार्मिक यात्रा के योग भी बन रहे हैं। कारोबार को लेकर कोई अहम फैसला ले सकते हैं। मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी। सरकारी मामले में आप रिसर्च कर सकते हैं। इससे आपको लाभ मिलेगा। गंगा दशहरा के दिन आपको किसी विशेष काम में सफलता मिल सकती है। कारोबार के माध्यम से भी आपको लाभ

मिल सकता है। ऐसा हो सकता है कि आप नया व्यापार करने की सोच सकते हैं। गंगा दशहरा के दिन सफेद चीजों का दान करें। आप चावल, आटा, नमक, आलू, चीनी आदि चीजों का दान करें।

वृश्चिक राशि – गंगा दशहरा के दिन कोई खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। दान–पुण्य करने का अवसर प्राप्त होगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। पड़ोसियों के साथ रिश्ते मधुर होंगे। धन–धान्य में बढ़ोतरी होगी। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। धन बचत करने की प्लानिंग कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से गंगा दशहरा का दिन शुभ रहेगा। भगवान शिव की कृपा से मनचाही मुराद पूरी होगी। परिवार वालों के साथ धार्मिक यात्रा पर जाएंगे। अपनी सेहत का ख्याल रखें। गंगा दशहरा के दिन स्नान–ध्यान के बाद गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करें। इसके बाद आर्थिक स्थिति अनुसार अन्न और धन का दान करें।

गंगा दशहरा : बाबा गंगाराम मंदिर स्थापना दिवस

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगतराम जी का पवन धाम, श्री पंचदेव मंदिर राजस्थान के झुंझुनू नगर में स्तिथ है, जिस स्थापना 1975 में गंगा दशहरा के दिन में हुई थी

इस देवस्थान का निर्माण बाबा के परम आराधक भक्त शिरोमणि श्री देवकीनन्दन जी ने बाबा गंगतराम जी के स्वप्नादेश के पश्चात् कराया था। तत्कालीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ पुरी के सान्निध्य में गंगादशहरा (ज्येष्ठ शुक्ल दशमी) वि.स. 2032 (सन् 1975) के पावन दिन मंदिर का प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण वैदिक विधि से सम्पन्न हुआ था।

अभीष्ट फलदाता सत्यनारायण स्वरुप बाबा की प्रतिमा के दर्शन होते ही कदम स्वयं ही गर्भगृह की ओर बढ़ने लगते है एवं मंदिर में दर्शन की लालसा लेकर जाने वाला श्रद्धालू भाव–विभोर होकर नतमस्तक हो जाता है। मुख्य गर्भगृह के बाई ओर निर्मित दो अलग- अलग गर्भगृहों में मां दुर्गा व आंजनेय हनुमान की विशाल प्रतिमाएं स्थापित है। इसी प्रकार दाहिनी ओर पद्मासन पर धन की दात्री देवी लक्ष्मी की प्रतिमा है एवं अन्य गर्भगृह में त्रिदेवों के देव भगवान शंकर का लिंग स्थापित है, जिसके साथ ही मां पार्वती, गणेश एवं कार्तिकेय आदि शिव परिवार की मूर्तियाँ है। सभी देव प्रतिमाएं सफेद संगमरमर से निर्मित है एवं कला की उत्कृष्ट कृत्तियां है। इस प्रकार इन पाँच देव मंदिरों के कारण ही इस मंदिर का नाम 'पंचदेव मंदिर' पड़ा। आज यही नाम सर्वाधिक लोकप्रिय एवं प्रचलित है।

मंदिर में नियमित रूप से सात आरतियाँ होती है। मंदिर सभागार के ऊपर दक्षिण भारतीय शैली में गोपुरम बना हुआ है, जिसमें भगवान विष्णु की विशाल प्रतिमा गरूड़ पर विराजमान है। दोनों ओर भगवान के पार्षद जय–विजय की मूर्तियाँ है। भगवान के आयुध शंख और चक्र मूर्तिरुप में दायें–बायें उपस्थित है। मंदिर की बाहरी दीवारों

पर बनाये गये भित्तिचित्र बाबा की लीलाओं को प्रदर्शित करते हैं। इस विशाल मंदिर का कलात्मक शिल्प, मनोहारी दृश्य एवं आध्यात्मिक वातावरण ब्रह्मानंद की अनुभूति कराता है।

इस देवस्थान के प्रति लोगों की श्रद्धा दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश के कोने- कोने से भक्तगण बाबा के दरबार में आते है और अपनी श्रद्धा व भक्ति से बाबा की आराधना करते हैं। यह भक्तों की श्रद्धा व विश्वास का ही फल है कि उनकी सभी मनोकामनायें बाबा के दरबार में अवश्य पूरी होती है। प्रथम तो बाबा की चित्ताकर्षक प्रतिमा के दर्शन से ही श्रद्धालुओं के सारे आन्तरिक क्लेष स्वतः ही नष्ट हो जाते है एवं जो दिव्यानुभूति होती है, उससे जीवन में नई शक्ति का संचार होता है। यह सब स्वयं अनुभव करके ही जाना जा सकता है।

इस वर्ष मंदिर को बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर को बने 50 वर्ष पूरे हो गए है जिसे देश भर में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों तथा भजन संध्या के माध्यम से स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अप्रैल माह में पंचदेव मंदिर, झुंझुनू में तीन दिवसीय भव्य समारोह आयोजित किया था जिस में विशाल शोभा यात्रा, सामूहिक अमृतवाणी पाठ, अनूप जलोटा द्वारा विशाल भजन संध्या, नितीश भर्ती द्वारा सैंड आर्ट, तथा गंगा आरती का आयोजन किया गया था। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर हर साल की भांति आज भी झुंझुनू में बाबा गंगाराम धाम – श्री पंचदेव मंदिर में मेला भरेगा है और गंगा दशहरा का पवन पर्व बड़ी ही धूम धाम से मनाया जायेगा, जिस में देश विदेश से आये बाबा के सैकड़ो भक्त सम्मलित हो कर बाबा के दर्शन कर अपना जीवन धन्य बनायेगे। इस अवसर पर सुबह बाबा गंगाराम जी का संगीतमय अमृतवाणी पाठ किया जाता है तथा शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन तथा सभी भक्तो के लिए महा प्रसाद की वयवस्था की जाती है।

हीरो की नाक में दम करने वाले वो 5 खूंखार विलेन जो आज जिंदा होते तो मचा देते कोहराम!

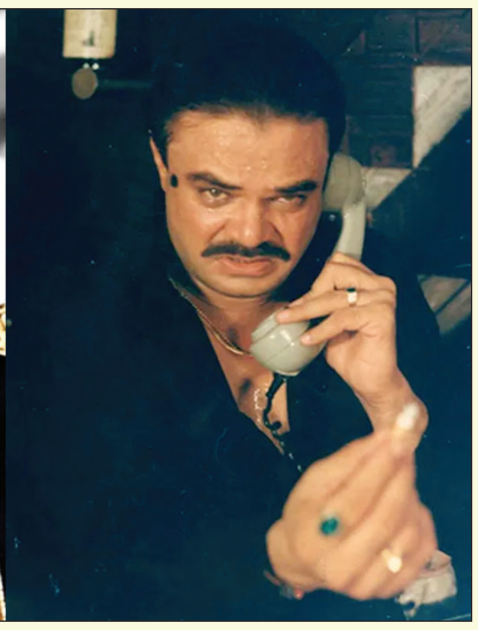

बड़े परदे पर विलेन की भूमिका निभाने वाले कई एक्टर्स ने अपनी दमदार अदाकारी से हीरो को भी कड़ी टक्कर दी। उन्होंने अपने बेमिसाल टैलेंट से किरदारों को हमेशा के लिए यादगार बना दिया। बॉलीवुड को आज भी ऐसे खूंखार विलेन्स की कमी खलती है, जिनकी मौजूदगी से ही फिल्म में एक अलग रोमांच भर जाता था।

फिल्मों में हीरो की जीत का मजा तभी आता है, जब उसे टक्कर देने वाला विलेन वाकई में खूंखार हो। पुरानी हिंदी फिल्मों में कुछ ऐसे विलेन देखने को मिलते थे, जिन्हें देखते ही दर्शकों के दिलों में खौफ भर जाता था। अपनी दमदार अदाकारी से लोगों को डराने वाले ये दिग्गज एक्टर अगर आज भी हमारे बीच होते, तो शायद फिल्मों की कहानी कहने का अंदाज ही बदल जाता। आइए जानते हैं हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के उन 5 बेमिसाल खलनायकों को, जिनकी कमी आज भी महसूस होती है।

अमरीश पुरी: 'मोगैंबो खुश हुआ!' कहने वाला वो खौफनाक चेहरा

जब भी बॉलीवुड के सबसे बड़े विलेन की बात आती है, तब अमरीश पुरी का नाम हमेशा सबसे ऊपर रहता है। उनकी दमदार आवाज, रौबदार आंखें और उनके डायलॉग बोलने के अंदाज ने उन्हें अमर बना दिया। अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म 'मिस्टर इंडिया' में उनके 'मोगैंबो' के किरदार ने सभी को डरने पर मजबूर कर दिया। 'नायक' में क्रूर मुख्यमंत्री से लेकर 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में सख्त बाबूजी तक, उन्होंने हर किरदार में अपनी छाप छोड़ी। अगर अमरीश पुरी आज होते, तो उनकी दहाड़ से थिएटर्स में वाकई 'कोहराम' मच जाता।

सदाशिव अमरापुरकर: 'महारानी' का वो दिल दहला देने वाला अंदाज

एक्टर सदाशिव अमरापुरकर ने विलेन के किरदार में एक अलग ही पहचान बनाई। महेश भट्ट की फिल्म 'सड़क' में उनका 'महारानी' का रोल आज भी रोंगटे खड़े कर देता है। एक किन्नर के इस खूंखार किरदार में उन्होंने जो गहराई दिखाई, वो दर्शक कभी भूल नहीं सकते। उनके चेहरे के हाव-भाव और आवाज में एक अजीब सा डर था, जो दर्शकों को बांधे रखता था। भले ही उन्होंने कई कॉमेडी रोल भी किए, लेकिन विलेन के रूप में उनकी पहचान और खौफ दर्शकों के दिलों में आज भी जिंदा है।

अमजद खान: 'कितने आदमी थे?' – 'गब्बर सिंह' का कहर

'शोले' के 'गब्बर सिंह' का किरदार निभाकर अमजद खान भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमर हो गए। उनका 'कितने आदमी थे?' डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर है। गब्बर का वो खतरनाक रोल उन्होंने इतने बेहतरीन तरीके से निभाया कि असली डकैत भी उनके सामने फीके लगते थे। अमजद खान ने अपने करियर में 130 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें से कई में उन्होंने विलेन का किरदार निभाया। उनका कद, आवाज और हाव-भाव उन्हें एक खूंखार विलेन बनाते थे।

महावीर शाह: शांत चेहरे के पीछे का विलेन

महावीर शाह ने कई फिल्मों में सहायक अभिनेता और विलेन के रूप में काम किया। उनका चेहरा अक्सर शांत दिखता था, लेकिन जब वो विलेन के किरदार में आते थे तो उनका रूप पूरी तरह से बदल जाता था।

उन्होंने अक्सर पुलिस अधिकारी, वकील या भ्रष्ट अधिकारी के किरदार निभाए, जिनमें नेगेटिविटी की गहरी परतें होती थीं। भले ही उन्हें अमरीश पुरी या अमजद खान जितनी प्रसिद्धि नहीं मिली, लेकिन उनकी भूमिकाएं हमेशा प्रभावी और यादगार होती थीं।

गेविन पैकर्ड: बॉडीबिल्डर विलेन

गेविन पैकर्ड अपनी शानदार कद-काठी और मजबूत बॉडी के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 90 के दशक की कई एक्शन फिल्मों में विलेन का काम किया। उनकी शारीरिक बनावट ही उन्हें खूंखार बनाती थी और उनके एक्शन सीक्वेंस में एक अलग ही दम होता था। 'सड़क', 'मोहरा', 'तड़ीपार' और 'चमत्कार' जैसी फिल्मों में उन्होंने अपना कमाल दिखाया। अगर आज वे जिंदा होते, तो एक्शन फिल्मों में उनकी डिमांड बहुत ज्यादा होती।

कैंसर से जूझ रहीं हिना खान ने बॉयफ्रेंड रॉकी संग रचाई गुपचुप शादी

हम हमेशा के लिए एक हो गए

ये रिश्ता क्या कहलाता है की अक्षरा यानी एक्ट्रेस हिना खान हमेशा ही सुर्खियों में रहती हैं। वो कैंसर से जंग लड़ रही हैं, इसी बीच हिना के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। एक्ट्रेस ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल से शादी कर ली है। हिना और रॉकी ने काफी गुपचुप तरीके से शादी की। अब उन्होंने फैंस के लिए अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं।

एक्ट्रेस हिना खान ने शादी कर ली है। हिना कैंसर से जंग लड़ रही हैं, इसी बीच उन्होंने फैंस के लिए एक चौंकाने वाली खबर शेयर की। हिना ने अपने बॉयफ्रेंड रॉकी संग सात फेरे लिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। फैंस हिना और रॉकी की तस्वीरों पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। क्ट्रेस हिना खान ने अपनी शादी की तस्वीरों के साथ बेहद खूबसूरत कैप्शन भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने लिखा दो अलग जहानों को जोड़कर हमने एक दुनिया बना ली है। हमने अपने सारे गिले-शिकवों को मिटाकर एक ऐसा रिश्ता बना लिया है जो जीवन भर के लिए है। हम एक दूसरे की दुनिया हैं और आज से हम एक दूसरे के हो गए हैं। हिना और रॉकी की तस्वीरों पर फैंस अलग-अलग तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपनी शादी की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में हिना और रॉकी बहुत प्यारे लग रहे हैं। हिना और रॉकी ने बहुत सादे तरीके से शादी की। उन्होंने अपने ब्राइडल लुक को भी सटल रखा। हिना ने ओपल ग्रीन कलर की साड़ी पहनी है, जिसके साथ उन्होंने सिल्वर कलर की चुन्नी पेयर की। उन्होंने इसके साथ बहुत ही खूबसूरत और सिम्पल तरीके की ज्वैलरी भी पहनी है। हिना की साड़ी को मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया है। वहीं हिना के दूल्हे राजा रॉकी ने भी ऑक वाइट शेरवानी पहनी है।

आदिपुरुष की विफलता के बाद प्रभास का बड़ा कदम

फिल्म द राजा साब के

साउथ सुपरस्टार प्रभास अब इंटरनेशनल स्
चुके हैं। एक्टर ने बाहुबली फिल्म के
ही साउथ सिनेमा की भी तकदीर बदल दी। उ
फिल्म को दुनियाभर में पसंद किया गया।
फिल्म के बाद से प्रभास की पॉपुलैरिटी इतनी ते
से बढ़ी कि एक्टर ने अपनी फीस भी बढ़ा दी
लेकिन आदिपुरुष फिल्म की विफलता के बा
अब एक्टर फिर से एक बार अपना अप्रो
बदलते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें त
फिल्म के लिए प्रभास ने अपनी फीस काफी घ
दी है। आइये जानते हैं कि राजा साब फिल्म
लिए प्रभास कितना चार्ज कर सकते हैं।

प्रभास की फिल्म बाहुबली और बाहुबली
का सफलता के बाद ऐसा जलवा दिखा कि ए
ने खुद भी इस मौके को भुनाने की कोशिश की
उन्होंने अपनी फीस ऐसी रख ली जितनी भ
सिनेमा के इतिहास में किसी ने नहीं ली थी।
आदिपुरुष फिल्म के लिए 150 करोड़ रुपए च
लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से
फिल्म अच्छा कलेक्शन नहीं कर सकी और इ
मेकर्स को उठाना पड़ा। इस फिल्म के बाद स
लगा था कि प्रभास अपनी फीस के बारे में
कर सकते हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो द राजा
अपनी फीस 50 करोड़ रुपए घटा दी है। फिल
रुपए चार्ज कर सकते हैं।पहले द राजा साब फि
लिए तैयार थी। लेकिन पोस्ट प्रोडक्शन पूरा
रिलीज डेट को आगे के लिए शिफ्ट कर दिया
की रिलीज के लिए दिसंबर तक का इंतजार क

48 की उम्र में फिटनेस से मल्लिका शेरावत ने उड़ाए सबके होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत की फिटनेस का कोई जवाब नहीं है। एक्ट्रेस 48 साल की उम्र में भी फिटनेस और ग्लैमर से सबको हैरान कर देती हैं। साल 2003 में एक्टिंग डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस का अब भी जलवा बरकरार है। आइए एक्ट्रेस की फिटनेस देखते हैं, जिससे सब पर भारी पड़ती हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने अपनी फिल्मों से फैन्स को खूब एंटरटेन किया है। साल 2003 में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाली मल्लिका का जादू अब भी लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। 48 साल की उम्र में फिल्म नहीं, बल्कि अपनी फिटनेस से हर किसी का ध्यान खींच रही हैं। मल्लिका शेरावत ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया था। जिसके बाद से ही वो चर्चा में है। बॉबी देओल के गाने पर उन्होंने अपनी फिट एंड टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट की है। आखिरी बार एक्ट्रेस को राजकुमार राव की फिल्म 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था। 48 साल की यह एक्ट्रेस अपनी फिटनेस के लिए प्रॉपर डाइट फॉलो करती हैं। साथ ही घंटों जिम में बिताती हैं। उन्होंने फैन्स के लिए अपना फिटनेस रूटीन शेयर किया था। योग, स्ट्रेचिंग, कार्डियो के अलावा स्ट्रेंथ एक्साइसाइज पर ही एक्ट्रेस का फोकस रहता है। मल्लिका शेरावत अक्सर स्विमिंग करती दिखाई देती हैं। दरअसल यह भी उनका खुद को फिट रखने का एक तरीका है। हालांकि, अब एक्ट्रेस के पास उतने फिल्मों के ऑफर नहीं आते। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए अपने पल-पल की अपडेट फैन्स के साथ शेयर करती है। अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ाती हैं।

एक्ट्रेस सिर्फ एक वीडियो से रातों-रात लाइमलाइट में आ गईं। एक्ट्रेस के नए वीडियो को 41.3 मिलियन व्यूज मिले हैं। हालांकि, मल्लिका को इंस्टाग्राम पर 2.8 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। यूं तो एक्ट्रेस अपनी पहली फिल्म से ही चर्चा में रही हैं। जब उन्होंने 17 किसिंग सीन्स देकर सबके होश उड़ा दिए थे। हालांकि, यह सुनकर आप हैरान रह जाएंगे, पर एक्ट्रेस ने 22 साल के करियर में सिर्फ 2 हिट फिल्में दी हैं। पहली- मर्डर और दूसरी- वेलकम। शायद यही वजह है कि वो अब कुछ हटकर रोल करना चाहती हैं। जिस फिल्म में वो आखिरी बार दिखी थीं, उस किरदार में कुछ फन मोमेंट भी जोड़े गए थे। मल्लिका शेरावत को एक्टिंग में आने के लिए घर छोड़ना पड़ा था। दरअसल उनके पिता आईएएस बनाना चाहते थे। लेकिन जब ऐसा नहीं हो पाया, तो उन्हें घर से बाहर निकाल दिया गया था। हालांकि, एक्ट्रेस ने अपनी मां का सरनेम शेरावत अपनाकर पहचान हासिल की। फिल्मों से न सही, लेकिन आज भी लोगों के दिलों में खास जगह बनाई हुई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांच को नियंत्रित रखने की ज़रूरत है। नौकरी-पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज अपने जीवनसाथी का व्यहवार उतना अच्छा नहीं होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप जो शारीरिक बदलाव आज करेंगे, वे निश्चित तौर पर आपके रूप-रंग को आकर्षक बनाएगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है । लोग आपको अपने बढ़िया काम के लिए कार्यक्षेत्र में पहचानेंगे। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपको ऐसी परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धिलाएँ। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। लगता है कि आपके वरिष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने कें मुश्किल आएगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहे। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के आस-पास सैर-सपाटे की योजना बनाएँ। इससे बच्चों और परिवार के सदस्यों को ज़रूरी ताज़गी मिलेगी। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। कोई आपका बेजा फ़ायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप ख़ुद से ही नाराज़ हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़ुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज़ दिमाग़ से नवाज़ा है- इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। काम के दबाव के चलते मानसिक उथल-पुथल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 जून 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 02:18 तक
नक्षत्र : हस्त अहोरात्र
योग : सिद्धि प्रातः 09:12 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:05 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री गंगा दशहरा , श्री बटुक भैरव जयंती , श्री राम शर्मा पुण्य

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर

आज से 20 जून तक चलेगा 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान

जयपुर, 04 जून (एजेंसियां)। विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारणवश राजस्थान के कई क्षेत्रों में जल की कमी की समस्या बनी रहती है। भूजल स्तर के तेजी से घटने के साथ ही जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। इस पानी की कमी को दूर करने के लिए जल संरक्षण अतिआवश्यक है, जिसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की महत्वपूर्ण पहल की है। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा (5 जून) के शुभ संयोग पर शुरू होने जा रहे इस अभियान के अंतर्गत 20 जून तक विभिन्न विभागों द्वारा प्रदेशभर में जल संरक्षण के व्यापक कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। इन कार्यों के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण की महत्ता के प्रति जागरूक किया जाएगा, जिससे यह अभियान जन आंदोलन बन सकेगा। इस अभियान के सफल संचालन के लिए प्रदेश के 41 जिलों में मंत्रिगणों को नियोजित किया गया है।

अभियान के पहले दिन 5 जून को प्रदेशभर में विभिन्न विभागों द्वारा नर्सरियों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, तुलसी पौध वितरण, प्लास्टिक का उपयोग कम करने की शपथ, श्रमदान, जल स्रोतों की साफ-सफाई व मरम्मत, वंदे गंगा कलश यात्रा, नदी-बांध-सरोवर का पूजन एवं हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पौधरोपण की तैयारी के साथ-साथ कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत कार्यों का अवलोकन एवं स्वीकृति जैसे प्रमुख कार्य किए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा जयपुर के जमवारामगढ़ पर वृक्षारोपण करेंगे। वहीं मोरी के निकट, रामगढ़ बांध पर श्रमदान करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री बूंदी के लिए रवाना होंगे जहां वे केशोरायपाटन में मुख्यमंत्री 'वंदे गंगा' जल पूजन, चुनरी महोत्सव एवं कलश पूजन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और समारोह में जल स्वावलंबन अभियान 2.1 के अंतर्गत बूंदी जिले के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। वे यहां केशवराय भगवान मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। श्री शर्मा शाम को भरतपुर पहुंचेंगे जहां वे गंगा मदिर में विशेष पूजा और सुजानगंगा में दीपदान भी करेंगे।

निर्जला एकादशी (6 जून) के दिन रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड आदि सार्वजनिक स्थानों पर वंदे गंगा जल सेवा, जल परीक्षण अभियान, जल संरक्षण संरचनाओं की गाद निकालना एवं पशुओं-पक्षियों के लिए साफ पीने के पानी की व्यवस्था के संबंध में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 7 जून को अभियान पर संगोष्ठियां तथा 8 जून को ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर वंदे गंगा प्रभात फेरी और जागरूकता अभियान रैली आयोजित की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार 9 जून को 11 साल पूरे कर रही है। इस दिन 9 जून को वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत राज्य सरकार नवीन अमृत सरोवर का शुभारंभ करेगी। साथ ही, नए जल संग्रहण और जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों के शुभारंभ, गांवों के सभी जल स्रोतों की मैपिंग व साफ-सफाई तथा गांवों के मुख्य मार्गों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई आदि पर्यावरण सरंक्षण के कार्य भी किए जाएंगे। अभियान के तहत 10 से 15 जून के मध्य मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.1 के अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन, मुख्यमंत्री जन स्वावलंबन अभियान 2.2 के अंतर्गत कार्यों की स्वीकृति और प्रारंभ करना तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना 2.0 के अंतर्गत नवीन परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। इसी प्रकार 575 जल संरक्षण संरचनाओं का अवलोकन और मनरेगा के तहत विभिन्न कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। साथ ही इन दिवसों में किसान चौपाल, डिग्गियों की साफ-सफाई, जल स्रोतों पर दीप प्रज्ज्वलन, प्लास्टिक कचरे का चिन्हित स्थलों पर निष्पादन और अमृत 2.0 के अंतर्गत कार्यादेश जारी करने के कार्य भी प्रस्तावित हैं। इस दौरान जल उपभोक्ता समूहों के कार्यक्रम, कैच द रैन कार्यक्रम और पेयजल स्रोत जैसे ग्राउंड लेवल रिजर्वायर और ऑवर हैड रिजर्वायर की साफ-सफाई की जाएगी। जल बचत हेतु जनजागृति अभियान, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यों का लोकार्पण एवं स्वीकृति, जल उपयोग अंकेषण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता पर निबंध लेखन एवं नुक्कड नाटक आदि गतिविधियों का भी आयोजन भी किया जाएगा।

16 से 19 जून तक अभियान के अंतर्गत चारागाहों का चिन्हिकरण और पौधरोपण की तैयारी, राजीविका के ग्राम संगठन एवं सीएलएफ कार्यालयों में स्वच्छता अभियान के साथ ही मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तहत चयनित ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर रात्रि चौपाल आयोजित कर जल संग्रहण एवं संरक्षण पर चर्चा की जाएगी।। साथ ही स्प्रिंकलर, ड्रिप, फार्म पॉण्ड, पाइपलाइन की स्वीकृति, अमृत 2.0 के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा साफ-सफाई कार्यक्रम एवं शहरी रोजगार योजना के अंतर्गत पौधरोपण की अग्रिम तैयारी आदि कार्य किए जाएंगे। 20 जून को अभियान के समापन पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के क्रियान्वयन में सहयोग करने वाले भामाशाह एवं संस्थाओं का सम्मान सहित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तावित किए गए हैं।

श्रृंग ऋषि मंदिर के जिर्णोद्धार का भव्य लोकार्पण

पुष्कर, 04 जून (एजेंसियां)। सिखवाल ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय मुख्यालय पुष्कर में श्रृंग ऋषि भवन एवं मंदिर के जिर्णोद्धार एवं लोकार्पण का कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजमल पांड्या, महामंत्री मच्छराज पंडित, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मनोहरलाल सुखवाल, प्रवक्ता मुकेश उपाध्याय एवं साथीगण के सान्निध्य में पूरे भारतवर्ष में सिखवाल बंधुओ से संपर्क कर इसका पुनर्निर्माण कार्य करवाया। इस कार्य के पूर्ण होने पर इन सभी सक्रिय पदाधिकारियों ने समस्त सिखवाल ब्राह्मण समाज को हर क्षेत्र में जाकर आमंत्रण पत्र देकर कार्यक्रम में पधारने का आग्रह किया।

यह बहुत ही गर्व की बात है कि तेजमल पांड्या एवं इन सक्रिय वरिष्ठ पदाधिकारियों की मेहनत रंग लाई और पूरे भारतवर्ष से दिल्ली से गंगासागर तक, भूटान से श्री डूंगरगढ़ तक सिखवाल ब्राह्मण बंधु एवं प्रतिनिधि पधारे।पुष्कर में चारों तरह सिखवाल ही सिखवाल नजर आ रहे थे, ऐसा लग रहा था कि पुष्कर में सिखवाल महाकुंभ चल रहा था। वहां पर पधारने वाले सभी भामाशाहों और पदाधिकारियों का जोर शोर से स्वागत सत्कार किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बहुत ही शानदार लगभग 6 धर्मशालाओं में 320 वातानुकूलित कमरों एवं 8 वातानुकूलित हॉल की आवासीय व्यवस्था की गई, जिसकी पूरे समाज में जमकर तारीफ की। इस कार्यक्रम में स्वादिष्ट भोजन एवं व्यंजन के लाभार्थी उदयपुर निवासी राधेश्याम पंडित रहे जिन्होंने टेबल एवं कुर्सी पर बैठकर लगभग 2500 सिखवालो को भोजन करवाया। इससे पूरा पुष्कर चारों तरफ सिखवालमय नजर आ रहा था।

इसी कड़ी में तेलंगाना से पधारे हुए अतिथियों का तेजमल पांड्या, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा प्रेमलता व्यास, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रंगलाल ओझा, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष धनराज तिवारी द्वारा सर्व श्री बृजेश तिवारी, सीए घनश्याम उपाध्याय, घेवरचंद उपाध्याय, हीरालाल उपाध्याय, राधेश्याम तिवारी सिकंदराबाद, रूपचंद व्यास, सीताराम पांडिया निजामाबाद, रामदेव उपाध्याय, महेश उपाध्याय, गौभक्त जगदीश उपाध्याय, गोकुलचंद उपाध्याय धर्मपुरुष, लक्ष्मीनारायण कोलरिया एवं पवन उपाध्याय का साफा, माला एवं दुपट्टा से जोरदार स्वागत किया गया।सिखवाल प्रगति समाज इस भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम की सफलता की भरपूर प्रशंसा करता है। पुष्कर में जो मान मनुहार देखने को मिली, उसके लिए पूरी कार्यकारिणी बधाई की पात्र है। सिखवाल प्रगति समाज ऐसे कार्यक्रम को प्राथमिकता देने की अपील करता है जिससे सामाजिक एकता अखंडता की अनूठी मिसाल कायम हो।

झुंझुनूं में आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का पर्दाफाश

3 करोड़ का हिसाब और 10 लाख नगद जब्त, तीन गिरफ्तार

झुंझुनूं, 04 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में क्रिकेट के खुमार के बीच, झुंझुनूं पुलिस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों पर चलने वाले एक बड़े ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है। झुंझुनूं पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और कोतवाली थाना पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में ऑनलाइन सट्टा लगाते हुए तीन प्रमुख आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 10,40,350 नकद राशि, 29 मोबाइल फोन सहित सट्टेबाजी में प्रयुक्त होने वाली भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस को आरोपियों से लगभग 3 करोड़ रुपये के सट्टे के लेन-देन का हिसाब-किताब भी मिला है, जो इस रैकेट के बड़े पैमाने पर फैले होने का स्पष्ट संकेत है।

यह बड़ी कार्रवाई झुंझुनूं के कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजावत के निर्देशानुसार और वृताधिकारी शहर वीरेंद्र कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। मंगलवार, 3 जून की रात को, थाना कोतवाली के उप-निरीक्षक (एसआई) प्यारेलाल अपनी नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें एजीटीएफ प्रभारी विक्रम सिंह से एक पुख्ता सूचना मिली। सूचना के अनुसार, वसुंधरा नगर स्थित अनिल श्योराण के एक मकान में कुछ लोग पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच चल रहे क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगा रहे थे। सूचना की गंभीरता को समझते हुए, एसआई प्यारेलाल ने तुरंत अपनी टीम के साथ-साथ एजीटीएफ और क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) की टीमों को भी बुलाया। सभी टीमें मिलकर बताए गए मकान पर पहुंचीं।

मकान की दूसरी मंजिल से स्पष्ट रूप से क्रिकेट मैच की कमेंट्री और टीवी की आवाजें सुनाई दे रही थीं, जिससे संदेह और गहरा हो गया। जब पुलिस टीम ने छापा मारा, तो उन्हें तीन व्यक्ति लैपटॉप, रजिस्टर और कई मोबाइल फोन के साथ सट्टेबाजी करते हुए रंगे हाथों मिले। एक मोबाइल फोन से स्पीकर जुड़ा हुआ था, जिससे लगातार सट्टे के भाव बताए जा रहे थे। पुलिस को देखते ही तीनों आरोपी हड़बड़ा गए और प्राथमिक पूछताछ करने पर उन्होंने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा लगाने की बात कबूल कर ली।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनिल कुमार जाट पुत्र अमरचंद (33) निवासी डाबली की ढाणी, जिला चूरू; जितेंद्र जाट पुत्र रामचन्द्र (33) निवासी बिबासर, झुंझुनूं; और इंतजार अली पुत्र एजाज अली (34) निवासी क्यामसर, झुंझुनूं के रूप में हुई है।

भाजपा सरकार जनता के साथ पोर्टल-पोर्टल खेल रही है, हर वर्ग परेशान : सैलजा

चंडीगढ़, 04 जून (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रदेश सरकार जनता के साथ 'पोर्टल-पोर्टल' खेल रही है, हर काम के लिए पोर्टल को अनिवार्य कर दिया गया है, जबकि इन पोर्टलों पर कोई काम नहीं हो रहा है। इसके चलते युवा न तो नौकरी के लिए आवेदन कर पा रहे हैं और न ही जाति, आवास आदि प्रमाण-पत्र बनवा पा रहे हैं। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार खुद ही पोर्टलों पर ध्यान नहीं दे रही है और सीएम विंडो एक मजाक बनकर रह गई है। उन्होंने बताया कि शिकायत निवारण के लिए एक माह का समय निर्धारित है, लेकिन शिकायतें एक-एक साल बाद उठाई जा रही हैं।

सांसद सैलजा ने भाजपा सरकार की हर काम के लिए पोर्टल बनाने की नीति की आलोचना की। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किसान को अपनी फसल का ब्यौरा 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर डालना होता है, नौकरी के लिए आवेदन 'सरल पोर्टल' पर करना होता है, और कोई भी प्रमाण पत्र बनवाना हो तो पोर्टल पर जाना अनिवार्य है।

सहायक जिला अटॉर्नी और उप जिला अटॉर्नी के लिए ऑनलाइन स्थानांतरण नीति शुरू

चंडीगढ़, 04 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने आज सहायक जिला अटॉर्नी (एडीए) और उप जिला अटॉर्नी (डीडीए) कैडर के कर्मचारियों के लिए एक नई ऑनलाइन स्थानांतरण नीति शुरू की है। इस महत्वपूर्ण पहल का औपचारिक उद्घाटन हरियाणा की गृह, जेल, आपराधिक जांच और न्याय प्रशासन की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यह ऑनलाइन प्रणाली निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से इन रिक्तियों को व्यवस्थित रूप से भरने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो प्रशासनिक दक्षता में सुधार लाएगी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि इस ऑनलाइन स्थानांतरण नीति में विशेष रूप से सहायक जिला अटॉर्नी (एडीए) और उप जिला अटॉर्नी (डीडीए) कैडर के कर्मचारियों को शामिल किया गया है।

उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में कुल 185 एडीए कर्मचारी हैं, जिनमें से 117 को डीम्ड स्थानांतरण (यानी कार्यकाल या नीति मानदंडों के आधार पर स्वतः स्थानांतरण योग्य) के लिए चिह्नित किया गया है, जबकि 68 ने स्वैच्छिक स्थानांतरण का विकल्प चुना है।

इसी प्रकार, डीडीए कैडर के लिए कुल 31 कर्मचारी हैं, जिनमें से 15 डीम्ड स्थानांतरण के लिए और 16 स्वैच्छिक आवेदक हैं।

जेजेपी ने कई प्रकोष्ठों के प्रभारी व अध्यक्ष बनाए, दिग्विजय चौटाला युवा प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़, 04 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन नवनिर्माण के तहत कई पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा ने वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श करके 36 पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी द्वारा दिग्विजय सिंह चौटाला को युवा प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई हैं। प्रो. रणधीर चीका को प्रदेश प्रधान महासचिव बनाया हैं। महिला प्रकोष्ठ में डॉ. किरण पूनिया को प्रदेश प्रभारी और रजनी दहिया मलिक को महिला प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी हैं। जेजेपी ने बीसी सेल के प्रदेश प्रभारी के पद पर धर्मपाल प्रजापत रिटायर्ड एक्सईएन और राजेश सैनी को बीसी सेल के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया हैं।

पूर्व विधायक रमेश खटक को एससी सेल का प्रदेश प्रभारी और एडवोकेट सुरेंद्र भागीराम को एससी सेल के प्रदेश अध्यक्ष की कमान दी गई हैं। जेजेपी किसान सेल में रोशन ढांडा प्रदेश प्रभारी और नरेश द्वारका प्रदेश अध्यक्ष होंगे। रविंद्र सांगवान को प्रदेश कार्यालय सचिव बनाया हैं। इनके अलावा जेजेपी ने हलका प्रभारी के पद पर लाडवा में संदीप लाडा, नांगल चौधरी में विनोद भील और फिरोजपुर झिरका में शमसुद्दीन को नियुक्त किया हैं।

अम्बाला छावनी में बदलेगा बिजली का ढांचा मिलेगी विकसित देशों जैसी बिजली: विज

अम्बाला, 04 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने घोषणा की है कि अम्बाला छावनी में लगभग 38 करोड़ रुपये की लागत से बिजली का पूरा ढांचा बदला जाएगा, जिसका उद्देश्य विकसित देशों की तर्ज पर उच्च गुणवत्ता वाली विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है। आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनिल विज ने बताया कि इस महत्वपूर्ण परियोजना का टेंडर मंजूर हो चुका है। उन्होंने कहा कि 38 करोड़ रुपये की लागत से अम्बाला छावनी में बिजली के तारों, खम्भों और ट्रांसफार्मरों सहित पूरे ढांचे को आधुनिक बनाया जाएगा और इसे 'नंबर वन' के दर्जे पर लाया जाएगा।ऊर्जा मंत्री ने जानकारी दी कि इस कार्य के पूरा होने से बिजली फाल्ट की समस्या शून्य हो जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी क्षेत्रों में पूरी वोल्टेज मिलेगी, जिसके लिए वोल्टेज की गणना की गई है। बिजली ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए इंसुलेटेड तारें (जो तार को घेरती हैं और उसकी सुरक्षा करती हैं) लगाई जाएंगी, जिससे हादसों का खतरा कम होगा।

विज ने बताया कि यह व्यवस्था विकसित देशों में अपनाई जाने वाली एक परफेक्ट तकनीक है। गौरतलब है कि अम्बाला छावनी में 24 घंटे उच्च गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति के लिए लगभग 38 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई है।

विज ने राहुल गांधी, सुरजेवाला और संजय राउत पर साधा निशाना

अम्बाला: हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेताओं पर तीखे हमले किए हैं। राहुल गांधी के घोड़ों वाले बयान पर तंज कसते हुए विज ने पूछा कि राहुल गांधी अपनी क्वालिटी भी बताएं कि वह बारात वाले घोड़े, 'लंगड़े घोड़े' या जंगी घोड़े हैं। पत्रकारों से बातचीत में विज ने कांग्रेस नेता सुरजेवाला के हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एचपीएससी) को 'हेराफेरी सर्विस कमीशन' कहने वाले बयान पर भी पलटवार किया। विज ने कहा, सुरजेवाला ठीक कह रहे हैं, क्योंकि इनके (कांग्रेस) समय में यह हेराफेरी सर्विस कमीशन ही था, अब यह एचपीएससी है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम नीतीश ने पटना में सौर ऊर्जा परियोजना का किया शुभारंभ

सस्ती दरों पर बिजली समेत कई लाभ मिलेंगे

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना जिला अंतर्गत बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राज्य के विभिन्न नहरों, बांधों, नदी एवं तटबंधों के किनारे खाली पड़े स्थलों का सर्वे कराकर बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के उत्पादन से पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण रहित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी एवं पर्यावरण संरक्षण में इसका लाभ मिलेगा। इस परियोजना के संचालन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और इससे आर्थिक लाभ भी होगा।

उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में हमलोगों ने कई काम किए हैं। हर घर तक बिजली पहुंचा दी गई है। लोगों को सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। इधर, बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्जा परियोजना का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और परियोजना की कार्य पद्धति एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बिहार सरकार के जल-जीवन-हरियाली अभियान के 10वें अवयव (सौर ऊर्जा उपयोग को प्रोत्साहन एवं ऊर्जा की बचत) के तहत हरित ऊर्जा के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं।

राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि पटना जिला में विक्रम लॉक के समीप मुख्य नहर के किनारे जल संसाधन की भूमि पर दो मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कराया गया है। इस परियोजना को स्थापित करने के लिये राज्य सरकार द्वारा राशि का वहन नहीं किया गया है। ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए एकरारनामा के तहत निजी कंपनी द्वारा 25 वर्षों के लिए 3.10 प्रति यूनिट की दर से बिजली, ऊर्जा विभाग को उपलब्ध करायी जाएगी।

सीएम नीतीश कुमार के पार्टी कार्यालय पहुंचे सैकड़ों शिक्षक, शिक्षा मंत्री का घेराव किया

पटना (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से शिक्षक अभ्यर्थी लगातार नीतीश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को बात इतनी बढ़ गई कि सैकड़ों शिक्षक अभ्यर्थी और शारीरिक शिक्षक सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार को भी घेर लिया और हंगामा करने लगे। इनलोगों का कहना है कि हमलोग पिछले कई समय से सरकार से अपनी समस्याओं के समाधान की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन, कोई सुनवाई नहीं हो रही। शिक्षा मंत्री से भी कई बार अपील की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

शारीरिक शिक्षकों का कहना है कि हमलोगों को केवल 8000 रुपये वेतन दिया जा रहा है, जो कि उनके कार्य के अनुरूप नहीं है। इसलिए हमलोग मानदेय बढ़ाने और स्थाईकरण की मांग कर रहे है। लेकिन, सरकार ध्यान नहीं दे रही है। शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री से भी बातचीत की। उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि इस महंगाई में महज आठ हजार रुपये वेतन में कैसे गुजारा करें सर? इसके बाद मंत्री के आश्वासन के बाद शिक्षकों ने धीरे-धीरे अपना आंदोलन समाप्त किया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वो फिर से सड़कों पर उतरेंगे।

इस मामले में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बुधवार को शिक्षा मंत्री जन सुनवाई समाप्त करके बाहर निकले थे। इसी बीच चारों ओर से शिक्षक अभ्यर्थी और शारीरिक शिक्षकों उन्हें घेरने की कोशिश करने लगे। यह देखते ही मंत्री किसी तरह बचते अपनी गाड़ी तक पहुंचे और जदयू कार्यालय से निकल गए। इधर, प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए कोतवाली थाना पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने पहुंचते ही प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की लेकिन जब यह लोग नहीं मानें तो शिक्षकों को वहां से खदेड़ दिया गया और माहौल को शांत कराया गया।

हाईवे पर हादसे में दो युवकों की मौत

पटना (एजेंसियां)। जमुई जिले के चंद्रदीप थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुई-नवादा मुख्य सड़क मार्ग पर मंगलवार की रात 11: 30 बजे के लगभग बुलेट और पिकअप वैन की सीधी टक्कर हो गई। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही चंद्रदीप पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जमुई भेज दिया।

मृतक की पहचान चंद्रदीप थाना क्षेत्र के हाबुनगर गांव निवासी अरुण यादव के 25 बर्षीय पुत्र व अलीगंज प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मुकेश यादव के भतीजे राजेश कुमार तथा उसी गांव के गणेश यादव के 30 बर्षीय पुत्र पप्पू यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक बुलेट से शादी समारोह में शामिल होने पकरीबरावां जा रहे थे। उसी दौरान चंद्रदीप चौक पर पहुंचते ही विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप भान से सीधी टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भयंकर था कि बुलेट पिकअप भान में फसकर लगभग आधा किलोमीटर तक घसीटते हुए चला गया। इससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसे परिजनों द्वारा इलाज के लिए शेखपुरा ले जाया जा रहा था। तभी रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इधर पुलिस दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज कर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। इस अप्रत्याशित घटना से सभी हैरान हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वह पुलिस से न्याय की गुहार है।

श्रीकृष्ण सेतु पर शुरू हुआ भार परीक्षण

जांच के दौरान घंटों बाधित रहा आवागमन, लोग हुए परेशान

मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर जिले को खगड़िया और बेगूसराय से जोड़ने वाले महत्व-पूर्ण श्रीकृष्ण सेतु पर बुधवार को भार परीक्षण और तकनीकी जांच का कार्य शुरू हुआ। सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर चार बजे तक इस दौरान पुल पर यातायात पूरी तरह से बंद रहा, जिससे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

पुल की मजबूती और तकनीकी दक्षता की जांच के लिए सीएसआईआर चेन्नई से आई वैज्ञानिकों की टीम इस परीक्षण कार्य का नेतृत्व कर रही है। डॉ. श्रीनिवासन और डॉ. एम. कुमारस्वामी की अगुवाई में कुल 20 सदस्यीय दल पुल के ऊपरी और निचले हिस्सों की बारीकी से जांच कर रहा है।

इस तकनीकी परीक्षण के तहत कुल नौ हाईवा वाहनों पर 49-49 टन गिट्टी लादकर उन्हें पुल के अलग-अलग हिस्सों पर खड़ा किया गया। इस प्रकार कुल 441 टन भार से पुल के स्पैन और गार्डर पर दबाव डाला गया, ताकि यह देखा जा सके कि उच्च भार के दौरान पुल किस हद तक कंपन या दबाव को सहन कर सकता है। इस पूरे प्रयोग का उद्देश्य यह जानना है कि पुल पर प्रतिदिन गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण उसकी संरचना पर क्या असर पड़ रहा है और भविष्य में किसी तरह की तकनीकी दिक्कत की संभावना तो नहीं है।

एनएचएआई के साइट इंचार्ज नीतीश कुमार ने बताया कि श्रीकृष्ण सेतु की अधिकतम भार क्षमता 110 टन प्रति वाहन और न्यूनतम 55 टन निर्धारित है। इस लिहाज से भार परीक्षण के दौरान प्रयोग में लाए गए वाहनों का भार तकनीकी रूप से सुरक्षित सीमा में रखा गया था। जांच के दौरान पुल के नीचे बांसों के सहारे विशेष उपकरण लगाए गए थे, जिनकी मदद से यह पता लगाया गया कि उच्च भार गुजरने पर पुल में कितनी कंपन या झुकाव उत्पन्न हो रहा है। यह परीक्षण पुल की दीर्घकालीन सुरक्षा और मजबूती सुनिश्चित करने के लिए जरूरी था।

इससे पहले जनवरी 2025 में भी श्रीकृष्ण सेतु की एक बार तकनीकी जांच की गई थी। उस समय ठंड के मौसम में पुल की संरचना की स्थिति परखने के लिए यह परीक्षण किया गया था। अब छह महीने बाद गर्मी के मौसम में दोबारा यह परीक्षण कर यह देखा जा रहा है कि तापमान और मौसम परिवर्तन का पुल की संरचना पर कोई असर तो नहीं पड़ा है।

पुल पर सुबह से दोपहर तक जांच कार्य के चलते यातायात पूरी तरह बाधित रहा, जिससे आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासी और दैनिक यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा, जिससे उनका समय और संसाधन दोनों प्रभावित हुए। हालांकि प्रशासन ने पहले ही इस अस्थायी अवरोध की सूचना दे दी थी, फिर भी बड़ी संख्या में लोग रास्ते में ही फंसे नजर आए।

मुजफ्फरपुर रेप पीड़िता कांड

भाकपा माले ने स्वास्थ्य मंत्री से मांगा इस्तीफा, शेखपुरा में किया जोरदार प्रदर्शन

शेखपुरा (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर की दलित नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म और फिर इलाज में लापरवाही से हुई मौत के मामले ने बिहार की राजनीति में उबाल ला दिया है। पूरे राज्य में इस हृदयविदारक घटना को लेकर जनाक्रोश लगातार तेज हो रहा है। शेखपुरा में भाकपा माले (भाकपा-माले) ने इस मामले को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय से इस्तीफे की मांग की है।

बुधवार को भाकपा माले के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शेखपुरा समाहरणालय के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया और दोषियों को जल्द सजा दिलाने के लिए स्पीडी ट्रायल की मांग की। कार्यकर्ताओं ने सरकार के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि दलित नाबालिग की मौत एक नहीं, बल्कि कई स्तरों की ला-परवाही और व्यवस्था की विफलता का परिणाम है।

भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने स्टेशन रोड से दल्लू मोड़, खांडपर होते हुए समाहरणालय तक करीब तीन किलोमीटर लंबा प्रतिरोध मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'बेटी के हत्यारों को सजा दो' और 'लापरवाह स्वास्थ्य मंत्री इस्तीफा दो' जैसे नारों से पूरे शहर को गुंजा दिया। मार्च के जरिए कार्यकर्ताओं ने न सिर्फ दुष्कर्म और मौत पर गुस्सा जताया, बल्कि सरकार द्वारा मामले में लीपापोती करने का भी आरोप लगाया।

भाकपा माले के जिला सचिव विजय कुमार विजय ने इस मौके पर कहा कि यह मामला सिर्फ अपराध का नहीं, बल्कि सरकार की असंवेदनशीलता और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलता है। उन्होंने बताया कि जब पीड़िता को गंभीर हालत में मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच लाया गया, तो इलाज के नाम पर सिर्फ औपचारिकता की गई। इसके बाद उसे पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टरों की लापरवाही के चलते उसकी मौत हो गई। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार ने इस पूरे मामले को दबाने की कोशिश की है। कुछ पुलिसकर्मियों और डॉक्टरों को निलंबित कर सरकार ने सिर्फ दिखावा किया है, जबकि असली दोषी आज भी खुलेआम घूम रहे हैं।

जिला सचिव ने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोषियों की गिरफ्तारी और मंत्री के इस्तीफे जैसे मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस प्रदर्शन में भाकपा माले के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने सरकार के खिलाफ संगठित होकर न्याय की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

स्वास्थ्य मंत्री के आवास को कांग्रेसियों ने घेरा गोबर फेंका, पोस्टर पर कालिख भी पोत दी

पटना (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मौत के मामले में विपक्ष का बवाल बढ़ता ही जा रहा है। कांग्रेस इस मामले को मुद्दा बनाकर नीतीश सरकार पर लगातार हमला बोल रही है।

पटना में फिर से कांग्रेसियों ने आज प्रदर्शन किया। बुधवार को सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के आवास का घेराव करने पहुंचे। यहां पहुंचे कर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री और एनडीए सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। इतना ही नहीं स्वास्थ्य मंत्री के आवास के गेट पर लगे नेम प्लेट पर गोबर फेंका और उनकी तस्वीर पर कालिख पोत दी। इसके बाद कांग्रेसियों ने कहा कि सही समय पर इलाज न मिलने के कारण एक नाबालिक बच्ची की मौत हो गई। वह अस्पताल में ही तड़पती रही लेकिन अस्प-ताल प्रबंधन ने लापरवाही बरती। इस कारण बच्ची की मौत हो गई।

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। साथ ही कहा कि एक मासूम की हत्या हुई है। इसके लिए उनका विभाग दोषी है। इसलिए फौरन वह अपना इस्तीफा दें।

इधर, कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस टीम पहुंची और कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पीछे हटाने में जुट गई। हालांकि कांग्रेस नेताओं ने पुलिसकर्मियों की एक न सुनी और हंगामा करते ही रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार की ला-परवाही के कारण ऐसा हुआ है।

कांग्रेसियों का आरोप है कि छह दिन तक वह बच्ची इलाज के लिए इधर-उधर भटकती रही। कभी उसे एसकेएमसीएच से पीएमसीएच भेजा गया, तो कभी पीएमसीएच से एम्स, इस दौरान बच्ची को कई घंटे एंबुलेंस में रहना पड़ा। एंबुलेंस में ऑक्सीजन की कमी थी, और जिस एंबुलेंस में बच्ची थी, वह नॉन-एसी थी। अंततः उस बच्ची ने सूबे के बड़े अस्पताल में बेड तक न मिलने और सही समय पर इलाज न होने के कारण एंबुलेंस में ही दम तोड़ दिया। इन सब के लिए स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था दोषी है।

मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मौत मामले में नीतीश सरकार ने दो-दो बड़े अस्पताल प्रबंधन की गलती मानी है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के बाद पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक और श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल, मुजफ्फरपुर की अधीक्षक को हटा दिया गया है। दोनों पर अपने काम में लापरवाही बरतने का आरोप है। स्वास्थ्य विभाग की विशेष कार्य पदाधिकारी रेणु कुमारी की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com